संसेक्स	~	81,101.32
निफ्टी	~	24,868.60
सोना	~	1,10,290
चांदी	~	1,30,000
डॉलर	~	88.21

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

बालाघाट
बुधवार 10 सितम्बर 2025
आश्विन कृष्ण 03 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 347
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

देश के 15वें उपराष्ट्रपति बने सीपी राधाकृष्णन

एनडीए प्रत्याशी का 452 और इंडिया ब्लाक के उम्मीदवार को 300 वोट मिले

नई दिल्ली । सीपी राधाकृष्णन देश के 15वें उपराष्ट्रपति होंगे। उपराष्ट्रपति चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन ने जीत दर्ज की है। इस चुनाव में कुल 767 सांसदों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतगणना के दौरान 752 वैलिड पाए गए और 15 वोट इनवैलिड करार दिए गए। सीपी राधाकृष्णन को प्रथम वरियता के 452 वोट मिले, जबकि इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी को प्रथम वरियता के 300 वोट ही मिले।

राष्ट्पति चुनाव के लिए मंगलवार को संसद भवन में वोटिंग हुई। वोटिंग प्रक्रिया सुबह 10 बजे से शुरू हो गई जो शाम पांच बजे तक चली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सबसे पहले सुबह 10 बजे वोट डाला। वोटिंग शुरू होने से पहले सभी एनडीए सांसद सुबह 9.30 बजे ब्रेकफास्ट मीटिंग में हिस्सा लिया। मुकाबला एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन और इंडिया ब्लॉक के प्रत्याशी बी. सुदर्शन रेड्डी के बीच था। देश के 15वें उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए आज संसद भवन में सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक वोटिंग हुई। कुल 768 सांसदों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। लोकसभा और राज्यसभा मिलाकर भारत की संसद में कुल 788 सांसद होते हैं। वर्तमान दोनों सदनों को मिलाकर 7 सीटें रिक्त हैं। इस तरह कुल 781 सांसदों को वोट करना था, जिसमें से 13 वोटिंग में शामिल नहीं हुए। इनमें बीआरएस के 4, बीजेडी के 7, अकाली दल के 1 और 1 निर्दलीय सांसद ने वोट नहीं डाला। एनडीए 427 सांसदों ने वोट किया।

चुनाव में इंडिया ब्लॉक से किसने की क्रॉस वोटिंग ?

एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन अब देश के उपराष्ट्रपति होंगे। सीपी राधाकृष्णन को 767 वोटों में 452 फर्स्ट प्रफिरेंस के वोट मिले। वहीं, विपक्षी उम्मीदवार जस्टिस बी. सुदर्शन रेड्डी को केवल 300 वोट मिले। साफ है कि विपक्ष के करीब 14 सांसदों ने क्रॉस वोटिंग की है।

कांग्रेस महासचिव ने पहले दावा किया था कि उनके पास 315 वोट हैं, लेकिन वास्तविक परिणाम में विपक्ष के लगभग 14-15 वोट एनडीए के पक्ष में चले गए, जिससे राधाकृष्णन की जीत सुनिश्चित हो गई। इस घटना ने विपक्षी दलों के रणनीतिक समीकरणों को भी चुनौती दी है, खासकर बिहार विधानसभा चुनाव से पहले। विपक्षी दलों की एकजुटता का यह पहला बड़ा परीक्षण था, जिसमें इंडिया ब्लॉक को उम्मीद के मुताबिक वोट नहीं मिल पाए।

उपराष्ट्रपति चुनाव के रिटर्निंग ऑफसिर पीसी मोदी ने बताया क चुनाव में 767 सांसदों ने वोट डाले, जिनमें से 15 अवैध घोषित कर दिए गए। कागजों पर एनडीए के पास 427 सांसदों का समर्थन था और वाईएसआरसीपी के 11 सांसदों ने भी राधाकृष्णन के पक्ष में मतदान किया। लेकिन एनडीए उम्मीदवार को कुल मतों से 14 ज्यादा वोट मिले, जिससे विपक्षी खेमे के सांसदों द्वारा क्रॉस-वोटिंग की अटकलें लगाई जा रही हैं।

एनडीए उम्मीदवार के पक्ष में हुई क्रॉस वोटिंग

उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन की जीत हुई है। जो नतीजे आए हैं उससे स्पष्ट होता है कि विपक्ष अपने सांसदों को एकजुट रहने में सफल नहीं हो पाया। एनडीए के कुल 427 सांसद थे, अगर मान लिया जाए कि जगनमोहन रेड्डी की पार्टी वाईएसआर कांग्रेस के सभी 11 सांसदों ने एनडीए उम्मीदवार के पक्ष में वोट डाले, तो यह संख्या 438 पहुंचती है। लेकिन सीपी राधाकृष्णन को कुल 452 वोट मिले यानी विपक्ष के 14 सांसदों ने एनडीए उम्मीदवार के पक्ष में क्रॉस वोटिंग की।

पीएम मोदी ने पंजाब-हिमाचल को 3100 करोड़ की दी राहत

आप ने बताया मजाक और जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा

चंडीगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार 9 सितंबर को पंजाब और हिमाचल प्रदेश के बाढ़ग्रस्त एवं भूस्खलन वाले इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया। सर्वेक्षण के बाद उन्होंने दोनों राज्यों के लिए कुल 3100 करोड़ रुपये की राहत राशि की घोषणा की। इसमें पंजाब के लिए 1600 करोड़ रुपये और हिमाचल प्रदेश के लिए 1500 करोड़ रुपये शामिल हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यहां कहा कि केंद्र सरकार हर संभव मदद के लिए राज्यों के साथ खड़ी है। उन्होंने बाढ़ में जान गंवाने वालों के परिजनों को 2-2 लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा भी की।

पीएम मोदी की सहायता पर पंजाब सरकार ने नाराजगी जताई। आम आदमी पार्टी सरकार के मंत्रियों ने इसे मजाक बताया और कहा कि प्रधानमंत्री ने जख्मों पर नमक छिड़का है। राज्य सरकार का कहना है कि पंजाब को बाढ़ से कई हजार करोड़ का नुकसान हुआ है और राहत राशि उसकी तुलना में बेहद कम है।

पंजाब सरकार ने पहले ही केंद्र से विशेष राहत पैकेज की मांग की थी। वहीं अब सीएम भगवंत मान ने साफ कहा है कि राज्य सरकार अपने संसाधनों से किसानों और आम लोगों को राहत देने की पूरी कोशिश करेगी, लेकिन केंद्र से उम्मीदें कहीं ज्यादा थीं।

हिमाचल को 1500 करोड़

हिमाचल प्रदेश के लिए घोषित 1500 करोड़ रुपये की राशि पर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने प्रधानमंत्री का आभार जताया है। राज्य में सड़कों, पुलों और मकानों को भारी नुकसान हुआ है। हजारों लोग अब भी राहत शिविरों में रह रहे हैं। उत्तर भारत के कई राज्यों में भारी बारिश और बाढ़ से जनजीवन अस्त-व्यस्त है। पंजाब और हिमाचल प्रदेश सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। खेतों में खड़ी फसलें बर्बाद हो गईं, जबकि सैकड़ों मकान ढह गए। दोनों राज्यों में मिलाकर 200 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

खास खबर

कुल्लू में घर गिरने से 5 लोगों की मौत

शिमला। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू के आनी में लैंडस्लाइड से टूटे घर में एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन लोगों को सुरक्षित निकाला गया। इस हादसे में घर के मालिक शिवराम की पत्नी, बेटा-बहू और 5 व 7 साल के पोता-पोती की मौत हो गई, जबकि शिवराम, उनके भाई और भाभी तो सुरक्षित निकाला गया। यह हादसा सोमवार रात ढाई बजे हुआ। दो भाईयों का परिवार रात में घर पर सो रहा था। अचानक पहाड़ी से लैंडस्लाइड हो गया। इससे दोनों भाईयों का मकान मलबे में दब गया। इसके बाद, रात तीन बजे सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। हादसे में घायल तीनों का नजदीक के अस्पताल में उपचार चल रहा है। इस लैंडस्लाइड में गांव के 3 अन्य घरों को भी नुकसान पहुंचा है।

राज कुंद्रा को ईओडब्ल्यू ने भेजा समन

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा पर अगस्त में 60 करोड़ की धोखाधड़ी के आरोप में शिकायत दर्ज हुई थी। इस मामले में अब आर्थिक आपराधिक शाखा ने मंगलवार को राज कुंद्रा को समन भेजा है। उन्हें 15 सितंबर को ईओडब्ल्यू के आगे पेश होकर बयान दर्ज करवाना होगा। इससे पहले राज कुंद्रा को 10 सितंबर को पेश होने के तलब किया गया था, हालांकि उन्होंने समय मांगा, जिसके बाद अब वो 15 सितंबर को बयान दर्ज करवाएंगे। जांच पूरी होने तक राज कुंद्रा भारत से बाहर नहीं जा सकेंगे। 60 करोड़ की धोखाधड़ी मामले में शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा को 3 बार समन किया जा चुका है। दोनों ने वकील के जरिए जांच अधिकारियों से कहा कि वो लंदन में रहते हैं, जिसके चलते वो पेश नहीं हो सकेंगे।

गुरुद्वारा को बम से उड़ाने की धमकी

पटना। बिहार के पटना स्थित तख्त श्री हरमंदिर साहिब को आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी मिली है। धमकी ईमेल के जरिए भेजी गई है। मेल पर लिखा है, गुरु लंगर कक्ष में 4 आरडीएक्स रखे हैं। विस्फोट से पहले वीवीआईपी और कर्मचारियों को तुरंत बाहर निकाले। पुलिस ने बताया कि धमकी भरा मेल सोमवार रात में मिली थी, जिसके बाद गुरुद्वारा परिसर में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने पटना के स्स्क कार्तिकेय शर्मा को को जानकारी दी। पुलिस ने तुरंत गुरुद्वारा परिसर की सघन तलाशी शुरू की। बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड की मदद से लंगर हॉल सहित पूरे परिसर की बारीकी से जांच की गई। हालांकि कई घंटों की तलाशी के बाद कोई भी विस्फोटक पदार्थ नहीं मिला।

कुछ ना कहना

जीएसटी 2.0 का असर- सरकार ने कंपनियों को पुराने स्टॉक की एमआरपी बदलने की दी इजाजत

22 से सस्ते मिलेंगे बिस्किट-टूथपेस्ट जैसे प्रोडक्ट्स

नई दिल्ली। 22 सितंबर से लागू हो रहीं नई जीएसटी दरों से पहले सरकार ने कंपनियों को अपने पुराने बचे हुए माल की मैक्सिमम रिटेल प्राइज बदलने की इजाजत दे दी है। मैन्युफैक्चरर्स, पैकर्स और इम्पोर्टर्स अब पुराने स्टॉक पर नई कीमतें स्टैंप, स्टिकर या ऑनलाइन प्रिंटिंग से डाल सकेंगे। भारत के कंज्यूमर अफेयर डिपार्टमेंट ने मंगलवार को आदेश जारी कर कहा कि ये अनुमति 31 दिसंबर 2025 तक या पुराना स्टॉक खत्म होने तक लागू रहेगी। नई कीमतों के साथ कंपनियों को पुराना एमआरपी दिखना जरूरी होगा।

3 सितंबर को जीएसटी काउंसिल ने कई सामानों पर टैक्स रेट्स घटाने का ऐलान किया था, जिससे कंपनियों को कीमतें कम करने का मौका मिला है। लेकिन पुराने स्टॉक पर प्रिंटेड एमआरपी को बदलना कंपनियों के सामने चुनौती थी। अब सरकार के इस समस्या का हल निकालने के बाद ग्राहकों को 22 सितंबर से ही चॉकलेट, बिस्किट, कॉफी, शैंपू और टूथपेस्ट जैसे सामान कम कीमत पर मिल सकते हैं।

अब जीएसटी के 4 की जगह केवल दो स्लैब 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत होंगे। इससे आम जरूरत की चीजें जैसे साबुन, शैंपू के साथ एसी, कार भी सस्ते होंगे। जीएसटी काउंसिल की 56वीं मीटिंग में इस पर फैसला लिया गया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 3 सितंबर को इसकी जानकारी दी। वित्त मंत्री सीतारमण ने बताया कि दूध, रोटी, पराठा, छेना समेत कई फूड आइटम जीएसटी फ्री होंगे। वहीं इंडिविजुअल हेल्थ और लाइफ इंश्योरेंस पर भी टैक्स नहीं लगेगा। 33 जीवन रक्षक दवाएं, दुर्लभ बीमारियों और गंभीर बीमारियों के लिए दवाएं भी टैक्स फ्री होंगी। लग्जरी आइटम्स और तंबाकू प्रोडक्ट्स पर अब 28 प्रतिशत की जगह 40 प्रतिशत जीएसटी लगेगा।

यूपी के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह समेत 15 के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी

वाराणसी। न्यायालय में हाजिर नहीं होने पर उत्तर प्रदेश सरकार के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह समेत 15 आरोपितों के विरुद्ध सीजेएम शैलेष कुमार पांडेय की अदालत ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। दरअसल, शहर के मालगोदाम के पास 10 साल पहले रास्ता अवरुद्ध करने एवं तत्कालीन जिलाधिकारी के आदेश का उल्लंघन करने एवं जाम लगाने के मामले की सुनवाई सीजेएम शैलेष कुमार पांडेय की अदालत में चल रही है। न्यायालय में हाजिर नहीं होने पर उत्तर प्रदेश सरकार के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह समेत 15 आरोपितों के विरुद्ध गिरफ्तारी वारंट जारी करने का आदेश पारित किया।

मामले के अनुसार सदर कोतवाली में नौ सितंबर 2015 को धारा 144 की अवहेलना करने के मामले में दर्ज मुकदमे में परिवहन मंत्री समेत 15 आरोपी कोर्ट में उपस्थित नहीं हो रहे हैं। अदालत में उपस्थित नहीं होने की वजह से सीजेएम ने कड़ा रुख अख्तियार करते हुए सदर

कोतवाली पुलिस को उक्त आरोपितों को गिरफ्तार कर अदालत में पेश करने के लिए आदेश दिया है। सदर कोतवाल क्षितिज त्रिपाठी ने इस बाबत बताया कि अदालत के आदेश का पालन किया जाएगा। पूर्व मंत्री नारद राय और पूर्व चेयरमैन लक्ष्मण गुप्ता के बीच चल रहे विवाद को लेकर भाजपा नेता प्रदर्शन कर रहे थे। ओक्डेनगंज चौकी के तत्कालीन इंचार्ज सत्येंद्र राय, कांस्टेबल संजय यादव, जशवीर सिंह आत्मा प्रसाद आदि पुलिसकर्मी शांति व्यवस्था के लिए शहर में चक्रमणकर रहे थे।

विदित हो कि 9 सितंबर 2015 को करीब 11 बजे दिन में पता चला कि मालगोदाम के पास भाजपा के दयाशंकर सिंह, नागेंद्र पांडे, संतोष सोनी, पप्पू पांडे, धीरज गुप्ता, सतीश अग्रवाल, दीपक कुमार, सर्व दमन जायसवाल, राजेश गुप्ता, बंटी वर्मा, रामजी गुप्ता, मनोज गुप्ता ओमप्रकाश तुरहा एवं सौ से ज्यादा लोग रास्ता अवरुद्ध कर रहे हैं। उच्चाधिकारियों के आदेश के क्रम में दयाशंकर सिंह समेत 17 नामित एवं 150 अज्ञात के विरुद्ध सदर कोतवाली में मुकदमा पंजीकृत हुआ। विवेचना के बाद पुलिस विवेचक सत्येंद्र राय ने चार्जशीट न्यायालय को प्रेषित किया। इसका संज्ञान सीजेएम ने 18 जुलाई 2016 को लिया। इसमें नागेंद्र पांडेय व एक अन्य कोर्ट में उपस्थित हुए और जमानत भी करा ली। बाकी प्रदेश सरकार के मंत्री समेत 15 के विरुद्ध गिरफ्तारी वारंट सीजेएम न्यायालय की ओर से किया गया।

आज जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बादल फटने का अनुमान

राजस्थान और गुजरात में भारी बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली। भारी बारिश और भयंकर जलभराव के बाद दिल्ली के हालात सामान्य हो रहे हैं। यमुना का जलस्तर तेजी से कम हो रहा है। वहीं फिर दिल्ली में उमस भरी गर्मी का अहसास होने लगा है। आने वाले तीन-चार दिनों में दिल्ली में पारा चढ़ने और गर्मी में इजाफा होने की संभावना है। वहीं उत्तर प्रदेश में 11 सितंबर से भारी बारिश का दौर शुरू होने की संभावना है। बिहार में 13 सितंबर तक हल्की से भारी बारिश हो सकती है। पंजाब में अगले दो-तीन दिनों तक बारिश से राहत मिलने की उम्मीद है।

मौसम विभाग ने राजस्थान और गुजरात में भारी बारिश की चेतावनी दी है। वहीं, पूर्वोत्तर भारत और ओडिशा में भी भारी बारिश की संभावना जाहिर की गई है। मौसम विभाग के अनुसार, अरुणाचल प्रदेश और असम और मेघालय में 12-14 के दौरान और नागालैंड और मणिपुर में 11 और 12 सितंबर को भारी से बहुत भारी वर्षा की संभावना है इसका मतलब है कि इन राज्यों में अगले कुछ दिनों तक बहुत तेज बारिश हो सकती है। लोगों को सावधान रहने की जरूरत है।

बुधवार को जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के ज्यादातर हिस्सों में मौसम खराब हो सकता है। बादल फटने के साथ मूसलाधार बारिश, भूस्खलन और बाढ़ की संभावना है। इस सप्ताह महाराष्ट्र, गुजरात और गोवा में बारिश कम होने का अनुमान है। पूर्वोत्तर के राज्यों के साथ केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु और तेलंगाना के कुछ हिस्सों में भी ऐसी ही बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने कहा है कि बंगाल की खाड़ी में एक चक्रवाती सिस्टम बन रहा है। इस वजह से 10, 11, 12 और 13 सितंबर को मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। मौसम विभाग का कहना है कि अगले 24 घंटों में कई राज्यों में तेज हवाएं चल सकती हैं और बादल गरज सकते हैं। लोगों को सावधान रहने की जरूरत है।

उत्तर प्रदेश में मॉनसून कमजोर पड़ने के बाद भी अच्छी बारिश की उम्मीद है। पिछले 24 घंटों में तराई क्षेत्र में गरज के साथ बारिश हुई, जिससे मौसम सुहावना हो गया। मौसम विभाग ने बुधवार को राज्य के कई हिस्सों में बारिश की संभावना जाहिर की है। पूर्वी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में तेज हवाओं, बारिश और बिजली गिरने का खतरा है। बाकी जिलों में बादल छाए रहने की उम्मीद हैं, जिससे उमस बढ़ सकती है। राजस्थान में अगले चार दिनों तक मानसून सक्रिय रहेगा। हालांकि, आईएमडी के अनुसार, कोई नया सिस्टम नहीं बन रहा है। इसलिए 13 सितंबर तक ज्यादातर जगहों पर मौसम सामान्य रहेगा।

मालेगांव ब्लास्ट मामले में एनआईए अदालत के फैसले के खिलाफ याचिका, आदेश को दी गई चुनौती

मुंबई,। 2008 के मालेगांव ब्लास्ट मामले में, पूर्व सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर और कर्नल पुरोहित सहित सात लोगों को एक विशेष एनआईए अदालत ने 31 जुलाई को बरी किया था। अदालत ने अपने फैसले में कहा था कि उनके खिलाफ कोई विश्वसनीय और ठोस सबूत नहीं है और मात्र संदेह वास्तविक सबूत की जगह नहीं ले सकता।

हालांकि, पीड़ितों में से एक, निसार अहमद सैयद बिलाल और पाँच अन्य लोगों ने फैसले को बॉम्बे हाईकोर्ट में चुनौती दी है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि एनआईए अदालत का 31 जुलाई का आदेश गलत था और आदेश को रद्द किया जाना चाहिए।

यह मामला महाराष्ट्र के नासिक जिले के मालेगांव में 29 सितंबर 2008 को हुए एक विस्फोट से संबंधित है, जिसमें छह लोग मारे गए थे और 101 घायल हो गए थे। यह घटना एक दोपहिया वाहन में हुए विस्फोट के कारण हुई थी। अदालत ने कहा कि मामले को साबित करने के लिए कोई विश्वसनीय और ठोस सबूत नहीं है। यह भी कहा गया कि किसी भी सबूत के अभाव में आरोपियों को संदेह का लाभ मिलना चाहिए। न्यायाधीश ने कहा कि सभी साक्ष्य अभियुक्तों को दोषी ठहराने के लिए विश्वसनीय नहीं हैं। अदालत ने यह भी फैसला दिया कि इस मामले में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के प्रावधान लागू नहीं होते हैं। अदालत ने अभियोजन पक्ष के उस दावे को भी खारिज कर दिया कि विस्फोट में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल ठाकुर के नाम पर रजिस्टर्ड थी, यह साबित नहीं हो पाया था।

लद्दाख में हिमस्खलन, 3 जवान शहीद

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में सोमवार रात लैंडस्लाइड से टूटे घर में एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन लोगों को सुरक्षित निकाला गया। लद्दाख के सियाचिन में सेना के बेस कैम्प में हिमस्खलन के बाद तीन जवान शहीद हो गए। एक कैप्टन को बचा लिया गया है। शहीद जवान महार रेजिमेंट के हैं। बचाव दल के सैनिक लगभग 5 घंटे तक बर्फ में फंसे रहे। उत्तर दिल्ली के पंजाबी बस्ती इलाके में सोमवार देर रात 4 मंजिला इमारत अचानक ढह गई। घटना के समय इमारत खाली थी, लेकिन कुछ वाहन मलबे में दब गए। गुजरात के अहमदाबाद में सोमवार रात बाइक सवार कपल पानी भरी सडक़ से गुजर रहा था। रास्ते में गड्ढे में करंट का तार था, जिसकी चपेट में आने से दोनों की मौत हो गई। घटना का वीडियो भी सामने आया है।

अब्बास अंसारी की राज्य विधानसभा सदस्यता बहाल

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा दो साल की जेल की सजा रद्द करने के बाद, उत्तर प्रदेश विधानसभा सचिवालय ने अब्बास अंसारी की राज्य विधानसभा सदस्यता बहाल करने का आदेश जारी किया है। अब्बास अंसारी 2022 में मऊ से विधायक चुने गए थे। 2022 के विधानसभा चुनाव के दौरान भड़काऊ भाषण देने के मामले में उन्हें 31 मई, 2025 को सांसद/विधायक कोर्ट ने दो साल की सजा सुनाई थी, जिसके बाद उनकी विधायकी रद्द कर दी गई थी।

उत्तर प्रदेश सरकार ने लखनऊ के डालीबाग इलाके में गैंगस्टर से नेता बने मुख्तार अंसारी की अवैध रूप से कब्जा की गई जमीन को खाली कराया। इस जमीन पर 72 आवासीय फ्लैट बनाए गए हैं, जिनकी कीमत 9 लाख से 9.5 लाख के बीच है। इनका आवंटन लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा और इसके लिए आवेदन प्रक्रिया जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है।

हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद ओली का इस्तीफा...देश छोड़कर भाग सकते

नई दिल्ली। भारत के पड़ोसी मुल्क नेपाल में जेन-जेड युवाओं के नेतृत्व में चल रहे हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद, प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। नेपाल में युवाओं का ये विरोध प्रदर्शन केवल सरकार के खिलाफ नहीं, बल्कि सभी राजनीतिक दलों और नेताओं के खिलाफ हैं। प्रदर्शनकारी भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद का विरोध कर रहे हैं। इसी कारण सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने संसद भवन, पीएम आवास और नेताओं के घरों को निशाना बनाकर आग लगा दी है। इन हिंसक झड़पों में 20 युवाओं की मौत हो गई है और करीब 400 घायल हुए हैं।

पीएम ओली के इस्तीफे से पहले कई मंत्रियों, जैसे गृह मंत्री रमेश लेखक और कृषि मंत्री रामनाथ अधिकारी, ने भी अपने पदों से इस्तीफ़ा दे दिया था। ओली सरकार में सहयोगी पार्टियों के कई सांसदों ने भी इस्तीफा दे दिया है। बताया जा रहा है कि पीएम ओली नेपाल के आर्मी चीफ को इस्तीफा देकर देश छोड़ सकते हैं। उनके साथ कई मंत्री भी नेपाल से निकल सकते हैं। वहीं ओली के इस्तीफे के बाद नेपाल में अनिश्चितता का माहौल है। प्रदर्शनकारियों ने अभी तक किसी नए नेता का नाम घोषित नहीं किया है, और देश में नए चुनावों की संभावना जाहिर की जा रही है। यह भी बताया गया है कि ओली और कुछ अन्य बड़े नेता देश छोड़ सकते हैं। इस विरोध प्रदर्शन की ख़ास बात यह है कि इसका नेतृत्व 20 से 25 साल के युवा कर रहे हैं, इसलिए जेन-जेड प्रोटेस्ट कहा जा रहा है। ये युवा सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के ख़िलाफ़ नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार और वंशवाद के ख़िलाफ़ प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि ये प्रदर्शन सोशल मीडिया बैन नहीं बल्कि भ्रष्टाचार और नेपोटिज्म के खिलाफ चल रहा है, जब तक केपी ओली इस्तीफा नहीं देते हैं और सरकार नहीं गिर जाती है, तब तक ये प्रदर्शन चलता रहेगा। हालांकि अब पीएम ओली का इस्तीफा हो चुका है। देखना यह हैं कि युवा प्रदर्शनकारियों को यह आंदोलन कब खत्म होता है।

ग्राम पंचायत मौरिया के ग्रामीणों को नही मिल रही मूलभूत सुविधाएं, सौपा ज्ञापन

रंगमंच, सभामंच, सुदूर सडक रोड, पाईप पुलिया की सौगात देने की लगाई गुहार, मांग पूरी करने के लिए दिया 15 दिनों का अल्टीमेटम, मांग पूरी ना होने पर पंचायत में ताला जड आंदोलन की दी चेतावनी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत बालाघाट के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत मौरिया के ग्रामीणों को सड़क ,पुल ,पुलिया ,तालाब जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए भी दर-दर की ठोकरे खानी पड़ रही है। जहां रंगमंच, सभामंच ,सुदूर सड़क, पाईप पुलिया, की सौगात देने और फूटे हुए तालाब का पुनर्निर्माण सहित वर्षो से लंबित अन्य मांगों को लेकर पंचायत उपसरपंच सहित ग्राम मौरिया से आए अन्य ग्रामीणों ने मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय में एक ज्ञापन सौपा है। जहां सौंपे गए इस ज्ञापन में उन्होंने जल्द से जल्द उनकी समस्त मांगों को पूरा किए जाने की गुहार लगाई है।जिन्होंने मांग पूरी करने के लिए प्रशासन को 15 दिनों का अल्टीमेटम देते हुए, समय सीमा में मांग पूरी न होने पर, पंचायत में तालाबंदी कर सड़क पर उतरकर धरना प्रदर्शन व आंदोलन किए जाने की चेतावनी दी है।

10 -15 वर्षो से काट रहे शासकीय कार्यालयो के चक्कर, नही हो रही सुनवाई

ग्राम पंचायत मौरिया के ग्रामीणों ने बताया कि ग्रामीण जनता की परेशानी देखते हुये करीब 10-15 वर्ष से समस्त किसान भाइयो एवं ग्रामीण जनता द्वारा शासन से गुहार लगा रही है परन्तु शासन का ध्यान इस ओर कोई ध्यान है।उन्होंने बताया कि ग्राम मौरिया से कोकर्रा सुदूर मार्ग पूरी तरीके से जर्जर हो चुका है। उस मार्ग से लगभग 100 किसानो व पालतु जानवर का आवागमन होता है जो पूरी तरह से क्षीण हो गयी है। उसी मार्ग पर एक पुराना पुल था जिसके टुटने से आवागमन में अवरोध हो रहा है।हमारी मांग है कि 15 वा वित्त और मनरेगा से मिलाकर सुदूर सड़क का पुन: निर्माण कार्य कराने की अनुशंसा प्रदान की जाए।इसी तरह गांव में 2 तालाब थे।जो फूट गए है।भारी वर्षा के कारण मलघाटी तालाब व बडी अमरई तालाब के फुटने से लगभग 70 किसानो की फसल बर्बाद हो गई दोनो तालाब की फाईल आर ई एस आफिस मे लगभग 5 वर्ष से पडी है।जिस ओर शासन का ध्यान नही जा रहा है।और ना ही उस पर कोई कार्यवाही की जा रही है। जिससे आज समस्त किसानो को भारी नुकसान का समना करना पडा हैं । बार बार आर ई एस आफिस के चक्कर लगा रहे है पर उसका निराकरण आज दिनाक तक नही हो पाया है ।

15वा वित्त और मनरेगा से कराया जाए कार्य

ग्रामीणों ने बताया कि मोक्ष धाम मार्ग भी क्षीण अवस्था मे है।उसे भी शासन की ओर से अनदेखा किया जा रहा है।जिससे ग्रामीणों को अवागमन मे भारी परेशानी का सामना करना पड रहा है।इसके अलावा समस्त ग्रामवासियो के द्वारा आंगनबाडी केन्द्र कमांक 2 के पास रंगमंच की मांग की जा रही है जिससे हमे वार्षिक त्योहार, गणेश पुजा दुर्गा जी की स्थापना, जन्मास्टमि आदी के कार्य मे परेशानी हो रही है उस पर भी ग्राम पंचायत व शासन द्वारा ध्यान नही दिया जा रहा हैं।हमारी मांग है कि 15वा वित्त और मनरेगा से मिलाकर यह कार्य कराने की अनुशसा प्रदान की जाए।

तो पंचायत में ताला जड़कर ग्रामीणों के साथ आंदोलन किया जाएगा-उपसरपंच

ग्राम पंचायत मौरिया उप सरपंच कीर्ति गिरी गोस्वामी ने बताया कि ग्राम पंचायत मौरिया में पुराना तालाब था जो फूट चुका है ,उससे किसानो की फसल खराब हो रही है।गांव में सुदूर सड़क जर्जर अवस्था में पहुंच गई है। जबकि उस मार्ग से कई ग्रामीणों का आना-जाना होता है। उस मार्ग में एक पुल भी था जो बहुत पहले टूट चुका है। उसका भी पुन: निर्माण कराया जाना है।इसके अलावा अन्य मांगे हैं जिसको लेकर पिछले 10 -15 वर्षों से हम शासकीय कार्यालयों के चक्कर काट रहे हैं।निर्माण कार्यों की फाइल पर फाइल बनाकर सम्बधित विभाग भेजी जा चुकी है।लेकिन आज तक उन कार्यों के लिए टीएस, एएस नहीं हुआ है। सरकारी दफ्तर में फाइल धूल खा रही हैं। हमने इन सभी मांगों को पूरा करने के लिए शासन प्रशासन को 15 दिनों का अल्टीमेटम दिया है ।यदी समय सीमा के भीतर मांग पूरी नहीं होती तो समस्त ग्रामीणो के साथ पंचायत भवन में तालाबंदी कर धरना प्रदर्शन कर आंदोलन किया जाएगा जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी।

चरेगांव के पंडा तालाब से इसी ग्राम के एक व्यक्ति का बरामद

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। लामाता थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम चरेगांव के तालाब में इसी ग्राम के एक व्यक्ति चंदूलाल पिता पतिराम राजुरकर 65 वर्ष का शव बरामद किया गया। इस व्यक्ति की तालाब में फिसलने से मौत होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। इस व्यक्ति का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया गया है प्राप्त जानकारी के अनुसार चंदूलाल राजूरकर अपने परिवार के साथ खेती किसानी करता था। 9 सितंबर को सुबह 4:00 बजे करीब चंदूलाल राजुरकर मवेशी गाय को धुलने लिए जाता हूं कहकर घर से निकला। किंतु वह घर नहीं लौटा। सुबह 7 बजे चंदूलाल राजूरकर के बेटे रविंद्र राजुरकर को खबर मिली कि रैयतवाड़ी रोड़ किनारे पंडा तालाब में एक व्यक्ति का शव पड़ा है। रविंद्र राजुरकर ने तालाब में जाकर देखा तालाब में उसके पिता का शव पड़ा ।खबर मिलते क्षेत्रीय विधायक मधु भगत ग्रामीणों के साथ तालाब पहुंचे। देखे तालाब में एक व्यक्ति का शव था ।विधायक मधु भगत ने चरेगाव पुलिस चौकी को सूचित किये।चरेगाव पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंडा तालाब से मछुवारों के माध्यम से चंदूलाल राजुरकर का शव बाहर निकलवाए। और पंचनामा कार्यवाही पश्चात चंदूलाल राजुरकर का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सोप दिये। संभावना व्यक्त की गई है कि तालाब की पार से गुजरते समय अचानक चंदूलाल राजुरकर फिसलकर तालाब में गिर गया। जिससे उसकी मौत हो गई। आगे मर्ग जांच लामता पुलिस द्वारा की जा रही है।

मृतक के परिजनों को प्रशासनिक लाभ दिलवाया जाएगा-विधायक मधु भगत

क्षेत्रीय विधायक मधु भगत ने बताया कि सुबह तालाब के मालिक ने जानकारी दिया कि तालाब में किसी व्यक्ति का शव पड़ा है शिनाख्त दौरान गांव में चर्चा सामने आई की चंदूलाल राजूरकर का शव है जो सुबह से गायब थे ।पुलिस को सूचना दी गई और वे ग्रामीणों के साथ मौके पर पहुंचे। तालाब में शव पड़ा था। चंदूलाल राजूलकर के पुत्र रविन्द्र ने बताया कि पिताजी सुबह 4:00 बजे से गायब है । जिनका शव तालाब में पाया गया। विधायक श्री भगत ने कृषक चंदूलाल राजूरकर के मृत्यु पर दुख व्यक्त करते हुए मृतक के परिजनों को प्रशासनिक लाभ दिलवाये जाने की बात कही है।

न्यायालय तहसीलदार वारासिवनी जिला बालाघाट

रा.प्र.क.८९८/अ -६/२०२५-२६

ग्राम- चंदोरी प.ह.न.२५/२७ तहसील वारासिवनी जि. बालाघाट

इस्तेहार/प्रकाशन दिनांक ०९/०९/२०२५

एतद द्वारा आम जनता मौजा चंदोरी प.ह.नं.२५/२७ राजस्व निरीक्षक मंडल वारासिवनी तहसील वारासिवनी जिला बालाघाट को सूचित किया जाता है कि आवेदक रेखा महेन्द्र उर्फ मनोज कुमार जाति ब्राम्हण निवासी ग्राम चंदोरी तहसील वारासिवनी जिला बालाघाट द्वारा मौजा चंदोरी की अपनी भूमि खसरा नं. १८९/१,१८९/२ रकबा ०.०३३,०.०१६ हे. भूमि फौती नामांतरण के आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र पेश किया गया है। संतोष पिता महेन्द्र की मृत्यु दिनांक २६/०१/२०२४ को मृत्यु होने से मृतक का नाम विलोपित कर मृतक के विधिक वारसानों का नाम दर्ज किया जावें। इसमें यदि किसी व्यक्ति को या पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति पेशी दिनांक १९/०९/२०२५ तक न्यायालय में स्वंय उपस्थित होकर या अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से पेश कर सकता है आपत्ति दिनांक के बाद प्राप्त होने वाली

जारी दिनांक -०२/०९/२०२५

पेशी दिनांक-१९/०९/२०२५

स्थान-तहसील कार्यालय वारासिवनी

तहसीलदार वारासिवनी जिला बालाघाट

In The Court Of Pranesh Kumar Pran, Prinipal District and Session Judge, Balaghat

Presiding Officer:- प्राणेश कुमार प्राण

आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 8 संरक्षक एवं प्रतिपाल्य अधिनियम 1890 संरक्षण एवं प्रतिपाल्य प्रकरण क्रमांक (MJC GW/00025/2025)

श्रीमति मिलकन बाई पति कुँवरलाल
श्रीमति मंजिता मेश्राम पति स्व सुबोध मेश्राम
श्रीमति प्रमिला मेश्राम पिता कुंवरलाल
सभी निवासी वार्ड नंबर 2 ग्राम पायली तहसील व जिला बालाघाट

म.प्र. ....आवेदकगण

आम जनता...अनावेदक

Process Id-589/2025
पेशी दिनांक-10/10/2025

प्रेषिती-
(1) आम जनता पता- आम जनता
(2) आम जनता

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमति मंजिता मेश्राम निवासी वार्ड नंबर 2 ग्राम पायली तहसील व जिला बालाघाट ने संरक्षक एवं प्रतिपाल्य अधिनियम की धारा 8 के अंतर्गत स्वयं को पुत्री सृष्टि मेश्राम एवं पुत्र वंश मेश्राम का संरक्षक घोषित करने का आवेदन इस न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है।

यह कि आवेदिका ने पुत्री सृष्टि मेश्राम एवं पुत्र वंश मेश्राम को अपना और अपने पति स्व0 सुबोध मेश्राम की संतान होना बताया है। आवेदिका ने उक्त आवेदन में अभिवचनित किया है कि उसे उसके बच्चों का संरक्षक घोषित किया जावे जिससे कि वह ग्राम पायली प.ह.नं. 15, रा.नि.म. बालाघाट में स्थित खसरा नंबर 438/1 (एस) रकबा 0.1820 हे. का विक्रय कर सके।

अत: यदि किसी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में आवेदिका के अभिभावक / संरक्षक होनें संबंधी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में कोई आपत्ति हो अथवा उक्त संपत्ति में वह अपना हक %समझता हो तो पेशी दिनांक 10/10/2025 को न्यायालय में स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहें। सूचना उपरांत यदि अनुपस्थित रहे तो प्रकरण की सुनवाई एक पक्षीय की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा।

प्राणेश कुमार प्राण
प्रधान जिला न्यायाधीश
बालाघाट (म.प्र.)

पति द्वारा मारपीट करने के दौरान महिला तारपीन से झुलसी

महिला ने अपने पति के विरुद्ध तारपीन से जलाने का लगाई आरोप, आग से झुलसी महिला जिला अस्पताल में भर्ती, लालबर्रा पुलिस जांच में जूटी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)।पति द्वारा मारपीट करने के बाद एक महिला तारपीन से झुलस गई। 8 सितंबर की रात्रि यह घटना लालबर्रा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम लवादा में घरेलू विवाद के चलते हुई तारपीन से झुलसी महिला गंगा पति अनिल उइके के 25 वर्ष को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है।जिला अस्पताल में भर्ती इस महिला ने अपने पति अनिल उइके के विरुद्ध तारपीन से जलाने का आरोप लगाई है। इस मामले की जांच लालबर्रा पुलिस द्वारा की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गंगा उइके मायका कंजई कॉलोनी लालबर्रा का है।सन 2020 में गंगा उइके की शादी अनिल उइके ग्राम लवादा निवासी के साथ सामाजिक रीति रिवाज से हुई है। अनिल उइके तीन भाई है सभी भाई अपने परिवार के साथ एक ही मकान में अलग-अलग रहते हैं। अनिल उइके अपनी पत्नी गंगा उइके के साथ खेती किसानी के अलावा वह स्टील बिल्डिंग का काम करता है। यही बताया गया है की अनिल उइके शराब पीने का आदी है और वह शादी के कुछ माह बाद से अपनी पत्नी गंगा को मारपीट कर शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने लगा था यहां तक की अनिल उइके अपनी गंगा पत्नी के चरित्र पर भी शक करने लगा था और उसने दहेज के सामान भी बेच दिया था। 8 सितंबर की रात्रि अनिल शराब पीकर घर आया और उसे पत्नी गंगा ने बोली की शराब पीकर घर आए हो घर में राशन नहीं है। आपने घर में रखे

दहेज के सामान कासे की थाली बेच दिये हो। अनिल उइके गंगा को गालियां देकर घर से निकला और फिर शराब पीकर आया और गंगा को मारपीट करने लगा और घर से निकल जाने के लिए बोलने लगा। गंगा घर के बाहर निकाल कर बैठ गई थी। इसके बाद अनिल उइके ने गंगा को खींचते हुए घर के अंदर लाया और बोला कि मैं तुझे जला कर डालूंगा और वह घर में रखा तारपीन ढूढने लगा। तब गंगा ने तारपीन का डिब्बा जो घर में रखा था उसे अपने सीने से लगाकर आंचल ढाक कर छुपा दी थी। तभी अनिल उइके ने तारपीन डिब्बा देखा और माचिस जलाकर छिनने लगा । छीना झपटी के दौरान तारपीन का तेल से आग भड़क गई और आग ने गंगा लपेटे मैं ले लिया। गंगा के कपड़े जलने लगे चिल्लाने पर अनिल उइके ने गंगा को कमरे ही बंद कर दिया था। किंतु गंगा को आवाज सुनकर मोहल्ले पड़ोस के लोग दौड़े और गंगा घर के अंदर से बाहर निकाले गंगा के कपड़े उसके शरीर से चिपक गए थे। पड़ोस की महिला ने गंगा के शरीर पर चिपके हुए कपड़े निकाले और 108 एम्बुलेंस को फोन किए ।108 एंबुलेंस के आने के बाद भी अनिल उइके आग से झुलसी अपनी पत्नी गंगा को एंबुलेंस में जाने नहीं दे रहा था। और एंबुलेंस वालों को भागने लगा था ।वहा के लोगों ने बड़े मुश्किल से गंगा को 108 एंबुलेंस में बैठाया और जिला अस्पताल भिजवाए । आग से झुलसी गंगा को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया। जिला अस्पताल पुलिस ने गंगा के बयान लिए और तहसीलदार से उसके कथन भी करवाये है। जिला अस्पताल पुलिस ने इस मामले की तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना लालबर्रा भिजवादी है। इस मामले की आगे जांच लालबर्रा पुलिस द्वारा की जा रही है। घटना के बाद से अनिल उइके फरार बताए गए हैं।

बहुत परेशानी हो रही है सहाब, तालाब बनवा दो

तालाब निर्माण की मांग को लेकर ग्रामीणों ने सौपा ज्ञापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बिरसा तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम भूतना के चैनाटोला में एक भी तालाब नहीं है।जिसके चलते पशुओं को चराने ,पानी पिलाने, कपड़े धोने, व नहाने सहित अन्य निस्तार कार्य के

लिए ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।जिस पर अपना एतराज जताते हुए ग्रामीणों ने जल्द से जल्द शासकीय भूमि पर तालाब का निर्माण कराकर ग्रामीणो को राहत पहुंचाने व जल उपलब्ध कराए जाने की गुहार लगाई है। जहां अपनी इस मांग को लेकर उन्होंने कलेक्टर कार्यालय में ज्ञापन भी सौपा है।

वन विभाग भी तालाब के लिए भूमि देने तैयार है- ग्रामिण

ग्रामीण जोगीलाल मेश्राम सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि इससे पूर्व भी स्थानीय स्तर पर तालाब निर्माण की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा गया था। लेकिन कोई ध्यान नहीं दिया गया।दिनांक 02 अगस्त को विशेष ग्राम सभा आयोजित कर सर्वसम्मति से ग्राम चैनाटोला में जोगीलाल पिता कोपसिंह की कृषि भूमि के उपर उत्तर दिशा में स्थित वन भूमि में सार्वजनिक तालाब निर्माण करने की स्वीकृति प्रस्ताव पारित किया गया है। वन विभाग ने भी तालाब निर्माण के लिए भूमि देने पर सहमति जताई है। बावजूद इसके भी पूर्व से चिन्हित की गई इस भूमि पर प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा तालाब का निर्माण कार्य नहीं कराया जा रहा है।ग्राम चैनाटोला में तालाब ना होने के कारण कृषि कार्य व पशुओं को पानी पीने की परेशानी हो रही है। हमारी मांग है कि वन भूमि से अतिक्रमण हटाकर तत्काल वहां तालाब का निर्माण कराया जाए ताकि ग्रामीणों को राहत मिल सके।

अनुविभागीय अधिकारी के स्थगन आदेश मे रोका गया बेदखली कार्यवाही

लामता(पद्मेश न्यूज)।लामता तहसील न्यायालय के बेदखली आदेश के रा प्र क्रमांक 00024/अ -68/ 2022-23 दिनांक 20/9/2023 को पारित आदेश पर तहसीलदार लामता द्वारा अतिक्रमण हटाने हेतु डाल गठित किया गया था, जो दिनांक 8/9/2025 को अतिक्रमण हटाने के लिए नियत किया गया था, परन्तु पुलिस बल की कमी होने के कारण अतिक्रमण नही हटाया गया, जिसपर न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी के न्यायालय द्वारा शासकीय भूमि खसरा नंबर 54 सड़क मद एवं खसरा नंबर 67 नजुल मद की भूमि पर किये अतिक्रमण को

हटाने के आदेश पर स्थगन आदेश जारी कर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही को रोका गया है। अनुविभागीय अधिकारी द्वारा दिये गये स्थगन आदेश मात्र खसरा नंबर 54 सड़क मद के भूमि के आदेश दिया गया हैं जबकि अतिक्रमणकर्ता द्वारा 2 शासकीय खसरा नम्बर की भूमि खसरा नंबर 54 व 67 पर अतिक्रमण किया हैं तो फिर माननीय अनुविभागीय अधिकारी बालाघाट द्वारा एक खसरा नंबर 54 सड़क मद की भूमि पर ही स्थगन आदेश जारी कैसे कर सकते हैं, दूसरी बात जो प्रकरण का आदेश दो वर्ष पहले जारी हो गया, उस प्रकरण पर दो साल बाद अपील एवं स्थगन कैसे दिया जा सकता हैं. जिससे प्रतीत होता हैं कि न्याय और न्याय पालिका सिर्फ सुनने और गरीब के लिए बच गया है।

तहसील लामता न्यायालय का अजीब कारनामा

उसी प्रकार इसी प्रकरण मे नायब तहसील न्यायालय मे अतिक्रमण की शिकायत अतिक्रमणकर्ता के नाम से किया जाता हैं हल्का पटवारी द्वारा जांच रिपोर्ट भी अतिक्रमणकर्ता के नाम से न्यायालय को दिया गया, परन्तु न्यायालय मे सुनवाई करते समय तहसीलदार लामता द्वारा अतिक्रमणकर्ता को सिविल कार्यवाही से बचाने के लिए अतिक्रमणकर्ता का नाम हटाकर अतिक्रमण कर्ता के बेटे को अनावेदक बनाकर अतिक्रमण का प्रकरण चलाया गया हैं, क्योंकि वर्ष 2016-17 मे माननीय नायब तहसीलदार के न्यायालय से बेदखली आदेश जारी कर अतिक्रमण हटा दिया गया था, इसके बावजूद अतिक्रमणकर्ता द्वारा पुन: 2021-22 मे उसी भूमि पर भवन निर्माण कार्य किया गया, इसलिए अतिक्रमणकर्ता को बचाने के लिए लामता तहसीलदार द्वारा इस प्रकरण मे उनके पुत्र को अनावेदक बना दिया गया। न्यायालय मे बैठे न्याय मूर्ति स्वरूप दंडाधिकारी को इस प्रकार के कृत्य करना न्यायोचित हैं इसी कारण न्यायालय से जनता का विश्वास उठता जा रहा हैं।

पिकअप की ठोकर से मोटरसाइकिल सवार दो युवक घायल

36 बटालियन कनकी में विशेष सहयोगी दस्ता का इंटरव्यू देकर लौट रहे दो युवक

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)।36 बटालियन कनकी से इंटरव्यू देकर लौट रहे दो युवक सड़क दुर्घटना में घायल हो गये। 9 सितंबर को 4:30 बजे यह सड़क दुर्घटना बैहर रोड गांगुलपारा घाट की गोलाई में उस समय जब दोनो युवक मोटरसाइकिल में बालाघाट से गढ़ी जा रहे थे। तभी बैहर की ओर से आ रही पिकअप ने मोटरसाइकिल को चपेट में ले ली। पिकअप की जबरदस्त ठोकर से घायल मोटरसाइकिल सवार दोनो युवक करण सिंह पिता भगवान सिंह अय्याम 34 वर्ष और उसका चचेरा भाई सुदेश पिता सहदेव अय्याम 25 वर्ष दोनों ग्राम खिरसाड़ी थाना गढ़ी निवासी है जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम खिरसाड़ी निवासी दोनों युवक करणसिह अय्याम सुदेश अय्याम पढ़े लिखे हैं और खेती किसानी भी करते हैं।9 सितंबर को दोनों युवक मोटरसाइकिल में अपने गांव खिरसाड़ी से 36 बटालियन कनकी में विशेष सहयोगी दस्ता की भर्ती मैं इंटरव्यू देने के लिए आए थे और विशेष सहयोगी दस्ता के लिए इंटरव्यू देने के बाद दोनों युवक मोटरसाइकिल में कनकी से अपने घर खिरसाड़ी जाने निकले थे। 4:30 बजे भरवेली थाना क्षेत्र में आने वाले बालाघाट से बैहर रोड़ से जाते समय जब गांगुलपार घाट की गोलाई से गुजर रहे थे। तभी बैहर की ओर से तेज रफ्तार से आ रही पिकअप ने मोटरसाइकिल को चपेट में ले लिया। पिकअप की जबरदस्त ठोकर से मोटरसाइकिल सवाल दोनों युवक मोटरसाइकिल सहित फेंक गए। जिनकी मोटरसाइकिल से पीछे चल रहे एक मोटरसाइकिल में सवार तीन युवक बाल बाल बच गए जिन्हें मामूली चोंटे आई। पिकअप की ठोकर से मोटरसाइकिल सवार दोनों युवक करण सिंह अय्याम और सुदेश अय्याम दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के दौरान मौके पर भी लग गई थी। किसी व्यक्ति ने 108 एंबुलेंस को फोन करके बुलाया और दोनों घायल को जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये। पिकअप का नंबर एमपी 50 जी 1395 बताया गया है।

मप्र शासन गृह विभाग ने जारी की स्थानांतरण सूची

50 आईपीएस अधिकारियों को किया गया इधर से उधर

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)।प्रदेश में सोमवार की देर रात बड़ी प्रशासनिक सर्जरी देखने को मिली।जहा गृह विभाग ने दूसरी लिस्ट जारी करते हुए 30 आईपीएस अधिकारियों के तबादले कर दिए। इसमें कई जिलों के अधिकारियों को बदला गया है। इसमें बालाघाट 36 वी वाहिनी में पदस्थ एक अधिकारी के नाम का भी समावेश है। मध्य प्रदेश शासन गृह विभाग अपर सचिव आशीष भार्गव द्वारा जारी की गई इस स्थानांतरण सूची में सेनानी 36 वी वाहिनी (बिसबल) बालाघाट अवधेश प्रताप सिंह को स्थानांतरित कर उन्हें पुलिस अधीक्षक मैहर के पद पर पदस्थ किया गया है।तो वही सहायक पुलिस महानिरीक्षक (बिसबल) पुलिस मुख्यालय भोपाल सुनील तिवारी का स्थानांतरण सेनानी 36 वी वाहिनी बालाघाट किया गया है।आपको बताए कि इसके पहले सोमवार की शाम को जारी हुई स्थानातरण सूची में 20 आईपीएस अधिकारियों को इधर से उधर किया गया था। इस तरह कुल 50 आईपीएस अधिकारियों का तबादला किया गया है।

जिला पंचायत की सामान्य प्रशासन समिति की बैठक 10 सितम्बर को

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। 10 सितम्बर को जिला पंचायत की सामान्य प्रशासन समिति की बैठक का आयोजन किया गया है। जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरस्वार की अध्यक्षता में आयोजित यह बैठक जिला पंचायत कार्यालय सभाकक्ष में दोपहर 01 बजे से प्रारंभ होगी। बैठक में विगत सामान्य प्रशासन समिति का पालन प्रतिवेदन, गृह निर्माण मंडल (हाउसिंग बोर्ड) अंतर्गत कार्यों की समीक्षा, सहकारी विभाग की कार्यो की समीक्षा व अन्य एजेण्डो पर समीक्षा की जाएगी।

आवश्यकता है
क्लिनिक एवं दवा दुकान में काम करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है
पद-3
वेतनमान योग्यतानुसार
सम्पर्क करें-
9893833533,
9424019660

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

जनसुनवाई में अपर कलेक्टर ने सुनी आवेदकों की समस्या

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। **प्रत्येक मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई की कड़ी में 09 सितम्बर को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इसमें अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे एवं संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक ने अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभाग को उनका निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में 110 आवेदक अपनी समस्या लेकर आए थे।**

जनसुनवाई में बिरसा तहसील के ग्रामवासी डोडियारोला से चिचरंगपुर तक पक्की सड़क निर्माण की मांग लेकर आए थे। ग्रामीणो का कहना था कि डोडियारोला से चिचरंगपुर तक कच्ची सड़क होने के कारण ग्रामीणों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। बरसात के दिनों में कीचड़ और पानी भर जाने से वाहनों का आवागमन बाधित हो जाता है, जिससे मरीजों को समय पर उपचार नहीं मिल पाता। यही नही बल्कि गर्भवती महिलाओं को भी समय पर अस्पताल पहुंचाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इस प्रकरण में अपर कलेक्टर श्री धुर्वे ने सम्बंधित विभागीय अधिकारियो को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

लालबर्रा तहसील के ग्राम नागपुरा से आये आवेदक कोमल गोंडाने ने जनसुवाई मे अपनी समस्या मे बताया कि ग्राम पंचायत नगपुरा स्थित ख.न. 416 का ड्रोन सर्वे करवाने के बाद पटवारी द्वारा की गयी जाँच में गलत जानकारी देने के कारण उसकी जमीन किसी दूसरे के नाम पर दर्ज कर दी गयी है। जबकि वह इस जमीन पर पिछले 42 साल से कबधारी है। कोमल गोंडाने की समस्या को सुनने बाद अपर कलेक्टर श्री धुर्वे ने एसडीएम वारासिवनी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए है। तहसील बिरसा की ग्राम पंचायत भूतना से ग्रामीण अपनी समस्या लेकर को लेकर जनसुनवाई में आये। जिसमे उन्होंने बताया कि 2 अगस्त को विशेष ग्राम सभा में सर्वसम्मति से ग्राम चैनाटोला में जोगीलाल सिंह की कृषि भूमि पर सार्वजानिक तालाब बनाये जाने का प्रस्ताव पारित किया गया है लेकिन अभी तक तालाब के निर्माण बनाये जाने कि कोई कार्यवाही नहीं कि गयी है। तालाब ना होने से कृषि व पशुओं को पानी पीने की समस्या हो रही है। अपर कलेक्टर श्री धुर्वे ने इस पर जनपद सीईओ बिरसा को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए है।

जनपद पंचायत लालबर्रा के ग्राम भाण्डामुर्री से आये आवेदक अनिल सकोने ने जनसुनवाई में शिकायत की कि वह 2008 से भृत्य व 2010 से नल चालक का काम ग्राम पंचायत भण्डामुर्री में कर रहा है। जिसका वेतन भुगतान सरपंच/सचिव ने पिछले तीन साल से नहीं किया है। जिसके कारण उसे आर्थिक समस्या का सामना करना पड़ रहा है। अपर कलेक्टर श्री धुर्वे ने इस प्रकरण में जनपद सीईओ लालबर्रा को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए है। लालबर्रा तहसील के ग्राम कनकी से आये आवेदक धर्मेंद्र भलावी ने जनसुनवाई में अपनी समस्या में बताया कि उनके पारिवारिक सदस्य जितेंद्र भलावी ने सजातीय लड़की से प्रेम विवाह किया है। इस बात को लेकर जाति समाज के कार्यकर्त्ता बाबूलाल वरकडे, पप्पू सैयाम द्वारा जितेन्द्र भलावी से जुर्माने के रूप में 1.5 लाख रुपए की मांग कि गयी है और जमा नहीं करने पर जाति से निष्कासित करने की धमकी दी गयी है।अपर कलेक्टर श्री धुर्वे ने इस प्रकरण में पुलिस अधीक्षक को आवश्यक कार्यवाही करने कहा है।

जनसुनवाई में लांजी तहसील के आवेदक राजेश मस्करे शिकायत लेकर आए थे कि मध्य प्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण परियोजना क्रियान्वयन इकाई क्रमांक-01 बालाघाट में सड़क निर्माण में कटाई कार्य के भुगतान को लेकर एक ठेकेदार और एक व्यक्ति के बीच विवाद चल रहा है। व्यक्ति का आरोप है कि ठेकेदार ने उन्हें केवल 01 लाख 01 हजार 500 रुपये का भुगतान किया है, जबकि उनका वास्तविक बिल 08 लाख 50 हजार रुपये है। उसके द्वारा इस मामले में सीएम हेल्पलाइन 181 में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसे उन्होंने बाद में वापस ले लिया था। अब श्रमिक मांग कर रहे हैं कि उन्हें जल्द से जल्द संपूर्ण भुगतान किया जाए।

जनसुनवाई में ग्राम भांडी की रेखा डोंगरे अपने पुत्र को छात्रावास में प्रवेश दिलाने की मांग लेकर आयी थी। रेखा डोंगरे का कहना था कि उसके पुत्र समीर ने उत्कृष्ठ विद्यालय बालाघाट में कक्षा 11वीं कामर्स में प्रवेश लिया है। उसके द्वारा 01 माह पूर्व गायखुरी के छात्रावास में प्रवेश के लिए आवेदन दिया गया है, लेकिन उसे अब तक प्रवेश नही दिया गया है। जिसके कारण समीर की पढ़ाई में व्यवधान हो रहा है। अतः उसके पुत्र को छात्रावास में शीघ्र प्रवेश दिलाया जाए। वार्ड नं.02 अर्जुन नाला कटंगी निवासी भोजगिरी गोस्वामी प्रधानमंत्री आवास योजना की तीसरी किश्त शीघ्र दिलाने की मांग लेकर आए थे। उनका कहना था कि उसे 01-01 लाख रुपए की दो किश्तों का भुगतान कर दिया गया है। आवास का कार्य पूर्ण करने के लिए उसने अपने परिचितों से रुपए उधार लेकर कार्य कराया है। अब वे उससे उधार दिये गए रुपए वापस मांग रहे है। अतः उसे 50 हजार रुपये की तीसरी किश्त का शीघ्र भुगतान किया जाए।

जनपद पंचायत कटंगी के सदस्य विनोद पंचभाई शिकायत लेकर आए थे कि तेंदुपत्ता अधोसंरचना विकास मद से जिला लघु वनोपज दक्षिण बालाघाट के अंतर्गत ग्राम महकेपार के बिरसामुण्डा चौक में सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 19 जनवरी 2023 को 15 लाख 95 हजार रुपये की राशि स्वीकृत की गई थी। यह कार्य वन विभाग द्वारा अब तक प्रारंभ नही कराया गया है। ग्राम महकेपार में अम्बेडकर चौक में सभामंच का निर्माण कराया जा रहा है। लेकिन यह कार्य भी वन विभाग द्वारा अधूरा छोड़ दिया गया है और मजदूरों का भुगतान नही किया गया है। अतः इन कार्यों को शीघ्र प्रारंभ कराया जाए और मजदूरो का भुगतान कराया जाए।

जनसुनवाई में बैहर तहसील के ग्राम हर्रानाला की मंतुराबाई सैयाम पति के सेवानिवृत्त होने के बाद मिली राशि मे से आधा हिस्सा दिलाने की मांग लेकर आयी थी। मंतुराबाई का कहना था कि उसके पति देवीसिंह सैयाम निवासी ग्राम कुकर्रा तहसील बैहर वर्ष 2024 में शासकीय शिक्षक के पद से सेवानिवृत्त हो गए है। पति द्वारा 20-25 साल पहले उसे छोड़ दिया गया था, तब से वह अपने मायके में रह रही है। उसकी दो पुत्रिया है, जिनका विवाह उसने स्वयं ही किया है। पति द्वारा कहा गया था कि सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाली राशि में से आधा हिस्सा मंतुराबाई को देगा। लेकिन पति द्वारा उसे अब तक कोई राशि नही दी गई है और उससे बगैर पूछे दूसरी शादी कर ली गई है। मंतुराबाई का कहना था कि उसकी आर्थिक स्थिति बहुत खराब हो गई है और वृद्धावस्था के कारण वह मजदूरी का काम करने में सक्षम नही है। अतः उसे पति को सेवानिवृत्ति के बाद मिली राशि में से आधी राशि दिलायी जाए और पति अचल संपत्ति में हिस्सा दिलाया जाए।

खैरलांजी तहसील के ग्राम आरंभा निवासी हीरालाल बसेने शिकायत लेकर आए थे कि उनकी कुल 22 एकड़ जमीन है। उसके 03 लड़के और 05 लडकियॉ है, और सभी सर्विस करते है। उसकी उम्र 73 वर्ष हो चूकी है। उसकी खेती-बाड़ी लड़को ने अपने हाथ में ले रखी है और उसे खर्च के लिए कोई राशि नही दी जाती है। खर्च मांगने पर घर से निकाल देने की धमकी देते है। अतः उसे अपने बेटो से 05 हजार रुपये हर माह खर्च की राशि दिलायी जाए।

बैहर क्षेत्र के लगभग दो दर्जन से अधिक ग्रामीणों ने पक्के मार्ग बनाए जाने को लेकर ज्ञापन सौंपा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बैहर क्षेत्र के लगभग दो दर्जन से अधिक ग्रामीणों ने जिला मुख्यालय पहुंचकर, ग्राम पहुंच मार्ग को पक्का मार्ग बनाए जाने की मांग को लेकर

कलेक्टर को ज्ञापन दिया । जिसमें ग्रामीणों ने बताया कि आज तक उनके गांव पहुंच मार्ग नहीं बनाया गया है, जिससे उन्हें इन दिनों अच्छी खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कुछ ग्रामीणों ने तो यह भी बताया कि बीते दिनों एक गर्भवती महिला को अस्पताल तक पहुंचाना था तो एंबुलेंस गांव तक नहीं आ पाई और उन्हें कुछ किलोमीटर पैदल ले जाना पड़ा। जबकि संबंधित सभी अधिकारियों को उनके गांव पहुंच मार्ग की स्थिति पता है। उसके बावजूद भी रोड बनाए जाने को लेकर कोई अधिकारी संज्ञान नहीं ले रहा है। ग्रामीणों ने जल्द से जल्द मार्ग को बनाए जाने की मांग की है। आपको बता दे कि जिले के आदिवासी क्षेत्रों में आज भी विकास कार्य अछूते हैं। यहां मूलभूत सुविधाओं को लेकर आदिवासी ग्रामीण कलेक्ट्रेट से लेकर सरकारी दफ्तरों के चक्कर काट रहे हैं। मंगलवार को बैहर क्षेत्र के वनग्राम चिचरंगपुर के ग्रामीण कलेक्ट्रेट पहुंचे। उन्होंने डोंडियाटोला से चिचरंगपुर तक जर्जर रोड से हो रही परेशानी से अधिकारियों को अवगत कराया और ज्ञापन सौंपकर पक्की सड़क बनाने की मांग रखी। ग्रामीण चरण सिंह धुर्वे और रामलाल धुर्वे ने बताया कि ये मार्ग इतना जर्जर हो चुका है, कि इस पर पैदल चलना भी दूभर हो गया है। आपात स्थिति में गांव में एंबुलेंस का पहुंचना भी असंभव-सा हो गया है। सबसे ज्यादा कठिनाई वर्षा के दिनों में होती है। जगह-जगह गहरे और बड़े गड्ढे हो गए हैं। पूरा मार्ग कीचड़ से सन गया है। महिलाओं और बच्चों का इस मार्ग पर चलना चुनौती से कम नहीं है। सरकारी वाहन भी गांव तक नहीं पहुंच पाते। कई बार किसी के बीमार पड़ने या गर्भवती महिला को आपात सेवा देने के लिए परिजन परेशान होते हैं। वर्षा के दिनों में रोड की हालत बद से बदतर हो जाती है। गांव के बच्चे चिचरंगपुर से गुदमा स्कूल जाते हैं, लेकिन कई बार मार्ग की खराब हालत के कारण बच्चे स्कूल तक नहीं जा पाते। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से गुहार लगाई कि डोंडियाटोला से चिचरंगपुर तक पक्का मार्ग बनाया जाए ताकि उन्हें भीषण समस्या से निजात मिले।

बालाघाट का राजा की निकली विसर्जन शोभायात्रा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। **बालाघाट का राजा की धूमधाम के साथ शोभायात्रा निकालते हुए प्रतिमा का विसर्जन किया गया। यहां समिति द्वारा 8 सितंबर की देर शाम बालाघाट का राजा की शोभायात्रा निकाली गई, जो डीजे की धुन पर श्रद्धालुओं द्वारा नाचते, थीरकते हुए, पूरे शहर का भ्रमण करने के बाद देर रात स्थानीय वैनगंगा नदी के छोटे पुल में प्रतिमा का विसर्जन किया गया । प्रतिमा विसर्जन के समय कुछ विवाद की स्थिति भी निर्मित हुई , जिसे जिला प्रशासन और पुलिस विभाग द्वारा विवाद को खत्म करवाते हुए प्रतिमा का विसर्जन करवाया गया।**

आपको बता दे कि लालबाग के राजा की तर्ज पर बालाघाट मुख्यालय में विगत एक दशक से सराफा में बालाघाट का राजा, नाम से गणेश प्रतिमा को विराजित किया जाता है, जिसकी विसर्जन शोभायात्रा, सोमवार देरशाम 8 बजे निकाली गई। तकरीबन 11 फीट उंची प्रतिमा को वाहन पर रखने के बाद बैंडबाजो के साथ भक्त, बप्पा को विदाई देने निकले। इस दौरान भक्तों का भारी जन सैलाब भी देखने को मिला। जहां देर रात वैनगंगा नदी के पावन जल में गणेश प्रतिमा का विसर्जन किया गया। इसके पूर्व गणपति बप्पा की विधि विधान के साथ पूजा अर्चना की गई। वहीं उपस्थित जनों ने गणपति बप्पा मोरिया अगले बरस तू जल्दी आ के जयकारे लगाते हुए, बालाघाट के राजा को बिदाई दी।

विसर्जन यात्रा के दौरान कराया गया नगर भ्रमण

सोमवार देर शाम को विसर्जन यात्रा नगर के सराफा बाजार से निकाली गई, जो हनुमान चौक, नावेल्टी हाउस चौक, महावीर चौक, गुजरी चौक, काली पुतली चौक से जयस्तंभ चौक पहुंची, जहां से यह शोभा यात्रा सीधे वैनगंगा नदी के पावन घाट पर पहुंची। जहां प्रतिमा का विसर्जन किया गया। इसके साथ ही जिले में गणेश प्रतिमाओं के तीन दिवसीय विसर्जन का सिलसिला, बालाघाट का राजा भगवान गणेश प्रतिमा के विसर्जन के साथ समाप्त हो गया।

पिछले 10 वर्षों से लालबाग के राजा की तर्ज पर विराजित की जा रही हैं प्रतिमा

बताया गया कि पहले शिवशक्ति गणेश उत्सव समिति के नाम से छोटी प्रतिमा विराजित की जाती थी। लेकिन विगत 10 साल पहले, लालबाग की तर्ज पर बालाघाट का राजा नाम से गणेश प्रतिमा विराजित की जाने लगी और तब से अनवरत रूप से गणेश प्रतिमा को विराजित किया जा रहा है। बताया गया कि प्रतिमा का निर्माण, डेढ़ महिने पहले से मूर्तिकार शुरू कर देते है।

विवाद की बनी थी स्थिति - गोपाल सोनी

बालाघाट एसडीएम गोपाल सोनी ने अनौपचारिक चर्चा के दौरान पद्मेश न्यूज़ को बताया कि बालाघाट का राजा की प्रतिमा विसर्जन के समय विसर्जित को लेकर विवाद की स्थिति बन गई थी, जिस पर प्रशासन की समझाइश के बाद श्रद्धालुओं द्वारा पूरे विधि विधान के साथ बालाघाट के राजा की गणेश प्रतिमा को वैनगंगा नदी के छोटे पुल से विसर्जित करवा दिया गया ।

उधार लेकर रसोईया बहने खिला रही बच्चों को मध्यान भोजन

कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, समय पर खाद्यान्न सामग्री नहीं मिलने पर हड़ताल किए जाने की दी चेतावनी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। प्रांतीय स्व सहायता समूह रसोईया महासंघ द्वारा अपनी विभिन्न मांगों को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन दिया गया , जिसमें रसोईया बहनों ने बताया कि वह बीते कई महीनो से खाद्यान्न सामग्री उधार पर लेकर बच्चों को भोजन करवा रही हैं और विभाग उन्हें पर्याप्त खाद्यान्न सामग्री के साथ समय पर मानदेय भी नहीं दे रहा है , जिससे वह बहुत अधिक परेशान है उन्होंने जिला मुख्यालय पहुंचकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा और समय पर मानदेय दिए जाने के साथ में पर्याप्त मात्रा में खाद्यान्न दिए जाने की मांग की है, नहीं तो खाद्यान्न नहीं मिलने को लेकर आंदोलन किए जाने की भी बात उन्होंने ज्ञापन देने के दौरान कही ।आपको बता दे कि जिले में लंबे समय से मध्याह्न भोजन बनाने वालीं रसोइयां समय पर उचित मानदेय की मांग कर रही हैं, लेकिन मंगलवार को उन्होंने प्रशासन की अनदेखी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने कलेक्टर मृणाल मीना और जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ के नाम ज्ञापन सौंपकर सांझा चूल्हा योजना की राशि न मिलने और आंगनबाड़ी केंद्रों की रसोइयाओं को मात्र 500 रुपये प्रतिमाह पारिश्रमिक मिलने की समस्या

से अवगत कराया। एक स्व सहायता समूह की अध्यक्ष कविता लाड़े ने बताया कि आंगनबाड़ी में मध्याह्न भोजन बनाने के लिए न राशन मिल रहा है और न ही रसोइयाओं को उनका भुगतान मिल रहा है। समूहों द्वारा बिल लगाने पर उसके विरुद्ध बेहद कम राशि प्रदान की गई है। किसी केंद्र को 10 हजार, 15 हजार और 20 हजार रुपये का बिल लगाया गया है, तो उसके एवज में तीन से चार हजार रुपये का ही भुगतान हुआ है। स्वतंत्रता दिवस पर स्कूल में बच्चों की दर्ज संख्या से भी अधिक लोगों को भोजन कराया गया था। इसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण भी शामिल हुए थे। कविता लाड़े ने बताया कि रसोइयां सबसे ज्यादा राशन के लिए भी परेशान हो रही हैं। राशन उपलब्ध होने के बाद भी वेबसाइट नहीं चलने की बात कहकर राशन नहीं दिया जा रहा है। ऐसे में उन्हें उधार में सब्जियां और राशन लाकर मध्याह्न भोजन पकाना पड़ता है। ये स्थिति पूरे जिलेभर में है। अगर हालात ऐसे ही रहे, तो उन्हें या तो प्रदर्शन करना पड़ेगा या योजना का क्रियान्वयन नहीं करेंगे। ज्ञापन सौंपने आईं रसोइयाओं ने बताया कि 13 और 19 अगस्त को भी उन्होंने हड़ताल की थी। प्रदर्शन कर अपनी मांगों से अवगत कराया था, लेकिन अब तक इस संबंध में कोई फैसला नहीं लिया गया। यदि अब विभाग उनकी इस समस्याओं पर संज्ञा नहीं लेता तो वह मध्यान भोजन का कार्य बंद करते हुए, जिला मुख्यालय में हड़ताल करेंगी ,क्योंकि अब उनके पास हड़ताल के अलावा दूसरा कोई रास्ता नहीं बचा है ।

जिला अस्पताल के ट्रामा सेंटर परिसर से फिर हटाया गया आक्रमण

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिला अस्पताल के सामने ट्रामा सेंटर परिसर में पसरे अतिक्रमण को एक बार फिर से हटाने की कार्यवाही नगर पालिका द्वारा की गई है। बताया गया कि जिला चिकित्सालय के सामने विगत कई वर्षों से अवैध अतिक्रमण कर कुछ लोगों के द्वारा चाय नाश्ता कपड़ा सहित अपनी अन्य दुकानों का संचालन किया जाता है।जहां समय-समय पर नगर पालिका के द्वारा इस अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही की जाती है। लेकिन देखने में यह आता है की कार्यवाही के चंद दिनों बाद ही स्थिति जस की तस हो जाती है और अतिक्रमणकर्ता पुन: अपनी दुकाने लगाकर वहां व्यापार शुरू कर देते हैं।जिससे यातायात प्रभावित होता है।हर बार की तरह इस बार भी मंगलवार को शाम नगर पालिका के प्रचार वहान से जिला चिकित्सालय के सामने मुनादी कराकर अतिक्रमण कर्ताओं को अपना अतिक्रमण हटाने की चेतावनी दी गई। जिस पर अतिक्रमणकर्ताओं ने स्वयं अपना अतिक्रमण हटाना शुरू कर दिया।जहां लगभग 15 से 20 दुकानों को हटवाया गया। बता दे की जिला चिकित्सालय के सामने में दिनभर 108 एंबुलेंस व जननी एक्सप्रेस की आवाजाही बनी रहती है ,लेकिन सड़क किनारे लगी इन दुकानों से यातायात प्रभावित होता है।जिसको सुगम बनाने के लेकर जिला अस्पताल

के सामने से पुन: एक बार फिर अवैध अतिक्रमण को हटाया है।अब देखना यह दिलचस्प रहेगा की कितने दिनों तक यह अतिक्रमण हटा रहेगा। हालांकि इसके पूर्व भी कई बार अतिक्रमण हटाया जा चुका है। लेकिन मॉनिटरिंग ना होने के चलते अतिक्रमण हटाने के अगले ही दिन,एक बार फिर से लोग अतिक्रमण कर अपनी दुकाने सजा लेते हैं और स्थिति तस की तस बनी रहती है।

नेशनल लोक अदालत के लिए जिले में कुल 21 खंडपीठों का हुआ गठन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)।प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्राणेश कुमार प्राण के मार्गदर्शन में 13 सितम्बर 2025 को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। नेशनल लोक अदालत में प्रकरणों के निराकरण के लिए जिला न्यायालय बालाघाट में 10 खंडपीठ का गठन किया गया है। इसके साथ ही सिविल न्यायालय बैहर के लिए 03 खण्डपीठ, सिविल न्यायालय कंटगी के लिए 01 खंडपीठ, सिविल न्यायालय लांजी के लिए 01 खंडपीठ तथा सिविल न्यायालय वारासिवनी के लिए 06 खंडपीठों का गठन किया गया है। इस प्रकार संपूर्ण जिले में कुल 21 खण्डपीठों का गठन किया गया। न्यायालयों में लंबित विभिन्न प्रकृति के प्रकरणों में आपराधिक शमनीय प्रकरण, परक्राम्य लिखत अधिनियम की धारा 138 के अंतर्गत प्रकरण, बैंक/मनी रिकवरी संबंधी मामलें, एम.ए.सी.टी. प्रकरण (मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति दावा प्रकरण), वैवाहिक प्रकरण, श्रम विवाद प्रकरण, भूमि अधिग्रहण के प्रकरण एवं जल कर/विद्युत चोरी सहित शमनीय प्रकरण और दीवानी इत्यादि विभिन्न प्रकृति के महत्वपूर्ण मामलें रखे गये है। नेशनल लोक अदालत का वृहत स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जा रहा है ताकि आमजन को लोक अदालत के लाभ के बारे में अवगत कराया जा सके।

15 दिवसीय सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा अभियान की हुई शुरुआत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। यातायात पुलिस द्वारा विभाग के निर्देश पर सड़क सुरक्षा , जीवन रक्षा अभियान की शुरुआत की गई है। इस 15 दिवसीय अभियान में यातायात पुलिस द्वारा अलग-अलग स्कूल, कॉलेज और चौक, चौराहों पर नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से आमजन को यातायात के नियम के प्रति जागरूकता को लेकर संदेश दिए जाएंगे। इसके तहत स्थानीय सीएम राइज स्कूल में पुलिस विभाग के अधिकारियों ने बच्चों को यातायात जागरूकता के प्रति आवश्यक जानकारी दी । आपको बता दे की यातायात पुलिस द्वारा 8 सितंबर से 22 सितंबर तक सड़क सुरक्षा, जीवन रक्षा यातायात जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत यातायात पुलिस द्वारा इन 15 दिनों में जिले भर में अलग-अलग स्थान पर यातायात के प्रति आमजन को जागरूक करने के लिए नुक्कड़ नाटक और स्कूलों ,कॉलेजों और बाजारों में जाकर यातायात के नियमों की जानकारी दी जाएगी। साथ ही स्कूलों में बच्चों को गुड टच और बैड टच की भी जानकारी दी जा रही है । यदि तेजगति से वाहन चलाने , बिना हेलमेट के वाहन चलाने,

बिना सीटबेल्ट के वाहन चलाने , नाबालिक द्वारा वाहन चलाने, वाहन चलाते समय मोबाईल फोन का उपयोग करना, शराब पीकर वाहन चलाने, रॉग साईड वाहन चलाने, ओवर लोडिंग वाहन चलाने, बिना लायसेंस के वाहन चलाने, बिना फिटनेस के वाहन चलाने, बिना परमिट के वाहन चलाने पर पुलिस द्वारा कार्यवाही की जायेगी। इस विषय को लेकर डीएसपी प्रतिष्ठा राठौर द्वारा बताया गया कि वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन पर यातायात जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है । जिसमें यातायात को लेकर आमजन को इसकी जानकारी दी जा रही है। आज इसी अभियान के तहत सीएम राइज स्कूल में स्कूली बच्चों को यातायात नियमों की जानकारी के साथ गुड टच और बैड टच एवं अपराधों से संबंधित जानकारी दी गई है । उन्होंने आमजन से अपील की है कि सभी यातायात नियमों का पालन करें और उनके साथ घटने वाली कोई भी अपराधीक घटनाओं की जानकारी अपने माता-पिता के साथ पुलिस को दे। ताकि आमजन की अधिक से अधिक मदद की जा सके । इस जागरूकता अभियान कार्यक्रम में यातायात थाना प्रभारी उपनिरीक्षक दिनेश तिवारी , एएसआई गणेश राउत , संजय भगत, लखन कुशराम, अरविंद गुर्जर, श्रीकांत तिवारी सहित यातायात के अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

जीर्णशीर्ण भवन एवं टपकती छत के नीचे बैठकर पढ़ाई करने मजबूर नौनिहाल बच्चें

विभाग को जानकारी फिर भी उदासीनता, नौनिहाल बच्चें एवं कार्यकर्ता को हो रही परेशानी

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत औल्याकन्हार स्थित आंगनवाड़ी केन्द्र क्रमांक 1 का भवन जर्जर हो चुका है एवं भवन से जगह-जगह से प्लास्टर निकलने लगा है और बारिश होने पर छत से पानी टपकता है। इस तरह से जीर्णशीर्ण भवन एवं टपकती छत के नीचे नौनिहाल ब'चें शिक्षा अध्ययन कर रहे है। जिससे हर समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। वहीं भवन जीर्णशीर्ण होने, आसपास कचरे उग जाने से आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को भी आंगनवाड़ी केन्द्र का संचालन करने में खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के द्वारा भवन जीर्णशीर्ण होने, बारिश होने पर छत से टपक रहे पानी की समस्या से महिला एवं बाल विकास विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों को अवगत करवा दिया गया है। लेकिन जिम्मेदार जनप्रतिनिधि एवं अधिकारियों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। ऐसी स्थिति में जर्जर भवन में नौनिहाल ब'चें और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता रोजाना जान जोखिम में डालकर अपना कार्य कर रहे है यानि की शिक्षा अध्यापन कार्य संपन्न करवा रहे है। लेकिन जिम्मेदार कोई ध्यान नही दे रहे है। जिससे नौनिहाल ब'चों के अभिभावक व ग्रामीणजनों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है।

नवीन भवन निर्माण की उठी मांग

शासन के द्वारा आंगनवाड़ी केंद्रों के निर्माण पर लाखों रूपये खर्च कर बच्चों के बौध्दिक व शारीरिक विकास हेतु सुविधाएं उपलब्ध करवाने का दावा किया जाता है। लेकिन वास्तविकता यह है कि लालबर्रा जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत औल्याकन्हार स्थित आंगनवाड़ी केन्द्र क्रमांक 1 का भवन जर्जर हो चुका है एवं छत व अन्य स्थानों से प्लास्टर निकल रहे है। लेकिन इस जीर्णशीर्ण भवन के मरम्मत हेतु कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जबकि इस आंगनवाड़ी केन्द्र में 25 नौनिहाल ब'चें दर्ज है जो रोजाना आंगनवाड़ी केन्द्र पहुंचकर शिक्षा अध्ययन करते है। साथ ही मंगलवार सहित अन्य दिनों में आंगनवाड़ी केन्द्रों में गर्भवती महिलाओं की गोद भराई सहित अन्य कार्यक्रम आयोजित किये जाते है और उक्त कार्यक्रम इसी जर्जर भवन में संपन्न होते है। किन्तु भवन जीर्णशीर्ण होने व छत से पानी टपकने पर काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। साथ ही ब'चों के शिक्षा अध्ययन करते समय अगर प्लास्टर ब'चों के ऊपर गिरता है तो बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है। वहीं आंगनवाड़ी केन्द्र परिसर की साफ-सफाई नही होने से घास उग चुके है जिससे जहरीले कीड़े-मकोड़े के छुपे रहने एवं निकलने का डर भी बना हुआ है, लेकिन महिला एवं बाल विकास विभाग के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। ऐसी स्थिति में कार्यकर्ता को उसी स्थान पर प्रशासनिक व शैक्षणिक गतिविधियां करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। जबकि लंबे समय से नवीन भवन निर्माण की मांग की जा रही है, लेकिन कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे ग्रामीणजनों में आक्रोश व्याप्त है। नौनिहाल बच्चों के अभिभावक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं ग्रामीणजनों ने नवीन आंगनवाड़ी केन्द्र का भवन निर्माण करवाने की मांग शासन-प्रशासन से की है।

छत से टपकता है पानी - दीपा

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती दीपा बेलजी ने बताया कि आंगनवाड़ी भवन जीर्णशीर्ण हो चुका है और तेज बारिश होने पर छत से पानी टपकता है एवं कमरों में नमी बनी रहती है। ऐसी स्थिति में बच्चों को पढ़ाई करने में परेशानियों का सामना करना पड़ता है। साथ ही स्कूल व पंचायत भवन के पीछे आंगनवाड़ी केन्द्र स्थित है, जिसके कारण कई बार नये हितग्राही को आने में भी परेशानी होती है। शासन-प्रशासन से मांग है कि नवीन भवन का निर्माण जल्द करवाये।

भवन जीर्णशीर्ण हो चुका है - ओमप्रकाश

औल्याकन्हार सरपंच प्रतिनिधि ओपी बिसेन ने बताया कि आंगनवाड़ी का भवन की स्थिति बहुत खराब हो चुकी है, छत से प्लास्टर निकलने लगे है एवं पानी का रिसाव होता है। जिससे नौनिहाल बच्चों सहित कार्यकर्ता को परेशानियों का सामना करना पड़ता है एवं महिला व बाल विकास विभाग के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जबकि नवीन भवन की अत्यंत आवश्यकता है। श्री बिसेन ने बताया कि पंचायत के द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग व जिला प्रशासन को मांग पत्र सौंपकर नवीन आंगनवाड़ी केन्द्र क्रमांक 1 का भवन निर्माण की मांग की जायेगी ताकि नौनिहाल ब'चों को वर्तमान में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

इनका कहना है-

पंचायत परिसर में आंगनवाड़ी केन्द्र का संचालन हो रहा है, पंचायत को मरम्मत कार्य करवाना चाहिए एवं नवीन भवन निर्माण के लिए शासन को मांग पत्र भेजा जायेगा, राशि स्वीकृत होने पर नवीन भवन का निर्माण करवाया जायेगा।

श्रीमती रानू शिवहरे
परियोजनाधिकारी
महिला एवं बाल विकास विभाग लालबर्रा।

किसान गर्जना संगठन ने स्व. ईश्वरीप्रसाद ठाकरे के परिवार को किया सम्मानित

स्व. ठाकरे को श्रध्दांजली अर्पित कर परिजनों को किया किसान रत्न स्मृति चिन्ह भेंट

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। किसान गर्जना संगठन लालबर्रा के द्वारा गत दिवस पाथरशाही निवासी किसान गर्जना संगठन के पदाधिकारी स्व. ईश्वरीप्रसाद ठाकरे के निवास स्थान पहुंचकर उनके परिजनों से मुलाकात कर दो मिनट कर मौन धारण कर श्रध्दांजली अर्पित की गई। तत्पश्चात स्व. ठाकरे के परिवार को किसान रत्न स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। चर्चा में किसान गर्जना संगठन लालबर्रा अध्यक्ष रामचंद्र सिहोरे ने बताया कि किसान गर्जना संगठन के ग्रामीण कोषाध्यक्ष पाथरशाही निवासी स्व. ईश्वरीप्रसाद ठाकरे अंतिम समय तक किसान हित की लड़ाई में तन, मन, धन से सहयोग करते रहे है। जिनका विगत दिवस निधन हो चुका है, उनमें किसान हित में हमेशा सहयोग करने की जिज्ञासा थी। गत दिवस उनके निवास पहुंचकर स्व. ठाकरे के छायाचित्र के समक्ष माल्यार्पण कर श्रध्दांजली अर्पित की गई और उसके परिवार को किसान रत्न स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया है। श्री सिहोरे ने बताया कि स्व. ईश्वरीप्रसाद ठाकरे किसान संगठन का एक ऊर्जावान पदाधिकारी था, जिनकी कमी हमेशा खलेगी और हम सभी पदाधिकारी एवं सदस्यगण उनके सहयोग करने की जिज्ञासा को जन-जन तक पहुंचाने का काम एवं किसानों के हित की लड़ाई लड़ते रहेगें। इस अवसर पर किसान गर्जना संगठन लालबर्रा अध्यक्ष रामचंद्र सिहोरे, नारायणप्रसाद यादव, कुशनाजी पारधी, मोरसिंह ठाकुर, रवि ठाकुर, हुकुमचंद पटले, भरतलाल, निरंजन पारधी, लक्ष्मीप्रसाद ठाकुर, गेंदलाल माने, प्रकाश, बस्ताराम परिहार, देवराम साहू, खुनेश्वर बिसेन, पन्नालाल समरित, ओमकार ठाकरे, दीपक बिसेन, चंदनलाल बोपचे, अनिल ठाकुर, टुंडीलाल ठाकरे, राजेश टेंभरे, सरवनलाल, रूपचंद बिसेन सहित अन्य किसानगण उपस्थित रहे।

पुलिस बुलाने डायल 100 की बजाय अब 112 डायल करें क्षेत्रीयजन

लालबर्रा थाने को मिली डायल 112 वाहन की सौगात, सेवा हुई शुरू

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। म.प्र. में पुलिस सहायता के लिए अब 100 की जगह 112 नंबर डायल करना होगा। नये डायल 112 वाहनों के शुभारंभ के साथ ही यह सुविधा पुलिस थाना लालबर्रा में प्रारंभ हो गई है। वहीं पूर्व में क्षेत्रीय एवं पीड़ित लोग डायल 100 पर जानकारी देकर पुलिस की मदद लेते थे किन्तु सरकार के द्वारा उक्त नंबर को बदलकर अब डायल 112 कर दिया गया है। इस तरह से पीड़ितों के लिए सहारा होगी डायल 112 नंबर और क्षेत्रीयजन एवं पीड़ितजन किसी परेशानी में रहने, सड़क दुर्घटना होने, मारपीट सहित अन्य मामलों के लिए अब डायल 112 नंबर पर कॉल कर पुलिस को बुलायेगें। आपकों बता दे कि 1 नवंबर 2015 को शुरू हुई डायल -100 भारत की पहली केंद्रीकृत, रा'य-व्यापी पुलिस आपातकालीन प्रतिक्रिया सेवा थी। इसने शहरी और ग्रामीण-दोनों क्षेत्रों में त्वरित, तकनीक-सक्षम सहायता उपलब्ध करवाते हुए जन-सुरक्षा में नया मानक स्थापित किया। इस प्रणाली का संचालन भोपाल स्थित अत्याधुनिक सेंट्रल कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से किया गया। वहीं नागरिक टोल-फ्री नंबर 100 पर कॉल करते थे, जहां प्रशिक्षित कॉल-टेकर कंप्यूटर-सहायता प्राप्त डिस्पैच सॉफ्टवेयर के माध्यम से निकटतम उपलब्ध डायल-100 की पहचान कर तुरंत रवाना करते थे। किंतु अब तेजी से बदलते तकनीकी परिदृश्य और सेवा गुणवत्ता की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, डायल- 112 को अधिक कुशल, बुध्दिमान और नागरिक-जागरूक प्रणाली के रूप में पुन: डिजाइन किया गया है। नई तकनीकों-डेटा एनालिटिक्स, रीयल-टाइम लोकेशन ट्रैकिंग और काल के साथ डायल-112 अब सिर्फ प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि खतरे का पूर्वानुमान कर नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में भी सक्षम है।

संकट की स्थिति में त्वरित सहायता प्रदान करेगा डायल 112

पुलिस विभाग के द्वारा शुरू की गई डायल 112 भारत सरकार की एकीकृत आपातकालीन प्रतिक्रिया सहायता प्रणाली है, जो पूरे देश में एकल नंबर के रूप में काम करती है। यह सेवा 24 घंटे उपलब्ध है और सभी 36 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में लागू है। पुराने अलग-अलग आपातकालीन नंबरों (जैसे 100 पुलिस, 101 अग्निशमन, 102/108 एम्बुलेंस, 181 महिला हेल्पलाइन, 1098 चाइल्डलाइन) को अब 112 में एकीकृत कर दिया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य संकट की स्थिति में त्वरित सहायता प्रदान करना है। खासकर महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए निर्भया फंड के तहत शुरू की गई। डायल 112 पर फोन करने पर पुलिस सहायता के रूप में अपराध, झगड़े, घरेलू हिंसा, चोरी या किसी खतरे की स्थिति में तुरंत पुलिस टीम पहुंचाती है।

इनका कहना है -

डायल 112 पर कॉल मिलते ही पुलिस जीपीएस लोकेशन के आधार पर तुरंत मौके पर पहुंचेगी। यह सेवा महिलाओं, बुजुर्गों, दुर्घटना पीड़ितों और अपराध से प्रभावित लोगों के लिए फायदेमंद होगी। लालबर्रा थाना क्षेत्र के सभी नागरिकों से अपील है कि इस सेवा का गलत उपयोग न करें, केवल आपात स्थिति में ही कॉल करें।

सुनील चतुर्वेदी
थाना प्रभारी
लालबर्रा।

सड़क दुर्घटना में दो व्यक्ति घायल, जिला चिकित्सालय रिफर

घायलों को उपसरपंच प्रदीप ढांडे ने पहुंचाया अस्पताल

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी. दूर ग्राम पंचायत टेंगनीकला में सोमवार की रात करीब 9 बजे सड़क दुर्घटना में दो व्यक्ति घायल हो गये थे। जिन्हे निजि वाहन से टेंगनीकला उपसरपंच प्रदीप ढांडे के द्वारा लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में लाकर भर्ती किया गया। जहां प्राथमिक उपचार होने के बाद स्वास्थ्य में सुधार नही आने पर मंगलवार को सुबह बेहतर उपचार के लिए जिला चिकित्सालय रिफर किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार टेंगनीकला निवासी 16 वर्षीय अमन कावरे अपने अन्य दो साथियों के साथ सोमवार की रात में खाना खाने के बाद सड़क में टहल रहे थे एवं लालबर्रा की ओर से जा रहे टेंगनीकला निवासी प्रफुल्ल हुमनेकर मोटरसाइकिल से अपने ग्राम की ओर जा रहा था। तभी डुलीचंद सेलोकर के मकान के समीप मोटरसाइकिल चालक ने टक्कर मार दी। जिससे अमन एवं मोटरसाइकिल चालक घायल हो गये। जिसके बाद किसी के द्वारा ग्राम के उपसरपंच प्रदीप ढांडे को सड़क दुर्घटना होने की जानकारी लगी तो वे तत्काल घटना स्थल पहुंचे और दोनों घायलों को निजि वाहन से लालबर्रा अस्पताल लाकर भर्ती किया। जहां चिकित्सक के द्वारा प्राथमिक उपचार किया गया एवं स्वास्थ्य में सुधार नही आने पर मंगलवार को दोनों घायल अमन कावरे, मोटरसाइकिल चालक प्रफुल्ल हुमनेकर को जिला चिकित्सालय रिफर किया गया है। इस सड़क दुर्घटना में अमन एवं प्रफुल्ल को हाथ, पैर, सिर सहित शरीर में अंदुरूनी चोटे आई है।

दुर्घटना में घायल लोगों की सभी करें मदद - प्रदीप

टेंगनीकला उपसरपंच प्रदीप ढांडे ने बताया कि सोमवार की रात करीब 9 बजे ग्राम के अमन एवं अन्य दो युवक खाना खाने के बाद टहल रहे थे। तभी मोटरसाइकिल चालक ने अमन को टक्कर मार दी जिससे दोनों घायल हो गये। जिसकी जानकारी लगने पर तत्काल घटना स्थल पहुंचकर घायलों को निजि वाहन से लालबर्रा अस्पताल में लाकर भर्ती किया गया एवं दुसरे दिन मंगलवार को स्वास्थ्य ठीक नही होने पर जिला चिकित्सालय रिफर किया गया है। अमन को सिर, हाथ व प्रफुल्ल हुमनेकर को भी चोटे आई है। श्री ढांडे ने बताया कि राहवीर योजना भारत सरकार के द्वारा शुरू की गई है और इस योजना के तहत जो व्यक्ति सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने एवं बचाने में मदद करता है उन्हे प्रोत्साहित करने के लिए 25 हजार रूपये की राशि पुरस्कार स्वरूप दी जाती है। मैंजिले सहित प्रदेशवासियों से अपील है कि अगर कोई व्यक्ति सड़क दुर्घटना में घायल हो जाते है, जिसकी जानकारी लगती है तो वे तत्काल घायलों की मदद कर उन्हें अस्पताल पहुंचाकर उनकी जान बचाने में मदद करें। आपके ऊपर कोई पुलिस इन्वेस्टिगेशन नहीं करेगी।

50 वर्ष पुरानी जीर्णशीर्ण पानी टंकी को किया गया डिस्मेंटल

पानी टंकी स्थल में पंचायत काम्पलेक्स का करवायेगी निर्माण, बेरोजगारों को मिलेगा रोजगार

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय के हाई स्कूल रोड़, बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति लालबर्रा के समीप 50 वर्ष पूर्व पीएचई विभाग के द्वारा पानी टंकी का निर्माण किया गया था। जिसके माध्यम से नगरवासियों को पानी प्रदाय किया जाता था। लेकिन देख-रेख के अभाव में पानी टंकी जीर्णशीर्ण हो चुकी थी। जिसके कारण इस पानी टंकी से पानी सप्लाई बंद कर दिया गया था। वहीं पानी टंकी के समीप में कुछ लोगों के द्वारा अतिक्रमण कर दुकान का संचालन किया जा रहा था। साथ ही पानी टंकी के समीप में स्कूल एवं खेल मैदान स्थित था, छुट्टी होने पर ब'चें खेल मैदान में खेलते थे एवं दुकान में दिनभर लोग बैठे रहते थे। जिससे हर समय लोगों को यह डर बना रहता था कि जर्जर पानी टंकी अचानक धराशायी होता है तो बहुत बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है। जिसको देखते हुए लंबे समय से पंचायत से 50 वर्ष पुरानी जर्जर पानी टंकी को डिस्मेंटल करने की मांग नगर के जागरूक नागरिक, दुकानदार कर रहे थे। वहीं 50 वर्ष पुरानी पानी टंकी की जर्जर स्थिति को देखते हुए पांढरवानी पंचायत के द्वारा जिला प्रशासन से अनुमति लेकर गत दिवस पानी टंकी के सामने रोड़ किनारे दुकान लगाने वाले दुकानदारों को नोटिस जारी कर अपने-अपने दुकान हटाने के निर्देश दिये गये थे और दुकानदारों ने स्वयं हटा भी लिये। मंगलवार को पांढरवानी पंचायत के द्वारा दो क्रेन मशीन से 50 वर्ष पुरानी जीर्णशीर्ण हो चुकी पानी टंकी को सावधानीपूर्वक डिस्मेंटल (जमींदोज) कर दिया गया है। वहीं 50 वर्ष पुरानी पानी टंकी डिस्मेंटल हो जाने से अब पूर्व में उसके समीप से गुजरने वाले लोगों को दुर्घटना होने एवं बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति लालबर्रा को उनके भवन की ओर गिरने से भवन क्षतिग्रस्त होने की संभावना बनी हुई थी वह दूर हो चुकी है। पानी टंकी डिस्मेंटल होने से अब उक्त स्थान खाली हो चुका है, जिसके मलबे को व्यवस्थित कर समतलीकरण किया गया। वहीं पांढरवानी पंचायत के द्वारा पानी टंकी वाले स्थान पर नवीन काम्पलेक्स का निर्माण करवाने की योजना तैयार की गई है। अगर काम्पलेक्स का निर्माण कर दिया जाता है तो नगर मुख्यालय के विकास में यह एक बड़ी सौगात होगी। साथ ही लोगों को रोजगार मिलेगा एवं पंचायत को राजस्व भी प्राप्त होगा।

शॉपिंग काम्पलेक्स का किया जायेगा निर्माण - अनीस

पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि हाई स्कूल रोड़, सोसायटी के समीप स्थित पानी टंकी 50 साल पुरानी हो चुकी थी, जिसकी स्थिति जर्जर थी, जिसको डिस्मेंटल करना अत्यंत आवश्यक था क्योंकि यह एक बहुत व्यस्ततम स्थान है जहां हमेशा लोगों का आवागमन रहता है। साथ ही समीप में स्कूल है, माँ सरस्वती महोत्सव, दुर्गा उत्सव पर अनेक कार्यक्रम समीपस्थ होगें। अगर पानी टंकी गिर जाती तो बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई थी। श्री खान ने बताया कि कलेटर महोदय एवं पीएचई विभाग से अनुमति लेकर 50 साल पुरानी जर्जर पानी टंकी को डिस्मेंटल कर दिया गया है और उक्त स्थान पर शॉपिंग काम्पलेक्स का निर्माण किया जायेगा। जिससे पंचायत क्षेत्र के बेरोजगारों को रोजगार मिलेगा एवं पंचायत को राजस्व प्राप्त होगी।

विद्युत करेंट लगने से महिला की मौत

मामले में पुलिस ने आवश्यक कार्यवाही कर जांच की प्रारंभ

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के वार्ड नंबर १ निवासी ५५ वर्षीय महिला की विद्युत करेंट लगने से मौत हो गई। घटना के बाद महिला को सिविल अस्पताल में भर्ती किया गया जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसमें बताया जा रहा है कि श्रीमती ड़ालेश्वरी ड़हरवाल घर के पीछे कपड़े सुखा रही थी तभी तार में आए विद्युत करेंट से यह हादसा हो गया। मामले में पुलिस के द्वारा आवश्यक कार्यवाही कर मार्ग जांच प्रारंभ कर दी गई है।

कपड़ा सुखाते समय करेंट लगने से हुई मौत

प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर के वार्ड नंबर १ निवासी राजेंद्र ड़हरवाल अपनी पत्नी श्रीमती ड़ालेश्वरी डहरवाल और परिवार के अन्य सदस्य के साथ निवास करते हैं। जहां पर सोमवार की रात्रि करीब ९ बजे श्रीमती श्रीमती ड़ालेश्वरी डहरवाल के द्वारा घर परिवार के विभिन्न कार्य करने के उपरांत घर के पीछे कपड़े सुखाते समय अचानक विद्युत करेंट लगने से आंगन में ही बेसुध होकर गिर गई। जिनके चिल्लाने और गिरने की आवाज परिवार के लोगों ने सुनी और वह तत्काल दौड़कर आए तो देखें कि श्रीमती ड़ालेश्वरी डहरवाल जमीन पर गिरी हुई थी। जिसे सिविल अस्पताल में लाया गया जहां डॉक्टर ने जांच कर मृत घोषित कर दिया। वहीं अस्पताल तहरीर के माध्यम से पुलिस थाना वारासिवनी को घटना की जानकारी दी गई। जिस पर पुलिस के द्वारा अस्पताल पहुंचकर घटना की जानकारी ली गई । वहीं शव को सुरक्षित सिविल अस्पताल परिसर स्थित शव विच्छेदन गृह के अंदर फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिया गया। जहां ९ सितंबर को पुलिस के द्वारा आवश्यक पंचनामा कार्यवाही करने के उपरांत शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। तो वहीं मामले में मर्ग क्रमांक ५६/२५ भारतीय न्याय संहिता की धारा १९४ के तहत कायमी कर जांच की जा रही है।

विद्युत करेंट लगने से मेरी बहन की मौत हो गई-होलेन्द्र सोनेकर

प्रार्थी होलेन्द्र सोनेकर ने पुलिस को बताया की मैं वार्ड नं. १ वारासिवनी में रहता हूँ। बैंक आफ महाराष्ट्र शाखा बुदबुदा में जॉब करता हूँ डालेश्वरी डहवाल मेरी बडी बहन है। जो वार्ड नं.१ सम्राट नगर वारासिवनी में अपने परिवार सहित रहती थी। ८ सितंबर के रात्री में घर की साफ सफाई एवं पोछा लगाकर पोछे के कपड़े धुलने के बाद पीछे आंगन में सुखा रही थी। उसी समय तार में विद्युत करेंट आने से मेरी बहन को करेंट लग जाने से आंगन में गिर गयी। जिसे रात्री में ९.३० बजे सिविल अस्पताल वारासिवनी लेकर आये जहाँ डाक्टर के द्वारा चेक करने पर मेरी बहन डालेश्वरी डहरवाल की मौत होना रात्री १० बजे बताया गया। मुझे परिवार के लोगो ने फोन करके घटना के बारे में बताये तब मैं सिविल अस्पताल वारासिवनी पहुंचा तब तक परिवार वाले एवं पड़ोसियो ने मेरी बहन की हास्पिटल लेकर आ चुके थे। मेरी बहन की मौत पोछे का कपडा तार में सुखाते समय विद्युत करेंट लगने से हुई है। मेरी बहन की मौत पर कोई शंका संदेह नहीं है।

इनका कहना हैं

मौखिक चर्चा में बताया कि विद्युत करेंट लगने से श्रीमती डालेश्वरी डहरवाल की मौत हो गई । मामले में पंचनामा कार्यवाही कर पोस्टमार्टम के उपरांत मार्ग जांच प्रारंभ कर दी गई है। प्राथमिक तौर पर लग रहा है कि जीआई तार में कपड़े सुखा रहे थे वह एक लोहे के पाइप से बंधा हुआ था जिसमें विद्युत तार लटका हुआ था । उसमें फाल्ट आने के कारण की तार में करेंट चल रहा था जिससे यह करेंट लगा है। हालांकि मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा।

शाहिद परवेज प्रधान
आरक्षक थाना वारासिवनी

जिला संस्कृति महोत्सव एवं वैदिक विज्ञान मेला में सरस्वती स्कूल ने पाया स्थान

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज) । सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय वारासिवनी के छात्र छात्राओं के द्वारा किरनापुर में आयोजित जिला संस्कृति महोत्सव एवं विज्ञान वैदिक मेले में भाग लिया गया था। जहां संस्था के विद्यार्थियों के द्वारा समस्त प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपने प्रदर्शन से स्थान प्राप्त किया गया। यह महोत्सव किरनापुर में जिले के समस्त सरस्वती स्कूल के मध्य आयोजित किया गया था। जिसमें किरनापुर, लांजी ,बालाघाट ,कारंजा, वारासिवनी सहित सभी सरस्वती विद्यालय के १७२ छात्र छात्राओं के द्वारा भाग लिया गया। इस महोत्सव में विज्ञान और बौद्धिक स्तर की विभिन्न प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें वारासिवनी सरस्वती विद्यालय के छात्र.छात्राओं के द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन प्रस्तुत किया गया। जिसके आधार पर उनके द्वारा प्रतियोगिता में अपना स्थान प्राप्त किया गया जिन्हें आयोजकों के द्वारा सम्मानित भी किया गया। इसमें ओशी मेश्राम, स्नेहा बुर्डे ,करिश्मा पटले, ऋषभ कटरे ,चारु हरने ,चारु पटेल,देवांश बिसेन ,आशना पटले ने गीत भजन रंगोली चित्रकला सहित अन्य प्रतियोगिता में प्रथम ,द्वितीय ,तृतीय स्थान प्राप्त किया जिन्हें प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार दिया गया। इस अवसर पर ज्ञान विकास समिति के प्रदीप तिवारी ,विजय तेलाशकर ,संजय मांधाता ,शौर्य रुसिया, तिलक पारधी, अजीत जैन ,श्रीमती चेतना देवरस, मुकेश अग्रवाल, डिलेन्द्र देशमुख ,प्रदीप शरणागत, प्राचार्य राजेंद्र मिश्रा,दयानंद धुवारे ,श्रीमती रीता ठाकरे सहित समस्त स्कूल स्टाफने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की है।

जीएसटी की दरो में कटौती से व्यवसाय सशक्त बनकर भारत की आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देंगे-प्रदीप जायसवाल

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। जीएसटी परिषद की बैठक में जीएसटी सुधार पर लिये गये फैसले का पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल ने सराहना की है। ज्ञात हो की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने उत्पाद एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों को लेकर बड़ा एलान किया है। इसके मुताबिक अब जीएसटी में सिर्फ तीन स्लैब छोड़े गए हैं। जहां १२ फीसदी और २८ फफीसदी वाले कर ढांचों को खत्म कर दिया गया है। वहीं ५, १८ के पिछले स्लैब्स को बरकरार रखा गया है। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने प्रतिक्रिया देते हुये कहा है की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने १५ अगस्त को स्वतंत्रता दिवस पर एक बड़े जीएसटी सुधार की घोषणा की थी। इसका मकसद, मौजूदा जीएसटी स्लैब की रीस्ट्रक्चरिंग करना ही था। भारत सरकार ने जीएसटी दरो में कटौती बदलाव कर मुक्त ह्रदय से देश के हर वर्ग को फायदा पहुंचाया है। महंगाई पर चोट के इस क्रांतिकारी बदलाव से लगभग ९० प्रतिशत आबादी लाभावित भी होगी। एमएसएमई और कुटीर उद्योग को भी व्यवसाय में लाभ मिलेंगा। श्री जायसवाल ने कहा की पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों में राहत लाने के लिए अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों की घोषणा की है। कई महत्वपूर्ण वस्तुओं पर कर दरों में कमी के साथ, यह सुधार जीवन स्तर को सुगम भी बनाएगा। व्यापार करने में आसानी और मजबूत करेगा, छोटे व्यवसायों को सशक्त बनाएगा और आत्मनिर्भर भारत के तहत भारत की आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देगा। श्री जायसवाल ने कहा की रोजमर्रा की वस्तुओं में आम, पनीर, छेना, दूध, रोटी, चपाती परांठा जैसी आम लोगों से जुड़ी खाद्य वस्तुओं, दुर्लभ बीमारियों और गंभीर बिमारियों की दवाओं पर कोई टैक्स नहीं लगेगा। व्यक्तिगत स्वास्थ्य बीमा और जीवन बीमा पॉलिसियों को भी करों से छूट दे दी गई है। इसके अलावा लग्जरी कारों, समेत शराब, तंबाकू जैसी चुनिंदा विलासिता की एवं जीवन के लिए हानिकारक वस्तुओं के लिए ४० फीसदी का विशेष कर स्लैब बनाया गया है। श्री जायसवाल ने कहा की जीएसटी स्लैब का फायदा प्रधानमंत्री की मंशा अनुरूप आम जनता को मिल पायें इस हेतू केन्द्र सरकार को जीएसटी के रेट कम होने वाली वस्तुओं के मूल्यो पर विशेष ध्यान देना होंगा। जिससे कम किये गये जीएसटी रेट के एवज में कपंनियां अपना मुनाफा ना बढायें। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेत्रत्व में भारत दुनिया की चौथी सबसे बडी अर्थव्यवस्था बना है और तेजी से तीसरे स्थान की ओर बढ रहा है। अब जीएसटी दरो में कटौती के निर्णय के लिये वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का आभार भी व्यक्त करते है।

पंचायत कर्मचारी संयुक्त मोर्चे ने सीईओ को सौपा ज्ञापन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। ऑल डिपार्टमेंट आउटसोर्स, अस्थाई, अंशकालीन, ग्राम पंचायत कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के तत्वाधान में कर्मचारियों के द्वारा मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन दीक्षा जैन मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत वारासिवनी को सौंपा गया। जिसमें उनके द्वारा ग्राम पंचायतों में कार्यरत पंचायत चौकीदार, चपरासी, सफाई कर्मी एवं पंप ऑपरेटर आदि अस्थायी कर्मचारियों की सेवा शर्तो का निर्धारण कर समान काम समान वेतन सिद्धांत के अंतर्गत न्यूनतम वेतनमान भुगतान तथा सर्वोच्च न्यायालय के हालिया आदेश के पालन करने मांग की गई। ज्ञापन में उल्लेखित है कि ग्राम पंचायतों में वर्षों से कार्यरत हम पंचायत चौकीदार ,चपरासी, सफाई कर्मी एवं पंप ऑपरेटर वर्ग आज भी मात्र २००० से ३००० रूपये मासिक मानदेय पर कार्य करने को विवश हैं। इतना ही नहीं यह अल्प मानदेय भी समय पर प्राप्त नहीं होता यह स्थिति हमारे साथ सरासर अन्याय है । तथा संविधान प्रदत्त अनुच्छेद १४,१६,२१ का उल्लंघन है। सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में सिविल अपील में १९ अगस्त २०२५ को निर्णय दे कर स्पष्ट आदेश दिया है कि लंबे समय से कार्यरत अस्थायी संविदा कर्मचारियों से नियमित कार्य लेना शोषण है। राज्य एवं केंद्र सरकारें केवल बाजार सहभागी नहीं बल्कि संवैधानिक नियोक्ता हैं। समान कार्य करने वाले अस्थायी कर्मियों को नियमित कर्मचारियों के समान वेतनमान एवं सामाजिक सुरक्षा लाभ प्रदान किया जाना आवश्यक है। न्यायालय के उपरोक्त निर्णय स्पष्ट करते हैं कि लंबे समय से कार्यरत अस्थायी कर्मचारियों कों उनके वैधानिक अधिकारों से वंचित रखना असंवैधानिक एवं अवैध है।

यह हैं प्रमुख माँगे

कर्मचारियों के द्वारा अपनी प्रमुख मांग बताई है कि पंचायत चौकीदार, चपरासी ,सफाई कर्मी ,पंप ऑपरेटर आदि कर्मचारियों का वर्ग निर्धारण कर नियमितीकरण किया जाए। समान काम समान वेतन सिद्धांत के अंतर्गत सम्मानजनक न्यूनतम वेतनमान प्रदान किया जाए। हमारी सेवा शर्तों का स्पष्ट निर्धारण शासन स्तर पर किया जाए। हमें सामाजिक सुरक्षा लाभ ईपीएफ,पेंशन, स्वास्थ्य बीमा दुर्घटना, बीमा आदि तत्काल उपलब्ध कराए जाएँ। ताकि हम अपने परिवार का कुशल संचालन कर सके हमारी जायज माँगों पर शीघ्र एवं सकारात्मक निर्णय लिया जाए। अन्यथा हमें विवश होकर आंदोलनात्मक कदम उठाने पड़ेंगे जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन एवं प्रशासन की होगी।

सरकार हमारी मांगो को अनसुना कर रही है-मिलन सहारे

ब्लॉक अध्यक्ष मिलन सहारे ने बताया कि हम वारासिवनी जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत के सभी कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री के नाम मुख्य कार्यपालक अधिकारी को ज्ञापन दिया है। हमारी कई समय से लंबित मांग है न्यूनतम वेतन एवं कलेक्टर रेट में वेतन दिया जाए । इसके पहले हमारे द्वारा भोपाल एवं जिले में प्रदर्शन किया गया था। कलेक्टर को ज्ञापन दिया गया था परंतु किसी ने हमारे ऊपर ध्यान नहीं दिया और हमारी आवाज को अनसुना कर रहे हैं। ऐसे में अपनी मांगों को लेकर हम लगातार प्रयास कर रहे हैं ,तीन दिवसीय हमारी हड़ताल थी परंतु भारी बारिश के कारण उसे निरस्त कर दिए थे। स्थानीय स्तर पर हम आज ज्ञापन दे रहे हैं और यह हड़ताल के अंतिम दिन का समापन किया है। वर्तमान में हमें जो मानदेय मिल रहा है वह बहुत कम है और इसके अलावा कोई सुविधा नहीं है। जिससे हमारा भविष्य अंधकार में हमें समझ आ रहा है। इसी को लेकर हम लगातार शासन प्रशासन से मांग कर रहे हैं।

हार जीत नही होंगी तो मनुष्य के जीवन में सीखने का मौका कैसे मिलेगा -प्रदीप जायसवाल

डोंगरमाली व कंटगटोला के सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल हुये प्रदीप जायसवाल

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज) । वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम सिंगोडी व ड़ोंगरमाली में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल शामिल हुये। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुये कहा की किसी भी मनुष्य के जीवन में उतार चढाव नही आयेंगे तो वह जीवन किसी काम का नही है। जैसे क्रिकेट, हाकी मैच एक तरफा हो जायें तो देखने व खेलने में मजा नही आता है। वैसे ही जीवन में अगर हार जीत से नही होगी तो सीखने का मौका भी नही मिलेगा। जीवन में मनोबल और जज्बे के साथ ऐसी स्थिति में श्रीगणेश भगवान की आराधना करने से पहाड़ समान कठिनाईयों पर भी आसानी से सफलता पाकर जीवन को मंगलमय किया जा सकता है। श्री जायसवाल ने कहा की हमारे त्योहार हमे जोडने का कार्य कर संस्कृति व प्रेम भावनाओं को प्रदर्शित करते है। श्रीगणेश जी ने भी सदैव जोड़ने का कार्य किया है अभी हम भानपुर होते हुये आये है इस मार्ग को हमने पहले ही विद्यार्थीयों व किसानो की मांग पर बनाकर जोड़ने का ही कार्य किया है। इसी तरह हमने डोंगरमाली से घोटी मार्ग को ग्रामीण मार्ग से स्टेट हाईवे में परिवर्तीत करा दिया है जल्द निर्माण कार्य शुरू होते आप देखेंगे। इस कार्य के कारण ही जिले का सबसे बड़ा लगभग ४० करोड़ रूपये का घोटी का पूल हमने स्वीकृत कराने में सफलता पायी हमने क्षेत्र में जंहा सात पूल बनायें है। वंहा की जमीनो के भाव अब आसमान को छू रहे है इससे हमारे किसानो भाईयों को सीधा लाभ मिल रहा है। इस दौरान मिलिंद नगपुरे ,अमित येरपुडे,सचिन बिसेन, माणिक भगत, देवीचंद बोपचे,गणेश साहू, हानेश भगत, यादवराव बिसेन, कबीर हनवत,देवनाथ बोपचे , सरपंच श्रीमती एमकला बोपचे, सुभाष झाडेकर,रविन्द्र हनवत,ईश्वरी बघेले, घनश्याम सहारे,आलोक कुमार सहित अन्य

वार्ड नं. १ के वार्डवासियों ने नशेड़ियों पर कार्यवाही करने सौंपा ज्ञापन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के वार्ड नंबर १ सम्राट नगर के निवासियों के द्वारा थाना प्रभारी के नाम ज्ञापन देकर असामाजिक तत्व एवं नहर पर बैठकर नशेड़ियों के द्वारा मदिरापान किया जाता है जहां गस्त कर उक्त व्यक्तियों पर कार्यवाही करने की मांग की है । ज्ञापन में वार्ड वासियों ने बताया कि वार्ड नं. १ लाल किवाड़ी से नहर की पार पर रात ८ बजे से १ बजे तक असामाजिक तत्व बैठकर मंदिरा का सेवन करते है। उनके द्वारा अपशब्द का प्रयोग करते है बैठकर कई असामाजिक गतिविधि तैयार करते है जिससे वार्डवासियो को भय रहता है। इस समय में रोड़ से बच्चे व महिलाओं का आना जाना लगा रहता है,उस जगह पर अंधेरा रहता है ऐसी स्थिति में कोई बढी दुर्घटना होने की आशंका है। वार्ड के कुछ गणमान्य लोग उनसे अनुरोध करने का प्रयास किया गया व समझाने की कोशिश भी की गयी किन्तु वह उलझते हैं। उक्त स्थान पर प्रतिदिन गस्त लगवाकर कार्यवाही करने की मांग मनोज सोनटक्के ,संतोष बिसेन ,प्रताप बिसेन, सचिन सोनटक्के ,चन्द्रशेखर भगत, सुरेश सोनगडे ,चरणप्रकाश चौबे ,राजू लिल्हारे, राजेश बहेटवार, राकेश बसंतानी,सामेश्वर रहाँगडाले सहित अन्य लोगो ने की हैं।

बलात्कार का आरोपी भागचंद मात्रे गिरफ्तार

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी थाना अंतर्गत १९ वर्षीय युवती के द्वारा भागचंद मात्रे पर बलात्कार करने का आरोप लगाते हुए थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। मामले में पुलिस के द्वारा आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार क्षेत्र की १९ वर्षीय युवती के द्वारा थाने में शिकायत की गई थी वह अपने घर में अपनी मां के साथ रहती है। जहां जनवरी माह में भागचंद उर्फ किशोर पिता महारूलाल मात्रे ५४ वर्ष निवासी टेंगनी कला घोटी लालबर्रा हाल मुकाम आमाटोला वारासिवनी के द्वारा उसे अकेला देख जबरदस्ती बलात्कार किया गया था। जिसके बाद लगातार जबरदस्ती बलात्कार किया जाता रहा। ऐसे में गत दिनों यूवती को महिला संबंधी बिमारी होने पर अस्पताल में जांच कराई गई तो उसे पता चला कि वह गर्भवती है। जिसके बाद युवती के द्वारा थाने में आकर रिपोर्ट दर्ज कराई गई। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता के विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर आरोपी भागचंद मात्रे को गिरफ्तार कर उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। जिसे न्यायालय ने जेल भेज दिया मामले में पुलिस के द्वारा विवेचना की जा रही है।

अकेलेपन से आत्महत्या तक- मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर बात करने का समय

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सहयोग से प्रतिवर्ष 10 सितम्बर को दुनियाभर में तेजी से बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति पर रोक लगाने के उद्देश्य से 'विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस' मनाया जाता है। इस दिवस की शुरुआत 'इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर सुसाइड प्रिवेंशन' (आईएएसपी) द्वारा 2003 में की गई थी। इन दिन एक पीले रंग के रिबन को प्रतीक के रूप में पहना जाता है, जो इस बात को फैलाने में मदद करने के लिए पहना जाता है कि आत्महत्या की रोकथाम के बारे में बोलने से लोगों की जान बचाई जा सकती है। इस दिवस को मनाने का प्रमुख उद्देश्य आत्महत्या करने वाले व्यक्ति के व्यवहार पर शोध करना, जागरुकता फैलाना और डेटा एकत्रित करना है। दरअसल डब्ल्यूएचओ के मुताबिक दुनिया में हर 40 सैकेंड में एक व्यक्ति आत्महत्या करता है यानी प्रतिवर्ष दुनियाभर में करीब आठ लाख लोग आत्महत्या के जरिये अपनी जीवनलीला खत्म कर डालते हैं, जिनमें से बड़ी संख्या में आत्महत्या के मामले 15 से 29 वर्ष के लोगों में होते हैं जबकि आत्महत्या का प्रयास करने वालों का आंकड़ा इससे बहुत ज्यादा है। प्रतिवर्ष विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस की एक थीम निर्धारित की जाती है। आत्महत्या रोकथाम दिवस की 2025 की थीम है 'आत्महत्या पर कहानी बदलना'। इस थीम का उद्देश्य आत्महत्याओं को रोकने के लिए कलंक को कम करने और खुली बातचीत को प्रोत्साहित करने के महत्व के बारे में जागरूकता ब ?ाना है। लोगों में अवसाद निरन्तर बढ़ रहा है, जिसके चलते ऐसे कुछ व्यक्ति आत्महत्या जैसा हृदयविदारक कदम उठा बैठते हैं। लोगों में जीवन से निराश होकर आत्महत्या की बढ़ती दुष्प्रवृत्ति गंभीर चिंता का सबब बन रही है। डब्ल्यूएचओ के आंकड़ों के अनुसार दुनियाभर में 79 फीसदी आत्महत्या निम्न और मध्यवर्ग वाले देशों के लोग करते हैं और इसमें बड़ी संख्या ऐसे युवाओं की होती है, जिनके कंधों पर किसी भी देश का भविष्य टिका होता है। हालांकि बीते वर्षों में दुनियाभर में खुदकुशी की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं लेकिन भारत में आत्महत्याओं का आंकड़ा काफी चिंताजनक है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) ने वर्ष 2022 में भारत में आत्महत्या के मामलों को लेकर जारी अपनी रिपोर्ट में बताया था कि वर्ष 2022 में भारत में कुल 170924 लोगों ने आत्महत्याएं की जबकि 2021 में भारत में 164033 लोगों ने आत्महत्या की थी। एनसीआरबी के मुताबिक आत्महत्या की घटनाओं के पीछे पेशेवर या कैरियर संबंधी समस्याएं, अलगाव की भावना, दुर्व्यवहार, हिंसा, पारिवारिक समस्याएं, मानसिक विकार, शराब की लत, वित्तीय नुकसान, पुराने दर्द इत्यादि मुख्य कारण हैं। आज छात्र अपनी शिक्षा एवं भविष्य को लेकर गहरे असमंजस में हैं। किसी को कैरियर या नौकरी की चिंता सता रही है तो कोई वित्तीय संकट से जूझ रहा है। तनाव के दौर में निजी रिश्तों में भी खटास बढ़ी है और आमजन में नकारात्मक विचारों का बढ़ता प्रवाह तथा उपरोक्त चिंताएं कई बार अवसाद का रूप ले लेती हैं, जिसके चलते कुछ लोग परेशानियों से निजात पाने के लिए आत्महत्या का खतरनाक रास्ता चुन लेते हैं। जब कोई व्यक्ति ज्यादा बुरी मानसिक स्थिति से गुजरता है तो एकाएक अवसाद में चला जाता है और इसी अवसाद के कारण ऐसे कुछ लोग आत्महत्या कर लेते हैं, जिसका उनके परिवार के साथ-साथ समाज पर भी बहुत नकारात्मक असर पड़ता है। विशेषज्ञों के मुताबिक अवसाद और तनाव के कारण ही लोगों में आत्महत्या की प्रवृत्ति बढ़ रही है और जब व्यक्ति को परेशानियों से बाहर निकलने का कोई मार्ग नजर आता, ऐसे में वह आत्महत्या जैसा हृदयविदारक कदम उठा बैठता है। हालांकि जिन लोगों का मनोबल मजबूत होता है, वे प्राय: विकट परिस्थितियों से उबर भी जाते हैं लेकिन अवसाद के शिकार कुछ लोग विषम परिस्थितियों से लड़ने के बजाय हालात के समक्ष घुटने टेक स्वयं को मौत के हवाले कर देते हैं। मनोचिकित्सकों के अनुसार आत्महत्या करना काफी गंभीर समस्या है और आत्महत्या करने के पीछे अधिकांशत: अवसाद को ही जिम्मेदार ठराया जाता है, जो ऐसे करीब 90 फीसदी मामलों का प्रमुख कारण भी है लेकिन सभी आत्महत्याओं के लिए अवसाद को ही पूरी तरह जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। उनके मुताबिक आत्महत्या करने का विचार किसी इंसान के अंदर तब पनपता है, जब वह किसी मुश्किल से बाहर नहीं निकल पाता।मनुष्य जीवन को संसार में सबसे अनमोल माना गया है।

महान वैज्ञानिक -फिलिप लेविन फिलिप

फिलिप लेविन का जन्म 10 सितंबर 1900 को रूस के क्लेत्स्क में हुआ था। वह एक इम्यूनो-हेमेटोलॉजिस्ट थे जिन्होंने रक्त आधान, नवजात शिशु के हेमोलिटिक रोग (एचडीएन) और रीसस कारक से जुड़े अपने नैदानिक अनुसंधान के लिए जाना जाता है। उनका परिवार 1908 में संयुक्त राज्य अमेरिका आया था। वे रक्त समूह से संबंधित बीमारियों पर अपने काम के लिए जाने जाते थे। वे नेवार्क बेथ इज़राइल अस्पताल में काम करते थे , उन्होंने औपचारिक शिक्षा डेट्रॉइट पब्लिक स्कूल प्रणाली और वेन यूनिवर्सिटी (अब वेन स्टेट यूनिवर्सिटी), मिशिगन के एकमात्र शहरी सार्वजनिक अनुसंधान विश्वविद्यालय में प्राप्त की।नवजात शिशुओं में रीसस हेमोलिटिक रोग के कारण की पहचान करने वाले फिलिप लेविन का जन्म रूस के क्लेत्स्क में हुआ था, लेकिन बाद में वे अपने माता-पिता मॉरिस लेविन और उनकी पत्नी फाया ज़रिलिक, जिनके पिता एक रब्बी थे, के साथ ब्रुकलिन चले गए।जिनके नैदानिक अनुसंधान ने रीसस फैक्टर , नवजात शिशु के हेमोलिटिक रोग (एचडीएन) और रक्त आधान पर ज्ञान को उन्नत किया। उन्होंने 1938 में हिल्डा पर्लमटर से विवाह किया, और उनके चार बच्चे हुए—तीन बेटे और एक बेटी—और पाँच नाती-पोते। उनकी पत्नी और एक बेटे का निधन उनसे पहले हो गया था, जबकि उनकी बेटी और दो बेटे उनसे आगे हैं। फिलिप लेविन का जीवन रक्त समूह आनुवंशिकी और प्रतिरक्षा विज्ञान में खोज और प्रारंभिक विकास के एक असाधारण युग में बीता, जिसकी शुरुआत 1901 में कार्ल लैंडस्टीनर द्वारा रक्त समूह प्रणाली की खोज से हुई और 1980 के दशक में, जब इसके अधिकांश प्रमुख योगदानकर्ता सेवानिवृत्त हो चुके थे या उनका निधन हो गया था। आनुवंशिकता के जैवरासायनिक आधार को समझे जाने से बहुत पहले, सीरोलॉजिकल अवलोकनों से व्यापक निष्कर्ष निकाले, जिससे मानव वंशानुक्रम के मूलभूत सिद्धांतों और जीन उत्परिवर्तन, सहलग्नता, संतुलित बहुरूपता और जनसंख्या विभेदन जैसी घटनाओं की पुष्टि हुई।सिटी यूनिवर्सिटी ऑफ़ न्यूयॉर्क से विज्ञान स्नातक की उपाधि प्राप्त करने के बाद, फिलिप ने कॉर्नेल यूनिवर्सिटी मेडिकल स्कूल में दाखिला लिया, जहाँ उन्होंने एमबीबीएस की डिग्री प्राप्त की। 1923 और 1925 के बीच, उन्होंने बेथ मोसेस हॉस्पिटल (अब मैमोनाइड्स) में इंटर्नशिप की। लेविन इम्यूनोहेमेटोलॉजी में विशेषज्ञता वाले एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त शोधकर्ता बन गए और दो दशकों तक न्यू जर्सी के रारिटन में ऑर्थो रिसर्च डिवीजन के प्रमुख के रूप में कार्य किया। बाद के वर्षों में, उन्हें उनकी स्मृति में स्थापित फिलिप लेविन प्रयोगशालाओं का मानद निदेशक नियुक्त किया गया। चिकित्सा में उनका सबसे महत्वपूर्ण योगदान—आरएच कारक की खोज—बाद में यह देखा गया कि इस बीमारी के पारिवारिक रूप वाले बच्चों में भी एनीमिया पाया गया। जब कार्ल लैंडस्टीनर ने 1900 में रक्त समूहों की खोज की, तो यह स्पष्ट हो गया कि प्रणाली में माता-पिता और बच्चे के बीच असंगति के कारण रक्त-अपघटन हो सकता है। हालाँकि श्वेत आबादी में रक्त-अपघटन रोग आमतौर पर हल्का होता है, लेविन की मुख्य अंतर्दृष्टि यह पहचानना था कि कुछ मामले इस पैटर्न में फिट नहीं बैठते। उन्होंने देखा कि कुछ बच्चे पीलिया और गंभीर रक्ताल्पता से पीड़ित थे, जबकि उनके माता-पिता के रक्त समूह संगत थे। इसके अतिरिक्त, जिन माताओं को प्रसव के समय रक्त आधान की आवश्यकता होती थी, उन्हें अक्सर अपने पति का रक्त चढ़ाने पर प्रतिक्रियाएँ होती थीं। लेविन ने तर्क दिया कि असंगति किसी अन्य रक्त समूह प्रणाली में भी मौजूद होनी चाहिए। संयुक्त राज्य अमेरिका में, लैंडस्टीनर और अलेक्जेंडर वीनर ने प्रदर्शित किया कि रीसस बंदर के रक्त से टीका लगाए गए खरगोशों में ऐसे प्रतिरक्षी विकसित हुए जो रूप्रतिजन युक्त मानव लाल रक्त कोशिकाओं के साथ एकत्रित हो गए। जब ये प्रति-रू प्रतिरक्षी अवशोषित हो गए, तो 1940 के आसपास यह पता चला कि खरगोश के प्रतिरक्षी अभी भी लगभग 85त्न मानव लाल रक्त कोशिकाओं से बंधे हुए थे। इस बीच, कार्ल लैंडस्टीनर 1922 में साइमन फ्लेक्सनर के निमंत्रण पर संयुक्त राज्य अमेरिका पहुँचे और रॉकफेलर संस्थान में एक प्रयोगशाला स्थापित की। 1925 तक, लैंडस्टीनर को एक ऐसे युवा डॉक्टर की ज़रूरत थी जो नसों से रक्त निकालने और सीरोलॉजिकल शोध में सहायता करने में कुशल हो, और लेविन को इस भूमिका के लिए नियुक्त किया गया। लेविन ने बाद में याद किया कि लैंडस्टीनर ने वैज्ञानिक सिद्धांतों और स्पष्ट, तार्किक सोच के महत्व पर ज़ोर देकर उनके काम करने के तरीके को प्रभावित किया। सभी प्रयोगों को सावधानीपूर्वक दोहराया गया, और कुछ भी संयोग पर नहीं छोड़ा गया। इन कठोर मानकों के तहत सात साल काम करने के बाद, लेविन ने उन्हें खुद अपना लिया। मार्जोरी स्ट्रूप, जिन्होंने 1950 से 1980 तक लेविन के साथ काम किया, उन्हें एक मेहनती कार्यकर्ता के रूप में याद करती थीं चूँकि एंटीबॉडीज़ की उत्पत्ति बंदरों के प्रतिजनों से हुई थी, इसलिए वीनर ने इस प्रणाली का नाम रीसस रखा और रीसस पॉजिटिव और रीसस नेगेटिव शब्द चिकित्सा शब्दावली का हिस्सा बन गए। चिकित्सकीय रूप से, वीनर ने इस खोज को मुख्यत: रक्त आधान प्रतिक्रियाओं से जोड़ा, लेकिन लेविन को जल्द ही एहसास हो गया कि यही नवजात शिशुओं में अचानक होने वाले पीलिया का कारण है। उन्होंने समझा कि यदि माता-पिता के रक्त समूह संगत हों, तो भी यह रोग रीसस असंगति के कारण हो सकता है, जहाँ ऋद्ब-नेगेटिव माँ अपने पिता से प्राप्त ऋद्ब-पॉज़िटिव भ्रूण कोशिकाओं के विरुद्ध एंटीबॉडीज़ विकसित कर लेती है। इससे यह प्रश्न उठा- ब्रिटेन में प्रतिवर्ष लगभग 7,00,000 बच्चे पैदा होते हैं, जबकि इतने कम बच्चे इस स्थिति से पीड़ित क्यों होते हैं? सैद्धांतिक रूप से, हर साल लगभग 60,000 बच्चे प्रभावित होने चाहिए, लेकिन वास्तव में, केवल बीस में से एक ही प्रभावित होता था। न्यूयॉर्क में लेविन, रेस (देखें), और इंग्लैंड में श्रीमती सेंगर (श्रीमती रेस) जैसे शोधकर्ताओं ने पाया कि माँ और बच्चे के बीच असंगति, रीसस टीकाकरण के विरुद्ध कुछ सुरक्षा प्रदान करती है, जो अन्यथा आम है। विशेष रूप से, मातृ एंटी-ए (या दुर्लभ मामलों में एंटी-बी यदि बच्चे का रक्त प्रकार बी है) एंटीबॉडी आरएच-पॉजिटिव भ्रूण कोशिकाओं को नष्ट कर सकते हैं, जिससे हेमोलिटिक रोग का खतरा कम हो जाता है। फ़िलिप लेविन ने कॉर्नेल यूनिवर्सिटी मेडिकल कॉलेज, रॉकफेलर इंस्टीट्यूट और मेमोरियल स्लोअन-केटरिंग इंस्टीट्यूट फॉर कैंसर रिसर्च द्वारा आयोजित वार्षिक फ़िलिप लेविन व्याख्यान की स्थापना और वित्तपोषण किया, जिसका मुख्य विषय कैंसर के रोगजनन पर केंद्रित था। 1973 में, कॉलेज ने रीसस हेमोलिटिक रोग पर उनके कार्य के सम्मान में उन्हें फ़ेलोशिप प्रदान की। फ़िलिप बहुत उत्साहित हुए और सम्मान स्वीकार करने के लिए विशेष रूप से लंदन गए। एक विनम्र व्यक्ति, फ़िलिप लेविन ने विज्ञान को दृढ़ विश्वास के साथ अपनाया। अज्ञानता के बारे में उनकी जिज्ञासा कभी कम नहीं हुई, और उनके सहकर्मी उनका बहुत सम्मान और प्रशंसा करते थे। उनका समर्पण अथक था, और कठिन समस्याओं से निपटने की उनकी प्रतिभा असीम थी। एक पीढ़ी बाद, एक ब्रिटिश टीम ने पाया कि माँ के रक्तप्रवाह में रीसस-पॉज़िटिव कोशिकाओं को एंटी-रीसस एंटीबॉडी, जिसे एंटी-डी कहा जाता है, के इंजेक्शन द्वारा नष्ट किया जा सकता है। तीस वर्षों के भीतर, रीसस रोग की पहचान हो गई और उसे रोका जा सका। रोकथाम के प्रयासों के संबंध में, संयुक्त राज्य अमेरिका और यूनाइटेड किंगडम के बीच प्रतिस्पर्धा थी, लेकिन फ़िलिप ने प्रतिद्वंद्विता की परवाह किए बिना, हमेशा की तरह, दोनों का समान रूप से समर्थन किया। ब्रिटेन के रोनाल्ड फिन याद करते हैं कि शुरुआती दिनों में फिलिप ने कितने धैर्य से सभी जटिल समस्याओं को समझाया था। वीनर और लेविन की खोजें एक-दूसरे की पूरक थीं, और दोनों ही नोबेल पुरस्कार के हकदार थे; दुर्भाग्य से, यह मान्यता उन्हें नहीं मिली। हालाँकि फिलिप बहुत दयालु व्यक्ति थे, शायद स्टॉकहोम की नोबेल समिति को लगा होगा कि वीनर संयुक्त पुरस्कार से खुश नहीं होंगे। फिलिप एक मेहनती कार्यकर्ता थे, और अपने बाद के वर्षों में, उन्होंने रक्त समूह प्रणाली और कैंसर से उसके संभावित संबंध पर ध्यान केंद्रित किया। स्वप्रतिपिंड उनकी शोध रुचि का एक और क्षेत्र था। फिलिप लेविन की मृत्यु 18 अक्टूबर 1987 (87 वर्ष),न्यूयॉर्क शहर में हुआ उन्होंने कई प्रतिरक्षा संबंधी सिद्धांतों को आगे बढ़ाया और कुछ रोगों के कारणों की पहचान की—विशेष रूप से नवजात शिशु के रक्तलायी रोग की पुष्टि हुई।

-संजय गोस्वामी

जीएसटी सुधार 2025-जीएसटी कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुँचना सबसे बड़ी चुनौती?

बाजार जगत व व्यावसायिक वर्ग अलर्ट मोड पर रहें वित्तमंत्री का सख्त रुख-कर कटौती का लाभ आम जनता तक पहुंचानें व्यक्तिगत रूप निगरानी का ऐलान! 22 सितंबर के बाद बहुत बड़ा सतर्कता अभियान चलनें की तैयारी-केंद्रीयमंत्री का सख्त रुख और निगरानी का ऐलान-सांसदों और सीबीआईसी की जिम्मेदारी भारत की आर्थिक संरचना में जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) सुधारों को ऐतिहासिक मील का पत्थर माना जाता है। 2017 में जब इसे लागू किया गया था तो इसका मुख्य उद्देश्य था-एक राष्ट्र,एक टैक्स की अवधारणा के तहत पूरे देश को एकीकृत करना और कर ढांचे की जटिलताओं को कम करना। अब 2025 में, सरकार ने जीएसटी सुधारों की नई श्रृंखला लागू करते हुए कई वस्तुओं पर कर दरों में कटौती की है।यह कदम सीधे तौर पर महंगाई से जूझ रहे मध्यम वर्ग और गरीब वर्ग को राहत देने वाला माना जा रहा है। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या ये कर कटौती का लाभ वास्तव में आम जनता तक पहुंचेगा? क्या व्यवसायी वर्ग इस राहत को उपभोक्ताओं तक पारदर्शिता के साथ पहुंचाएंगे? और क्या अंतरराष्ट्रीय दबावों जैसे ट्रंप प्रशासन के 50 पर्सेंट टैरिफ फैसलों का कोई प्रभाव इन सुधारों पर पड़ा है मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि जीएसटी कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुँचना सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती हैं जीएसटी दरों में कटौती से तुरंत उपभोक्ताओं को लाभ मिलना चाहिए, क्योंकि कर घटने पर वस्तुओं और सेवाओं की कीमतें घटनी चाहिए। लेकिन व्यवहारिक धरातल पर स्थिति इतनी सरल नहीं होती।बाजार में अक्सर देखा गया है कि व्यापारी या निर्माता अपने मार्जिन को बनाए रखने के लिए कीमतों में उतनी कटौती नहीं करते, जितनी कर दरों में कमी हुई है। उदाहरण के लिए, यदि किसी वस्तु पर पहले 18 पर्सेंट जीएसटी था और अब उसे 12 पर्सेंट या जीरो कर स्लैब में लाया गया है, तो कीमत में 6 पर्सेंट या 18 पर्सेंट की कटौती होनी चाहिए। लेकिन कई बार यह अंतर उपभोक्ताओं तक मात्र 2-3 पर्सेंट ही पहुंचता है। यही कारण है कि आम जनता के मन में भ्रम बना हुआ है कि क्या यह सुधार वास्तव में उनके लिए हैं या केवल उद्योग जगत के लिए।इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे जीएसटी सुधार 2025-जीएसटी कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुँचना सबसे बड़ी चुनौती

साथियों बात अगर हम केंद्रीय वित्तमंत्री के 6 सितंबर 2024 को सख्त रुख और निगरानी के ऐलान की करें तो उन्होंने इन आशंकाओं को ध्यान में रखते हुए स्पष्ट कहा है कि वह व्यक्तिगत रूप से व्यवसायों द्वारा उपभोक्ताओं को लाभ पहुँचाने की प्रक्रिया की निगरानी करेंगी। यह बयान जनता में विश्वास जगाने वाला है, क्योंकि पहली बार किसी केंद्रीयमंत्री ने इतनी सख्ती से कहा है कि वह लाभ आम जनता तक पहुंचाने के लिए प्रत्यक्ष रूप से नजर रखेंगी। उन्होंने साफ कहा है कि 22 सितंबर के बाद बहुत बड़ा सतर्कता अभियान चलाया जाएगा,ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कर कटौती का असर कीमतों पर दिखे।सरकार ने इस निगरानी अभियान को केवल वित्त मंत्रालय तक सीमित नहीं रखा है। सांसदों को भी अपने-अपने क्षेत्रों में बाजार दरों की निगरानी करने का निर्देश दिया गया है। इसके साथ ही, केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) इनको स?ती से अगले एक से डेढ़ महीने तक सतत निरीक्षण का काम सौंपा गया है। सीबीआईसी यह देखेगा कि कर कटौती का असर उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ रहा है या नहीं। इस तरह एक बहु-स्तरीय निगरानी तंत्र बनाया गया है ताकि कहीं भी लापरवाही या हेराफेरी की गुंजाइश न रहे।

साथियों बात अगर हम सरकार के कड़क संदेश की करें लाभ न पहुँचाना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा स्पष्ट वक्तव्य कि लाभ पहुंचाने में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, बाजार जगत को सीधा संदेश देता है। इससे यह उम्मीद की जा रही है कि व्यवसायिक वर्ग सावधानी बरतेगा और उपभोक्ताओं को राहत पहुंचाने में सहयोग करेगा।यह बयान केवल एक चेतावनी नहीं,बल्कि सरकार की उस गंभीरता का प्रतीक है जो वह जनता को राहत देने के लिए दिखा रही है।

साथियों बात अगर हम उपभोक्ताओं को भी जागृत होने की करें तो,सिर्फ सरकार की निगरानी ही पर्याप्त नहीं है। उपभोक्ताओं को भी जागरूक होना होगा कि वे बाजार में घटे हुए कर दरों का लाभ पा रहे हैं या नहीं। यदि व्यापारी कीमत कम नहीं करता तो उपभोक्ता को शिकायत दर्ज कराने का अधिकार है। भारत में उपभोक्ता अदालतें और हेल्पलाइन मौजूद हैं, लेकिन अक्सर लोग उनका उपयोग नहीं करते। जीएसटी सुधारों का असली फायदा तभी मिलेगा जब जनता भी सक्रिय होकर अपने अधिकारों के लिए खड़ी होगी।डिजिटल बिलिंग और ई-इनवॉयसिंग व्यवस्था जीएसटी सुधारों को और प्रभावी बनाती है।अब हर लेनदेन की डिजिटल रिकॉर्डिंग होने लगी है, जिससे कर चोरी की संभावना कम होती है। इससे यह भी आसान हो जाएगा कि कर दरों में कटौती का लाभ उपभोक्ता कीमतों में परिलक्षित हो रहा है या नहीं। सरकार को चाहिए कि वह डिजिटल ट्रैकिंग का इस्तेमाल कर कीमतों की वास्तविक स्थिति पर नजर रखे।

साथियों बात अगर हम जीएसटी 1.0 से जीएसटी 3.0 तक का सफर की करें तो,वित्त मंत्री ने खुद स्वीकार किया कि जीएसटी 1.0 (2017) का उद्देश्य राष्ट्र को एकीकृत करना था। इसके बाद जीएसटी 2.0 (2025) का फोकस 卐सरलता卐 पर है, ताकि कर ढांचे को आम व्यवसायियों और जनता के लिए आसान बनाया जा सके। उन्होंने संकेत दिया कि जीएसटी 3.0 भविष्य में और भी व्यापक सुधार लेकर आएगा। संभव है कि इसमें पेट्रोलियम उत्पादों और कुछ अन्य जटिल कर ढांचों को भी शामिल किया जाए। इस तरह भारत की कर व्यवस्था धीरे-धीरे अधिक पारदर्शी और उपभोक्ता-हितैषी बन सकती है।भारत जैसे विशाल देश में महंगाई केवल कर ढांचे की वजह से नहीं, बल्कि आपूर्ति श्रृंखला, वैश्विक तेल कीमतों और मौसमी उतार-चढ़ाव पर भी निर्भर करती है। फिर भी कर कटौती से कुछ हद तक राहत मिलना तय है। यदि व्यवसायी वर्ग ईमानदारी से लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाए तो दाल, चीनी, पैक्ड फूड, कपड़े और घरेलू उपभोग की वस्तुओं की कीमतों में कमी देखी जा सकती है। यह सीधे तौर पर गरीब और मध्यम वर्ग की क्रय शक्ति को मजबूत करेगा।भविष्य की राह,जीएसटी 3.0 से उम्मीदें- विशेषज्ञ मानते हैं कि जीएसटी 3.0 भारत की कर व्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव ला सकता है। इसमें न केवल पेट्रोल-डीजल को शामिल किया जा सकता है, बल्कि वर्तमान कर स्लैब को और सरल किया जा सकता है। साथ ही, छोटे व्यवसायियों के लिए अनुपालन की जटिलताओं को कम किया जा सकता है। यदि ऐसा होता है तो भारत का जीएसटी मॉडल विश्व स्तर पर एक आदर्श के रूप में प्रस्तुत होगा।

साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय परिपेक्ष की करें तो अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य-ट्रंप के टैरिफ से तुलना,कईविशेषज्ञों और विपक्षी नेताओं ने सवाल उठाया है कि क्या ये सुधार ट्रंप प्रशासन द्वारा भारत पर लगाए गए 50 पर्सेंट टैरिफ के मद्देनजर पेश किए गए हैं। विपक्ष का कहना है कि सरकार अंतरराष्ट्रीय दबाव को संतुलित करने के लिए घरेलू कर सुधार दिखा रही है। लेकिन वित्त मंत्री ने इसे खारिज करते हुए कहा है कि सरकार पिछले डेढ़ साल से इन सुधारों पर काम कर रही है और यह प्रक्रिया घरेलू जरूरतों से प्रेरित है, न कि अंतरराष्ट्रीय दबाव से। इससे स्पष्ट होता है कि भारत की कर नीति को घरेलू आर्थिक आवश्यकताओं और महंगाई नियंत्रण के नजरिए से आगे बढ़ाया जा रहा है।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि जीएसटी सुधार 2025 भारत की अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा कदम है। यह केवल कर दरों में कटौती का मामला नहीं,बल्कि सरकार और जनता के बीच विश्वास बनाने का प्रयास भी है। यदि व्यापारी वर्ग ईमानदारी से कर कटौती का लाभउपभोक्ताओं तक पहुंचाए और सरकार निगरानी में सख्ती दिखाए तो यह सुधार भारत की अर्थव्यवस्था को नई दिशा देगा। वहीं, अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में भी यहदिखाएगा कि भारत अपनी घरेलू जरूरतों और जनताकी भलाई को प्राथमिकता देता है, चाहे वैश्विक दबाव कुछ भी क्यों न हों।आने वाले वर्षों में जीएसटी 3.0 से और भी बड़ी उम्मीदें हैं,और यह कहना गलत नहीं होगा कि भारत की आर्थिक प्रगति का भविष्य काफी हद तक इस कर ढांचे की सफलता पर निर्भर करेगा।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास

निराशा से आशा की ओर: आत्महत्या के खिलाफ जंग

दुनिया में आत्महत्या आज एक गहरी एवं विडम्बनापूर्ण वैश्विक चुनौती बन चुकी है। हर साल लाखों लोग अपनी ही जिंदगी से हार मान लेते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार हर साल लगभग 7.2 लाख लोग आत्महत्या करते हैं। यह सिर्फ व्यक्तिगत त्रासदी नहीं बल्कि सामाजिक, भावनात्मक और आर्थिक संकट भी है। 15 से 29 वर्ष की आयु वर्ग में मृत्यु का चौथा सबसे बड़ा कारण आत्महत्या है। यही वजह है कि हर साल 10 सितंबर को विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस मनाया जाता है। 2024 से 2026 तक इसकी थीम चेंजिंग द नैरेटिव ऑन सुसाइड रखी गई है, जिसका उद्देश्य है आत्महत्या पर खामोशी तो ?कर इसे एक निष्क्रिय विषय से संवाद और सहयोग का सक्रिय विषय बनाना। आत्महत्या पर दृष्टिकोण का यह बदलाव आत्महत्या के बारे में लोगों की सोच और बातचीत के तरीके को चुनौती देता है, खुले और ईमानदार संवाद को बढ़ावा देता है जो कलंक को तोड़ता है और समझ को बढ़ावा देता है। आत्महत्या के अलावा जीवन में और भी बेहतर विकल्प हैं। इसके अलावा एक ऐसी समाज-व्यवस्था को बढ़ावा देना है जहां लोग मदद लेने में हिचहिचाए नहीं, बल्कि एक-दूसरे के सहयोग के लिये आगे आये। निश्चित रूप से खुदकुशी सबसे तकलीफदेह हालात के सामने हार जाने का नतीजा होती है और ऐसा फैसला करने वालों के भीतर वंचना का अहसास, उससे उपजे तनाव, दबाव और दुख का अंदाजा लगा पाना दूसरों के लिए मुमकिन नहीं है। आत्महत्या शब्द जीवन से पलायन का डरावना सत्य है जो दिल को दहलाता है, डराता है, खौफ पैदा करता है, दर्द देता है। आत्महत्या जीवन की सबसे बड़ी त्रासदी है, यह मनुष्य होने के अर्थ और गरिमा को धूमिल करती है। जब जीवन जीने का साहस कमजोर पड़ता है तो व्यक्ति निराशा और अंधकार में डूबकर स्वयं को समाप्त करने की ओर बढ़ता है। वैश्विक स्तर पर यह एक गंभीर समस्या है, दुनिया भर से आते नए आंकड़े इस चुनौती की गंभीरता को और उजागर करते हैं। 2021 में अनुमानित 7.27 लाख आत्महत्याएं हुईं और विश्व में हर 43 सेकेंड में कोई एक व्यक्ति खुदकुशी कर रहा है। 73 प्रतिशत आत्महत्याएं निम्न एवं मध्यम आय वाले देशों में होती हैं और सबसे अधिक असर युवा और गृहिणियों पर पड़ता है। भारत में राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की 2021 की रिपोर्ट बताती है कि आत्महत्या करने वाली महिलाओं में 51.5 प्रतिशत गृहिणियां थीं। आत्महत्या की दर दो दशकों में 7.9 से बढ़कर 10.3 प्रति एक लाख हो गई है। उत्तराखंड जैसे राज्यों में पारिवारिक कलह आत्महत्या का बड़ा कारण है। युवा वर्ग की महत्वाकांक्षा क्षमता से अधिक हो चुकी है, पारिवारिक सामंजस्य खत्म हो गया है, असफलता का डर और तनाव सहने की क्षमता कम हो गई है। यही कारण है कि पढ़ाई के दबाव, नौकरी में असफलता, रिश्तों के टूटने और आर्थिक अभाव से युवा और किशोर आत्महत्या की ओर धकेले जा रहे हैं। भारत में स्थिति और भी चिंताजनक है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2022 में भारत में 1,70,924 आत्महत्याएं दर्ज की गईं, जो अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है और आत्महत्या दर 12.4 प्रति लाख जनसंख्या रही। यह दर पिछले वर्षों की तुलना में सर्वाधिक है। इनमें 18 से 45 वर्ष की आयु के लोगों की संख्या दो-तिहाई से अधिक है, जो दर्शाता है कि देश का युवा और कार्यशील वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित है। राज्यवार आंकड़े भी चिंताजनक हैं-सिक्किम में आत्महत्या दर लगभग 43 प्रति लाख रही जबकि बिहार में यह 1 से भी कम है। आत्महत्या के पीछे अनेक सामाजिक, आर्थिक और मानसिक कारण जुड़े हुए हैं। बेरोजगारी, गरीबी, पारिवारिक कलह, असफल प्रेम, नशे की लत और बीमारियां इसका बड़ा कारण बन रही हैं। मानसिक रोग और अवसाद ने इस समस्या को और गहरा किया है। एनसीआरबी के अनुसार 2018 से 2022 के बीच मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े कारणों से आत्महत्या के मामलों में 44 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। 2022 के आँकड़े बताते हैं कि आत्महत्या के प्रमुख कारणों में 33 प्रतिशत मामले पारिवारिक समस्याओं से जुड़े थे, लगभग 19 प्रतिशत मामले बीमारियों के कारण हुए, जबकि 6-7 प्रतिशत मामले विवाह सम्बन्धी समस्याओं और 6 प्रतिशत मामले त्रष्टा और कर्ज से संबंधित थे। छात्र आत्महत्या का आंकड़ा भी बड़ा चिंताजनक है-2022 में यह कुल आत्महत्याओं का 7.6 प्रतिशत रहा। वैश्विक स्तर पर भी स्थिति गंभीर है, परंतु भारत में यह और ज्यादा जटिल इसलिए है क्योंकि यहां सामाजिक प्रतिस्पर्धा, उपभोक्तावादी जीवनशैली, परिवार का टूटता हुआ ढांचा और आर्थिक असमानता आत्महत्या की प्रवृत्ति को तेज कर रही है। आत्महत्या केवल एक जीवन का अंत नहीं है, बल्कि यह एक पूरे परिवार और समाज की आशाओं का विघटन है। इस गंभीर समस्या से निपटने के लिए केवल व्यक्तिगत प्रयास पर्याप्त नहीं हैं बल्कि समाज और सरकार दोनों को संयुक्त रूप से कार्य करना होगा। भारत सरकार ने 2017 में मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम पारित करके आत्महत्या प्रयास को अपराध की श्रेणी से बाहर किया और 2020 में 'किरण' नामक राष्ट्रीय हेल्पलाइन शुरू की जो 13 भाषाओं में चौबीसों घंटे सहायता उपलब्ध कराती है। 2022 में राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम रणनीति बनाई गई जिसका लक्ष्य 2030 तक आत्महत्या दर में 10 प्रतिशत की कमी लाना है। इसमें मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार, परामर्श केंद्रों की स्थापना, रोजगार सृजन, परिवारिक संवाद को मजबूत करना, मीडिया की संवेदनशीलता और सामाजिक सहयोग जैसे उपायों पर जोर दिया गया है। साथ ही स्वयंसेवी संस्थाओं और हेल्पलाइन सेवाओं-जैसे आसरा, वंद्रेवाला, समैरिटन्स मुंबई-की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। आत्महत्या को रोकने का सबसे बड़ा उपाय यही है कि व्यक्ति को निराशा के अंधकार में छोड़ने के बजाय उसके जीवन में आशा, साहस और सहयोग का संचार किया जाए क्योंकि कठिनाइयों का समाधान आत्महत्या में नहीं बल्कि संघर्ष, विश्वास और सहारा देने वाले समाज में है। दुनिया का यह दुखद सच यह भी है कि चिकित्सा विज्ञान की प्रगति से बीमारियों से मरने वालों की संख्या घटी है पर आत्महत्या के कारण मरने वालों की संख्या ब ?ी है। भौतिकवादी जीवनशैली, प्रतिस्पर्धा, अवसाद और असंतुलन ने मनुष्य को भीतर से खोखला बना दिया है। प्रसिद्ध कलाकार, जिनका सार्वजनिक जीवन में हंसता खेलता चेहरा दिखाई देता है, कभी अचानक आत्महत्या कर लेते हैं क्योंकि भीतर का अकेलापन और दबाव उन्हें जीने नहीं देता। सवाल यह है कि जिनके पास साधन और सहयोग की कमी नहीं, वे भी क्यों जिंदगी के उतार-चढ़ाव को बर्दाश्त नहीं कर पाते। किसानों की आत्महत्या, आर्थिक तंगी, व्यापार में नुकसान, रिश्तों का टूटना, तलाक और अभाव की स्थिति आत्महत्या की सबसे बड़ी जड़ें हैं। समाज और परिवार का विघटन भी व्यक्ति को असहाय बना देता है। आत्महत्या किसी भी सभ्य समाज के माथे पर कलंक है। टॉयनबी ने ठीक ही कहा है कि कोई भी संस्कृति हत्या से नहीं बल्कि आत्महत्या से मरती है। इस स्थिति को बदलना जरूरी है। सरकारों, संगठनों, समुदायों और परिवारों की जिम्मेदारी है कि वे संवाद और सहयोग की संस्कृति को बढ़ावा दें। जब कोई व्यक्ति संकट में हो तो परिवार, दोस्त, पड़ोसी और सहकर्मी उसे अकेला न छोड़ें बल्कि उसका हाथ थामें। हमें एक ऐसी सामाजिक संरचना बनानी होगी जहां मदद मांगना कमजोरी नहीं बल्कि साहस माना जाए। जहां तनाव और अवसाद को गंभीरता से समझा जाए और मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता मिले। जहां बच्चों को बचपन से ही संघर्षों से लड़ने की शिक्षा दी जाए और असफलताओं को जीवन का हिस्सा समझने का दृष्टिकोण विकसित किया जाए। आत्महत्या रोकथाम दिवस हमें यही संदेश देता है कि आत्महत्या से बचा जा सकता है, संवाद और सहयोग से जीवन बदला जा सकता है, और हर व्यक्ति को नई शुरुआत का अवसर दिया जा सकता है। यह दिन हमें यह समझाने आता है कि जिंदगी कठिन जरूर है लेकिन जीने के विकल्प हमेशा मौजूद हैं।

-ललित गर्ग

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। माँग की मजबूती से मंगलवार को खाद्य तेलों में बाजार तेजी के रहे। तिलहनों में सोयाबीन मजबूत रहा। दलहनों में चना सुर्खी पर रहा। किराना जिंसों में शक्कर व इलायची बाजार सुर्ख रहे। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार खाद्य तेलों में माँग की मजबूती से भावों में सुधार आया। तिलहनों में सोयाबीन मजबूत रहा। दलहनों में चना सुर्खी पर रहा। उधर, किराना जिंसों में हरि इलायची व शक्कर में बाजार मजबूत रहे। त्यौहारी माँग को देखते हुए दोनों जिंसों में बाजार मजबूत रहे। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4210-4270, खोपरा गोला 325-375, खोपरा बूरा 4400-6600 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 250-260, ऊंझा हल्का 270-275, मीडियम 280-290, बेस्ट 290-320, हल्दी निजामाबाद 170-210, सांगली 265-270, साबूदाना हल्का 4500-4600, मीडियम 4650-4850, बेस्ट 5100-5500, ग्लास 6100, वरलक्ष्मी 5350, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 110-250, एस्ट्रा बेस्ट 300-400, सौंफ बारिक 280-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-770, गरबल 711-715, मटरदाना 830-835, खसखस अनक्लीन 900-1200, क्लीन 1300-1500, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 725-780, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2600-2700, विरूद्ध नगर 2700-2800, मीडियम 2800-2900, बोल्ड 2900-3000, एक्ट्रा बोल्ड 3100-3200, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1550-1750, बेस्ट1800-1900, तरबूज मगज 665-690, काजू (240) 950-960, काजू (210) 950-1000, काजू (320) 830-860, काजू एस. डब्ल्यू 800-810, जे.एच. 840-860, टुकड़ी 780-850, बादाम मगज 860-880, अमेरिकन 750-780, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 510-800, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1400-1600, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3600-3700, (160) 4000-4100, (200) 4500-4700, (250) 4800-4900

तेल- सींगदाना 1350-1370, मुम्बई 1385, राजकोट तेलिया 2160-2170, सोया साल्वेंट 1170-1175, सोया रिफाइंड 1235-1240, कपास्या 1280-1285, धूलिया 1290, कड़ी 1290,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1330, मुम्बई पाम 1280, मुम्बई सोया 1275,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2400, देवास-उज्जैन 2400, खंडवा-बुरहानपुर 2375, अकोला 3800 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7000-7100, रायडा 6600-6800, सोयाबीन 4500, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6100-6150, एवरेज 5900-6000, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रशर्ि?यन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6100-6150, एवरेज 5800-5900, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6600-6700, महाराष्ट्र लाल 6600-6900, उड़द बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, शंकर 7000-7100, हल्की 6900-7000,

दाल- चना दाल एवरेज 7700-8300, बोल्ड 8600-8800, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7750-7850, बेस्ट 7950-8100, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4000-4500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9000-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 320 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। मंगलवार को स्थानीय सराफा बाजार में दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी के रहे। भाव इस प्रकार रहे -

चाँदी (9999) 127300, चाँदी (99) 127200, टंच 126800, सिक्का 1200, सोना 10 ग्राम 111200,

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपय मंगरवार को 18 पैसे की बढ़त के साथ ही 88.38 पर बंद हुआ। वहीं वैश्विक बाजार में मंगलवार को सुबह भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 14 पैसे की मजबूती के साथ 87.95 पर पहुंच गया। यह घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख के कारण संभव हुआ। हालांकि, भारत पर अमेरिकी शुल्क लगाने की चिंताएं और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता रुपये की बढ़त को सीमित कर रही हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 87.98 पर खुला और फिर 87.95 तक पहुंचा। शुक्रवार को यह अब तक के सबसे निचले स्तर 88.38 तक गिर चुका था। डॉलर सूचकांक में भी 0.05 फीसदी की गिरावट देखी गई, जो छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की कमजोरी दर्शाता है।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए ऊर्जावान रहने वाला है। आपका व्यापार पहले से बेहतर चलेगा। आप अपने कामों को समय से निपटाने की कोशिश करेंगे। आप किसी से कोई पार्टनरशिप न करें, तो उसमें आप पूरा ध्यान दें और आप संतान की फरमाइश पर किसी नए वाहन को लेकर आ सकते हैं। आपके घर किसी अतिथि का आगमन होने की संभावना है। आप लोगों की आवभगत में लगे नजर आएंगे।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए चिंताग्रस्त रहने वाला है। आपके मन में किसी काम को लेकर दुविधा बनी रहेगी। आज आपको बेवजह का भय सताएगा। आप किसी की कहीसुनी बातों पर भरोसा ना करें और आपको कोई बात बहुत ही सोच समझ कर बोलनी होगी। यदि आप किसी प्रॉपर्टी की खरीद फरोख्त की योजना बना रहे थे, तो आज वह पूरी हो सकती है। आप ज्यादा पानी वाली जगह जाने से बचें।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए इनकम को बढ़ाने वाला रहेगा। आप अपने ससुराल पक्ष की किसी व्यक्ति से मेल मुलाकात करने जा सकते हैं। आपको किसी पारिवारिक मामले को घर से बाहर ले जाने से बचना होगा। आपने यदि किसी काम को लेकर कोई लापरवाही दिखायी, तो वह आपके लिए कोई बड़ी समस्या बन सकती है। माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा होगा। आपको किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा।

कर्क- आज आपको शासन-सत्ता का पूरा सहयोग मिलेगा। आप अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए जो प्रयास करेंगे, उसमें सफलता मिलेगी। आपका कोई पुराना मित्र आपसे लंबे समय बाद मेल मुलाकात करने आ सकता है। आपको अपनी संतान से किए हुए वादे को पूरा करना होगा, जो जातक सरकारी नौकरी की तैयारी में लगे हैं, उन्हें कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है।

सिंह- आज का दिन आपके लिए भाग्य के दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। आपके काम में यदि कुछ विघ्न आ रहे थे, तो वह दूर होंगे। आप अपने काम से काम मतलब रखें, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। किसी दूर रहे परिजन से आपको निराशाजनक सूचना सुनने को मिल सकती है। आपको अपने आसपास रह रहे लोगों को पहचानने की कोशिश करें, क्योंकि उन्हें आपकी तरक्की से ईर्ष्या होगी। आप किसी बैंक से यदि कोई लोन लेने की सोच रहे थे, तो उसके लिए आप अप्लाई कर सकते हैं।

कन्या- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आपको अपने संतान की संगति पर विशेष ध्यान देना होगा और वाहनों का प्रयोग आप थोड़ा सावधान रहकर करें, क्योंकि कोई दुर्घटना होने की संभावना है। आप किसी से मांगकर वाहन न चलाएं और आपको किसी पुराने लेनदेन से आपको छुटकारा मिलेगा। आप अपनी शौक मजबूत की चीजों पर भी अच्छा खासा धन खर्चा करेंगे, लेकिन आप अपनी जेब का ख्याल अवश्य रखें। प्रेम जीवन जी रहे लोग साथी को कहीं बाहर घूमने फिराने के लेकर जा सकते हैं।

तुला- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। जीवनसाथी का सहयोग सानिध्य आपको भरपूर मात्रा में मिलेगा। प्रेम में सहयोग की भावना आपके मन में बनी रहेगी। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी। आप छोटे बच्चों के लिए कुछ खाने पीने की चीजे लेकर आ सकते हैं, लेकिन आप अपनी माताजी के द्वारा दी गई जिम्मेदारियों को लेकर भी सतर्क रहें, क्योंकि उनमें लापरवाही करने से वह आपसे नाराज हो सकती हैं। आप दोस्तों के साथ कुछ समय मौज-मस्ती करने में व्यतीत करेंगे।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आप अपने शत्रुओं को आसानी से मात देने की कोशिश में कामयाब रहेंगे। नौकरी की तलाश में लगे लोगों को कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आप अपने कामों में सुधार लायेंगे। आपको अपने बिजनेस के किसी काम को लेकर कहीं बाहर जाना पड़ सकता है।

धनु- आज का दिन व्यापार कर रहे लोगों के लिए अच्छा रहने वाला है। यदि आपको कोई शारीरिक समस्या थी, तो उसमें भी सुधार आएगा। आपको किसी से धन उधार लेने से बचना होगा। आप कार्यक्षेत्र में अपनी बात लोगों के सामने अवश्य रखें, नहीं तो आपको झूठा साबित किया जा सकता है।

मकर- आज का दिन आपके लिए स्वास्थ्य के लिहाज से अच्छे रहने वाला है। माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा होगा। आप अपने आवश्यक कामों को पूरा करने में ढील बिल्कुल ना दें और संतान के मन में चल रही उलझनों को आपको जानने की कोशिश करनी होगी। यदि आपने किसी से कुछ कर्जा लिया था, तो उसे भी आप उतारने में सफल रहेंगे।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए तरक्की की राह पर आगे बढ़ने के लिए रहेगा। आप अपनी मेहनत से एक अच्छा मुकाम हासिल करेंगे। आपके साहस और पराक्रम में वृद्धि होगी और आपको नौकरी में भी प्रमोशन आदि मिलने से आपका मन काफी खुश रहेगा। पार्टनरशिप यदि आप किसी काम को लेकर करें, तो उसमें पूरी लिखा पढ़ी करके चलें, क्योंकि बाद में आपके साथ कोई धोखा होने की संभावना है।

मीन- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आप कोई निवेश थोड़ा समझदारी से करें। बिजनेस कर रहे लोगों को अच्छी सफलता मिलेगी, क्योंकि उनका डूबा हुआ धन भी आपको मिल सकता है। प्रेम जीवन जी रहे लोगों का कोई साथी पसंद आ सकता है, जिससे उनकी वाणी से लोग आपको काफी खुश करने की कोशिश में कामयाब रहेंगे, लेकिन आपके कुछ विरोधी भी उत्पन्न हो सकते हैं, जिनसे आपको बचना होगा।

शब्दजाल - 8016

शब्द जाल में भारत के 10 प्रधानमंत्रियों के नाम नाम ढूंढिए.नाम ऊपर से नीचे और तिरछे हो सकते हैं

अ	क	ल	इं	दि	रा	गां	धी	इं	ल	ज
र	ट	ल	दे	व	गौ	ड़ा	इं	द्र	ट	वा
त	स	ल	ल	र्म	छ	मो	रा	कु	ख	ह
च	ज	ज	बि	पु	र	र	प	मा	ली	र
म	र	दो	ग	हा	लं	र	टू	र	झ	ला
न	क	ण	प	ह	री	जी	ना	गु	घ	ल
मो	अ	स	सिं	या	प	दे	श	ज	ला	ने
ह	ता	दा	ई	ह	व	स	फ	रा	श	ह
न	बा	चे	न	ब्रा	जी	ई	री	ल	प	रु
सिं	पा	ला	ल	ब	हा	दु	र	शा	स्त्री	
ह	रा	जी	व	गां	धी	रा	ब	द	प	न

जवाहरलाल नेहरू, लालबहादुर शास्त्री, चरण सिंह, मोरारजी देसाई, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, अटलबिहारी, मनमोहन सिंह, इंद्रकुमार गुजराल, देवगौड़ा

शब्दजाल - 8015 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 6960

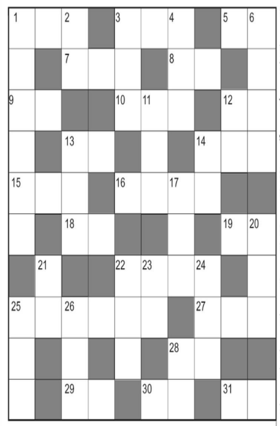

ऊपर से नीचे:-

१. 'रात कली इक ख्वाब में आई' गीत वाली फिल्म-२,२,२
२. फिल्म 'आर या पार' की नायिका-२
३. शाहरूख, माधुरी की 'बड़ी मुश्किल है' गीत वाली फिल्म-३
४. 'तुम भी चलो हम भी चलें' गीत वाली अमिताभ, सायरा की फिल्म-३
६. राजेश खन्ना, राखी की 'छोड़दे जवानी में उदासी' गीत वाली फिल्म-४
११. 'तेरी चाहत में' गीत वाली फिल्म-१,२
१२. नसीरूद्दीनशाह, पूजा की 'आज हमने दिल का हर फैसला' गीत वाली फिल्म-२
१३.'बहारों फूल बरसाओ' गीतवाली फिल्म-३
१४. अमिताभ, शशि, शत्रुघ्न, राखी, परवीन, बिंदिया की फिल्म-२
१७. जीतेंद्र, हेमा की 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
२०.फिल्म 'शोला और शबनम' नायिका कौन थी?-३
२१. फिल्म 'गुनाह' की नायक कौन था-२
२२. जीतेंद्र, लीना की 'कभी खोले ना तिजोरी का' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'मझे तेरे जैसी लड़की' गीत वाली डिनो और बिपाशा की फिल्म-२
२४. अक्षय, करीना की 'यार बदल ना जाना' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'फूलों सा चेहरा तेरा' गीत वाली फिल्म-३
२६. राजेश, धर्मेन्द्र, वहीदा की 'हमने देखी है' गीत वाली फिल्म-३
२८.'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनीदेओल, सुष्मिता सेन की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अनिल, रेखा की 'तू मेरा मखना' गीत वाली फिल्म-३
३. 'किसीसे तुम प्यार करो' गीत वाली अक्षय, लारा, प्रियंका की फिल्म-३
५. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
७. राजकुमार, मीनाकुमारी की 'चलो दिलदार चलो' गीत वाली फिल्म-३
८. मंगेशकर बहनों लता, आशा, उषा की चौथी बहन का नाम क्या हैं?-२
९. अमिताभ, जया की 'आए तुम याद मुझे' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'परदेसी तो हैं परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
१२. देवआनंद, निम्मी की 'ओ रूपनगर के सौदागर' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'मैं ने तुझसे प्यार' गीत वाली विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२
१४. राजकपूर, मीनाकुमारी की 'ऐ चाँद जहाँ वो जाए' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी, अमीषा की फिल्म-३
१६. अजय देवगन, मनीषा, करिश्मा की एक फिल्म-४
१८. 'जलता है जिया' गीत वाली सुनील दत्त, रीनाराय, आशा की फिल्म-२
१९. सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'तारे हैं बारती' गीत वाली अनिल, तब्बू, पूजा बत्रा की फिल्म-४
२५. मनीष, मनीषा की 'तू दीवाना पागल मेरा' गीत वाली फिल्म-३,३
२७. 'लड़की है क्या' गीतवाली फिल्म-३
२८. 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'सूर्यवंशी' में नायिका कौन थी-२
३०. सनी, जूही की 'जादू तेरी नजर' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'जब कोई बात' गीतवाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 6959

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

10 सितम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	06.18 बजे से
चंद्र	मीन में	तुला	08.28 बजे से
मंगल	कन्या में	वृश्चिक	10.43 ब.से
बुध	सिंह में	धनु	12.59 बजे से
गुरु	मिथुन में	मकर	15.04 बजे से
शुक्र	कर्क में	कुंभ	16.51 बजे से
शनि	मीन में	मीन	18.23 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	19.54 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	21.34 बजे से
राहुकाल		मिथुन	23.32 बजे से
12.00 से 1.30		कर्क	01.46 बजे से
बजे तक		सिंह	04.02 बजे से

बुधवार 2025 वर्ष का 253 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** तृतीया 15.39 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** रेवती 16.03 बजे को समाप्त। **योग** वृद्धि 20.32 बजे को समाप्त। **करण** विष्टि 15.39 बजे तदनन्तर बव 02.12 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 17.8 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 04° 55' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872463 **जूलियन दिन** 2460928.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रवि उलावल **तारीख** 17 **विशेष** तृतीया श्राद्ध, चतुर्थी श्राद्ध, संकष्टी चतुर्थी।

दिन का चौघड़िया					रात का चौघड़िया				
लाभ	05.54	से	07.22	बजे तक	उद्वेग	05.41	से	07.12	बजे तक
अमृत	07.22	से	08.51	बजे तक	शुभ	07.12	से	08.44	बजे तक
काल	08.15	से	10.19	बजे तक	अमृत	08.44	से	10.16	बजे तक
शुभ	10.19	से	11.47	बजे तक	चर	10.16	से	11.47	बजे तक
रोग	11.47	से	01.16	बजे तक	रोग	11.47	से	01.19	बजे तक
उद्वेग	01.16	से	02.44	बजे तक	काल	01.19	से	02.51	बजे तक
चर	02.44	से	04.12	बजे तक	लाभ	02.51	से	04.23	बजे तक
लाभ	04.12	से	05.41	बजे तक	उद्वेग	04.23	से	05.54	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: बड़ा कौन

एक बार सम्राट अशोक अपने विश्वस्त मंत्री भ्रामात्य के साथ कहीं जा रहे थे। रास्ते में एक संत को आते देख वह घोड़े से नीचे उतरे और उन्होंने संत को दंडवत प्रणाम किया। यह बात भ्रामात्य को अच्छी नहीं लगी। संत के जाने के बाद भ्रामात्य ने अशोक से पूछा, 'राजन्, मेरी समझ में नहीं आया कि इतने बड़े सम्राट होकर आपने एक साधारण साधु को दंडवत प्रणाम क्यों किया।' उस समय अशोक ने कोई उत्तर नहीं दिया। दो दिनों के बाद उसने कई जानवरों के मुखौटों के साथ एक साधु और एक राजा का सुंदर मुखौटा भ्रामात्य को देते हुए कहा, 'गांव में जाकर इन मुखौटों को बेच दीजिए। मैं जानना चाहता हूं कि प्रजा किसे ज्यादा पसंद करती है।' भ्रामात्य उन मुखौटों को बेचने के लिए गांव में गया। साधु का मुखौटा सबसे पहले बिक गया। उसके बाद सभी जानवरों के मुखौटे भी बिक गए। मगर राजा का मुखौटा किसी ने नहीं खरीदा। भ्रामात्य उसे लेकर लौट आया। अशोक ने उसे फिर से जाने को कहा। और यह भी निर्देश दिया कि यह मुखौटा किसी को मुफ्त दे दे। भ्रामात्य दोबारा गया मगर गांव वालों ने मुखौटा लेने से इनकार कर दिया। बोले, 'इस कचरे को लेकर हम क्या करेंगे।' भ्रामात्य फिर लौट आया और सम्राट को गांव वालों की बात बताई। अशोक ने कहा, 'अब तो तुम्हारे प्रश्न का उत्तर मिल गया होगा। संत हमेशा पूजनीय होते हैं क्योंकि वे मोह माया से दूर रह कर पूरे समाज के हित की बात सोचते हैं। राजा का महत्व तात्कालिक होता है पर संत की कीर्ति हमेशा बनी रहती है।'

सूडोकु नवताल- 7269

★★★✯✩ मध्यम

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
■ पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु नवताल -7268 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

शब्द पहेली - 8484

बाएँ से दाएँ

1.नियंत्रण,घोड़े की रास-3
3.ध्वज,झंडा-3
5.माहिर,होशियार-2
6.बेल,लतिका-2
8.अस्वीकृत करना-4
11.अदृश्य-3
13.फटकार,धिक्कार-3
14.अधर,होठ-2
15.सलाह,सुझाव-2
16.आश्रय-3
18.अनुमान,अंदाज-3
20.आलता,माहुर-4
23.नासिका-2
25.रहस्य-2
26.रेखा,लाइनू-3
27.परिमूल्य-3

ऊपर से नीचे

1.लाख,सौ हजार-2
2.बारीक,सूक्ष्म-3
3.तीन घंटे का समय-3
4.समय,वक्त-2
5.कोतवाल-3
7.बल,जोर,दम-3
9.श्रवणेंद्रिय-2
10.जो लायक न हो-4
12.कृष्ण के बड़े भाई-4
16.दर्पण,शीशा-3
17.नौका -2
19.आसान,सरल-3
21.उपस्थित-3
22.रस से भरा-3
24.बीता हुआ दिन-2
25.रजनी,निशा-2

शब्द पहेली -8483 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही आईटी शेयरों में खरीदारी हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 314.02 अंक बढ़कर 81,101.32 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 95.45 अंक ऊपर आकर 24,868.60 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान निफ्टी आईटी इंडेक्स 2.76 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। इसके अलावा निफ्टी फार्मा (0.86 फीसदी), निफ्टी एफएमसीजी (0.58 फीसदी), निफ्टी प्राइवेट बैंक (0.13 फीसदी) और निफ्टी हेल्थकेयर (0.77 फीसदी) की बढ़त के साथ बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर निफ्टी पीएसयू बैंक (0.14 फीसदी), निफ्टी रियल्टी (0.30 फीसदी), निफ्टी एनर्जी (0.12 फीसदी) और निफ्टी पीएसई (0.19 फीसदी) गिरावट पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, अदाणी पोर्ट्स, एचसीएल टेक, टीसीएस, सन फार्मा, बजाज फिनसर्व, एचयूएल, आईटीसी, कोटक महिंद्रा बैंक के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी रही जबकि एसबीआई, ट्रेंट, अल्ट्राटेक सीमेंट, एनटीपीसी, टाइटन, टाटा मोटर्स, एक्सिस बैंक, एमएंडएम के शेयर सबसे अधिक गिरे। लार्जकैप के साथ ही आज मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी तेजी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 103.20 अंक करीब 0.18 फीसदी की तेजी के साथ 57,464.35 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 59.95 अंक या 0.34 फीसदी की तेजी के साथ 17,744.30 पर था। इससे पहले आज सुबह बाजार मजबूती के साथ खुले। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 333 अंकों की बढ़त के साथ 81,121 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी50 81 अंकों की तेजी के साथ 24,855 पर ट्रेड करता नजर आया। वैश्विक बाजारों में भी मिश्रित रुख रहा। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 0.9 फीसदी की बढ़त के साथ रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। अमेरिका में टेक शेयरों की अगुवाई में नैस्डैक ने नया रिकॉर्ड बनाया। निवेशकों को उम्मीद है कि फेडरल रिजर्व आगामी बैठक में ब्याज दरों में कमी कर सकता है।

व्यापारिक तनाव घरेलू मिश्र लौह धातु क्षेत्र के लिए खतरा- आईएफएपीए

नई दिल्ली। भारतीय मिश्र लौह धातु उत्पादक संघ (आईएफएपीए) ने वैश्विक स्तर पर बढ़ते व्यापार तनाव को घरेलू मिश्र लौह धातु उद्योग के लिए बड़ा खतरा बताया है। संघ के चेयरमैन ने कहा कि इस चुनौती का सामना करने के लिए सरकार को तुरंत हस्तक्षेप करना आवश्यक है। उन्होंने यह भी बताया कि इस्पात उद्योग में सिलिको मैंगनीज और फेरो क्रोम जैसे मिश्र लौह धातुओं का उपयोग डीऑक्सीडाइजर और अलॉय एजेंट के रूप में होता है, जो इस्पात की मजबूती, कठोरता और घिसाव प्रतिरोध जैसे गुणों को बेहतर बनाते हैं। अधिकारी ने बताया कि भारतीय मिश्र लौह धातु उद्योग ने पिछले कुछ वर्षों में अपनी उत्पादन और निर्यात क्षमता में जबरदस्त वृद्धि की है। भारत वर्तमान में मैंगनीज मिश्र लौह धातु का विश्व का सबसे बड़ा निर्यातक है, जबकि फेरो क्रोम का तीसरा सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता भी है। हालांकि, वैश्विक इस्पात उत्पादन में कमी, बढ़ती व्यापार बाधाएं, सुरक्षा उपाय और आगामी कार्बन सीमा कर जैसी नीतियां निर्यात के लिए बड़ी चुनौतियां बनी हुई हैं। बिगमिंट के आंकड़ों के अनुसार, भारत ने वित्त वर्ष 2019-20 में 43 लाख टन मिश्र लौह धातु उत्पादन क्षमता से बढ़कर 31 मार्च 2025 तक यह क्षमता लगभग दोगुनी होकर 80 लाख टन हो गई है। यह वृद्धि उद्योग की ताकत को दर्शाती है, लेकिन वैश्विक परिस्थितियां इस विकास को प्रभावित कर रही हैं। आईएफएपीए ने सरकार से उम्मीद जताई है कि वह वैश्विक व्यापार तनाव और कार्बन सीमा कर जैसी नीतियों के प्रभाव को कम करने के लिए प्रभावी कदम उठाएगी।

दशहरा, दीपावली और छठ पर बिहार-कोलकाता जाने चलेगी चार पूजा स्पेशल ट्रेन

नई दिल्ली। शहरा, दीपावली और छठ जैसे प्रमुख त्योहारों के दौरान बिहार और कोलकाता जाने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने चार पूजा स्पेशल ट्रेनों का संचालन करने का फैसला लिया है। इन ट्रेनों से यात्रियों को त्योहारों के मौसम में बेहतर सफर का विकल्प मिलेगा। इनमें से एक ट्रेन लखनऊ से कोलकाता के लिए होगी, जबकि बाकी ट्रेनें दिल्ली, आनंद विहार और आगरा कैंट से चलेंगी। आगरा कैंट से जोगबनी के लिए साप्ताहिक सेवा- 12 सितंबर से आगरा कैंट से लखनऊ होते हुए जोगबनी के लिए साप्ताहिक पूजा स्पेशल ट्रेन चलेगी। ट्रेन नंबर 04195 प्रत्येक शुक्रवार सुबह 5 बजे आगरा कैंट से रवाना होकर अगले दिन शाम 6 बजे जोगबनी पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 04196 जोगबनी से शनिवार को रात 9 बजे चलकर तीसरे दिन सुबह 7~10 बजे आगरा कैंट पहुंचेगी। इस ट्रेन में स्लीपर और अनारक्षित कोच उपलब्ध होंगे। नई दिल्ली-गोरखपुर के बीच विशेष ट्रेन सेवा- नई दिल्ली से गोरखपुर तक भी 19 सितंबर से 28 नवंबर तक शुक्रवार को साप्ताहिक पूजा स्पेशल ट्रेन चलेगी। दिल्ली से यह ट्रेन दोपहर 2 बजे रवाना होकर गोरखपुर अगले दिन सुबह 5 बजे पहुंचेगी। वापसी में गोरखपुर से शनिवार को सुबह 7 बजे ट्रेन चलेगी और अगले दिन रात 11~10 बजे दिल्ली पहुंचेगी। आनंद विहार-जोगबनी के बीच साप्ताहिक ट्रेन- आनंद विहार से जोगबनी तक भी 20 सितंबर से 29 नवंबर तक साप्ताहिक पूजा स्पेशल ट्रेन चलेगी। यह ट्रेन हर शनिवार सुबह 8~30 बजे रवाना होकर अगले दिन शाम 5 बजे जोगबनी पहुंचेगी। वापसी जोगबनी से रविवार को शाम 6~30 बजे होगी। लखनऊ-कोलकाता के बीच पूजा स्पेशल ट्रेन- लखनऊ से कोलकाता के बीच 4 अक्टूबर से 8 नवंबर तक हर शनिवार को पूजा स्पेशल ट्रेन चलेगी। ट्रेन संख्या 03108 लखनऊ से रात 1~40 बजे चलकर अगले दिन कोलकाता पहुंचती है। कोलकाता से ट्रेन संख्या 03107 गुरुवार रात 11~55 बजे चलती है और अगले दिन लखनऊ पहुंचती है। उत्तर रेलवे के मुताबिक ये ट्रेने यात्रियों की सुविधा के लिए चलायी जा रही हैं ताकि त्योहारों के समय सफर आसान और सुगम हो सके।

ग्राम पंचायत टेकरी में वृक्षारोपण और अन्य कार्यों में अनियमितता का आरोप, जांच की मांग

लांजी (पद्मेश न्यूज)। ग्राम पंचायत टेकरी में वृक्षारोपण सहित कई अन्य कार्यों में अनियमितता और फर्जी बिलों के जरिए राशि निकासी के गंभीर आरोप लगे हैं। स्थानीय निवासी दौलतराम कोठारे ने जनपद पंचायत लांजी में शिकायत दर्ज कर इन अनियमितताओं की जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

वृक्षारोपण में फर्जीवाड़े का आरोप

दौलतराम कोठारे ने अपनी शिकायत में बताया कि ग्राम पंचायत टेकरी में वर्ष 2024-25 के दौरान कई स्थानों पर वृक्षारोपण का कार्य किया गया। इस कार्य के लिए वर्मीकंपोस्ट, रासायनिक खाद और अन्य सामग्रियों के नाम पर हजारों रुपये के फर्जी बिल बनाए गए और राशि का आहरण किया गया। लेकिन हकीकत में इन स्थानों पर एक भी पेड़ मौजूद नहीं है। उन्होंने इस मामले की गहन जांच की मांग की है ताकि सच्चाई सामने आ सके।

सरपंच पर निजी लाभ के लिए कार्य का आरोप

शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि सरपंच ने अपने निजी हित के लिए ग्राम पंचायत टेकरी को छोड़कर पड़ोसी ग्राम पंचायत पुर्वाटोला में अपने खेत के पास 50 फीट लंबी सीमेंट कांक्रीट नाली का निर्माण करवाया। यह कार्य पंचायत के संसाधनों का दुरुपयोग करते हुए किया गया। इसके अलावा, राज्य वित्त आयोग से प्राप्त 1,66,000 रुपये की राशि से आंगनवाड़ी केंद्र में शौचालय निर्माण होना था, लेकिन इस कार्य में भी अनियमितता बरती गई।

नाली सफाई और अन्य कार्यों में भी गड़बड़ी

दौलतराम ने अपनी शिकायत में बताया कि बारिश से पहले नाली सफाई के नाम पर फर्जी बिल बनाकर राशि निकाली गई। इसके अलावा, लोहा, सीमेंट, और तार खीला जैसी सामग्रियों के भी फर्जी बिल बनाए गए। इन सभी अनियमितताओं की जांच के लिए एक कमेटी गठित करने की मांग की गई है ताकि दोषियों को चिह्नित कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सके।

सचिव का बयान- मरे पेड़ों को फिर से लगाएंगे

इस मामले में ग्राम पंचायत टेकरी के सचिव यशवंत कोठारे ने सफाई देते हुए कहा कि वृक्षारोपण का कार्य किया गया था, लेकिन डूब क्षेत्र होने के कारण कुछ पेड़ मर गए। उन्होंने आश्वासन दिया कि जिन स्थानों पर पेड़ मरे हैं, वहां दोबारा वृक्षारोपण किया जाएगा।

जांच की मांग तेज

दौलतराम कोठारे की शिकायत के बाद स्थानीय लोगों में भी इस मामले को लेकर चर्चा जोरों पर है। ग्रामवासियों का कहना है कि पंचायत के कार्यों में पारदर्शिता की कमी और संसाधनों का दुरुपयोग चिंता का विषय है। जनपद पंचायत लांजी से इस शिकायत पर जल्द जांच शुरू करने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की उम्मीद की जा रही है।

साप्ताहिक बाजार स्थल पर हो रहें निर्माण कार्य पर बिसोनी के वार्ड वासियों ने जताई आपत्ति

निर्माण कार्य से आने जाने का रास्ता होगा बंद

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी नगर परिषद के द्वारा करोड़ों रूपये की लागत से बाजार स्थल पर काम्प्लेक्स निर्माण कार्य करवाया जा रहा है। जिसको लेकर स्थानीय वार्ड क्रमांक 10 ग्राम पंचायत बिसोनी के निवासियों के द्वारा एसडीएम लांजी को ज्ञापन सौंपकर विभिन्न समस्याओ से अवगत कराया गया है। जिसमें नगर परिषद वर्तमान में पूरे बाजार चौक के आस पास निर्माण कार्य किया जा रहा जिससे हमारे घरो के सामने आने जाने का रास्ता बंद कर बाउण्ड्रीवॉल सहित कॉम्प्लेक्स निर्माण कार्य किया जा रहा है। जिससे वार्ड वासियों को परेशानी हो रही है। निर्माण कार्य करने से हमारे घरों में बारिश का पानी घुस रहा है। जिसकी निकासी की व्यवस्था शिघ्र की जावे। पंचायत के द्वारा नाली बिजली एवं संडक की समस्याओं पर शिघ्र कार्यवाही की जावे। नगर परिषद लांजी हमारे बिसोनी अन्तर्गत वार्ड क्रमांक 10 में प्रत्येक रविवार को साप्ताहिक बाजार लगाया जाता है जिसमें लगभग आस पास के हजारो ग्रामीण जन एवं सैकड़ो व्यापारी आते है तथा सोमवार को हमारे घरो के आस पास कचरा गंदगी का ढेर लगा देते है जिसकी संपूर्ण रूप से साफ सफाई नही की जाती इससे समस्त वार्ड वासियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। नगर परिषद के रविवार साप्ताहिक बाजार में आने जाने के मार्ग पर मछली की दुकाने संचालित कर अपशिष्ट पदार्थ फेंके जाते है जिससे आवारा कुत्तो का भी आतक लगा रहता है जिनके कारण आने जाने वाले वार्ड वासियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। वार्ड क्रमांक 10 में जो अवैध बाउण्ड्री वॉल का निर्माण कार्य हो रहा है उससे खेत में जाने के मार्ग मे रास्ता अवरूद्ध हो रहा है। हम सभी वार्ड वासी यह चाहते कि शिघ्र ही उक्त निर्माण कार्य बंद किया जाये जिससे हमे

परेशानी का सामना ना करना पडे तथा बाजार में रविवार को होने वाली गंदगी को नगर परिषद लांजी सोमवार को पूर्ण रूप से साफ सफाई करवाये। ज्ञापन सौपने के दौरान ललीता प्रजापति, मुकेश तिड?, सुनिता खोबरागड़े, सलमा खान, कौशल, दिपेश्वरी सातपुते, संतोष सातपुते, प्रभात मोरघड़े, प्रकाश श्रीवास्तव, ममता सातपुते, सुशीला मोरघड़े, रंजित, बुधराम सैय्याम, गौराबाई, अनिता रामटेक्कर सहित अन्य वार्ड वासियों ने आपत्ति जताई है। वार्ड वासियो के द्वारा उक्त पत्र ग्राम पंचायत बिसोनी, एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर परिषद लांजी को उचित कार्यवाही हेतु पत्र प्रेषित किया गया है।

ग्रामीणों की मदद के लिए मजदूर बने जनपद सदस्य

नेताओं और अफसरों ने नहीं की सुनवाई तो श्रमदान से की सड़क की मरम्मत

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। यह तस्वीर बालाघाट जिले की जनपद पंचायत कटंगी के पठार अंचल की है. इस तस्वीर में हल्के हरे रंग की टी-शर्ट पहन कर मजदूरों की तरह मिट्टी को ट्रैक्टर में लादते हुए दिखाई दे रहा शख्स क्षेत्र क्रमांक 05 से निर्वाचित जनपद सदस्य चमन डोंगरवार है. जो ग्रामीणों के साथ मिलकर अपने जनपद क्षेत्र की बदहाल हो चुकी सड़क की मरम्मत कर रहे है. दरअसल, जनपद सदस्य ग्रामीणों के साथ मिलकर जिस सड़क की मरम्मत कर रहे है. वह ग्राम पंचायत आंजनबिहरी से चाकाहेटी पंचायत के रामजी टोला को आपस में जोड़ती है. चमन डोंगरवार चाकाहेटी से निर्वाचित जनपद सदस्य है. इस सड़क की हालत बेहद खराब है. बारिश के बाद सड़क में पैदल चलने में भी कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है. ग्रामीणों का कहना है यहां आज तक न कोई विधायक पहुंचा और कोई न सांसद. ग्रामीणों ने सड़क बनवाने के लिए कई बार अफसरों को आवेदन दिया लेकिन कहीं कोई सुनवाई नहीं हुई. जनपद सदस्य चमन डोंगरवार कहते है कि उन्हें जनपद निधि के जरिए इतना बजट नहीं मिल पाता कि वह सड़क का निर्माण करवा सकें. जनता के प्रतिनिधि होने के नाते उनका यह दायित्व है कि वह उनकी पीड़ा को कम कर सकने में मदद करें इसलिए ग्रामीणों के साथ श्रमदान कर सड़क की मरम्मत करने का काम कर रहे है. जनपद सदस्य ने ग्रामीण खेमराज पन्द्रे, शिवम ब्रम्हे, आदित्य गोपाले, राजू उइके, भूपेन्द्र इनवाते, आदित्य गोपाले, जीवन इनवाते, सतीश कुमरे, शरद शिव, सारंग डोंगरवार, के.डी.पन्द्रे, विनोद इनवाते ने मिलकर श्रमदान कर सड़क की मरम्मत की ताकि ग्रामीणों को आवागमन में राहत मिले. सड़क की मरम्मत के बाद ग्रामीणों को इसका लाभ भी मिलने लगा है किंतु ग्रामीण पक्की सड़क के निर्माण की मांग कर रहे है। आंजनबिहरी से रामजी टोला को जो ?ने वाली कच्ची सड़क प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और मुख्यमंत्री स?क योजना के लाभ से वंचित है. रामजी टोला के ग्रामीण अपने दैनिक कामकाज से लेकर हाट-बाजार, स्वास्थ्य सुविधाओं से लेकर रोजगार के लिए आंजनबिहरी पर निर्भर है. ऐसे में काफी लंबे समय से इस सड़क के निर्माण की मांग की जा रही है. किसी भी चुनाव के दौरान जब नेता रामजी टोला में वोट मांगने के लिए पहुंचते है तो ग्रामीण इस सड़क का निर्माण करवाने की मांग प्रमुखता से रखते है. ग्रामीणों को भरोसा दिया जाता है कि निर्माण हो जाएगा परंतु चुनाव समाप्त होने के बाद फिर कोई इस सड़क की सुध नहीं लेता. लंबे समय से सरकार से कोई सहयोग नहीं मिलने के कारण ग्रामीणों को अब स्वयं ही फावड़ा-कुदाल उठाकर और सामूहिक प्रयास श्रमदान से सड़क की मरम्मत करनी पड़ रही है जबकि यह मुलभूत सुविधा मुहैया करवाने की जिम्मेदारी सरकार की है।

शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूलों के टॉपर्स को मिलेगी मुफ्त ई-स्कूटी

शिक्षा सत्र 2024-25 के लिए योजना के आदेश हुआ जारी

लांजी (पद्मेश न्यूज)। मध्यप्रदेश सरकार ने शिक्षा सत्र 2024-25 (वित्तीय वर्ष 2025-26) के लिए शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूलों में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को नि:शुल्क ई-स्कूटी और मोटरराइज्ड वाहन प्रदान करने की योजना शुरू की है। स्कूल शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन द्वारा जारी पत्र (क/ई-स्कूटी/2025-2026/1/487307/2025) के अनुसार, इस योजना का उद्देश्य मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना है।

योजना की मुख्य बातें

पात्रता-

प्रदेश के स्कूल शिक्षा विभाग और जनजातीय कार्य विभाग के तहत संचालित शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूलों में नियमित रूप से अध्ययनरत विद्यार्थी, जो माध्यमिक शिक्षा मंडल (एम.पी. बोर्ड) की कक्षा 12वीं की परीक्षा में अपनी शाला में प्रथम प्रयास में टॉप करेंगे, इस योजना के लिए पात्र होंगे।

सभी संकायों (कला, विज्ञान, वाणिज्य आदि) के टॉपर्स को शामिल किया जाएगा।

वाहन और राशि-

ई-स्कूटी- अधिकतम 1,20,000 रुपये की राशि प्रदान की जाएगी, जिसमें वाहन की एक्स-शोरूम कीमत, रजिस्ट्रेशन, बीमा, दो हेलमेट और अन्य सहायक उपकरण शामिल होंगे।

मोटरराइज्ड वाहन- अधिकतम 90,000 रुपये की राशि दी जाएगी, जिसमें उपरोक्त सभी खर्च शामिल होंगे।

विद्यार्थी अपनी पसंद के वाहन का चयन कर डीलर से कोटेशन प्राप्त करेंगे, जिसे स्कूल प्राचार्य के माध्यम से जिला शिक्षा अधिकारी को जमा करना होगा।

प्रक्रिया-

जिला शिक्षा अधिकारी कोटेशन के आधार पर वाहन की जानकारी विमर्श पोर्टल पर दर्ज करेंगे, साथ ही विद्यार्थी के बैंक खाते की जानकारी (खाता संख्या, इफ्सस्ट कोड और आधार लिंक) भी अपलोड करेंगे।

राशि सीधे कोषालय से विद्यार्थी या उनके माता-पिता/अभिभावक के आधार-लिंक बैंक खाते में हस्तांतरित की जाएगी।

डीलर द्वारा रजिस्ट्रेशन, बीमा और अन्य औपचारिकताएं पूरी की जाएंगी।

विशेष शर्तें-

वाहन का चयन केवल ई-स्कूटी या मोटरराइज्ड वाहन तक सीमित होगा; अन्य वाहन जैसे मोटरबाइक आदि का चयन मान्य नहीं होगा।

वाहन रजिस्ट्रेशन के समय मध्यप्रदेश शासन के नाम तीन वर्ष के लिए हाइपोथिकेशन किया जाएगा, ताकि इसे तीन साल तक किसी अन्य को हस्तांतरित या बेचा न जा सके।

राशि प्राप्त होने के बाद वाहन खरीदना अनिवार्य होगा, अन्यथा विद्यार्थी, उनके अभिभावक और जिला शिक्षा अधिकारी के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी।

वितरण और समन्वय-

वाहनों का वितरण जिला स्तर पर समारोहपूर्वक किया जाएगा।

योजना के समन्वय के लिए जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में एक समिति गठित की जाएगी, जिसमें जिला परिवहन अधिकारी, जिला कोषालय अधिकारी और जिला शिक्षा अधिकारी शामिल होंगे।

बजट और कार्यवाही-

जिला शिक्षा अधिकारियों को बजट आवंटन और अग्रिम आहरण की अनुमति दी जाएगी।

वाहन विक्रेताओं से वाहन प्राप्ति की संभावित तारीख लेकर समारोह की तिथि तक भुगतान सुनिश्चित किया जाएगा।

सरकार का उद्देश्य-

मध्यप्रदेश शासन का यह कदम मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने और उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों को सम्मानित करने की दिशा में महत्वपूर्ण है। इस योजना से न केवल विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ेगा, बल्कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में शिक्षा के प्रति रुचि को भी बढ़ावा मिलेगा।

माँ सिंहवाहिनी दुर्गा उत्सव समिति ने पंडाल निर्माण के लिए किया पूजन

पहाड़ पर विराजित माता रानी, शिव परिवार रहेगा आकर्षण का केन्द्र

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी नगर में शारदेय नवरात्रि पर्व की बडी धुम नजर आती है नगर में सार्वजनिक रूप से तीन से चार प्रतिमाऐं स्थापित होती है जहां बडे बडे पण्डालों विराजमान माता रानी आकर्षण का मुख्य केन्द्र होती है साथ ही दुर्गा उत्सव समिति के द्वारा विशेष धार्मिक आयोजन भी करवाये जाते है। इसी के तहत नगर के गुजरी चौक स्थित माँ सिंहवाहिनी दुर्गा उत्सव समिति बडे बडे पण्डालों में विशेष आयोजन के लिये हमेशा अग्रिणी रहती है। बतादे कि माँ सिंह वाहिनी दुर्गा उत्सव समिति के द्वारा 72 वर्षो से माता रानी की प्रतिमा स्थापित कर बडे भक्ति भाव के साथ शारदेय नवरात्रें पर्व का आयोजन किया जाता है। विगत वर्ष महा शतचण्डी यज्ञ का आयोजन भी लांजी क्षेत्र की खुशहाली के लिये उक्त समिति के द्वारा किया गया था तथा इस वर्ष भी समिति के अध्यक्ष मनीष लालू अग्रवाल ने बताया कि इस बार एक विशाल पण्डाल माता रानी के लिये सजाया जा रहा है। तथा पहाड़ पर विराज माता रानी, शिव परिवार भी आकर्षण का विशेष केन्द्र रहेगा। इसके लिये 9 दिनो तक माता रानी विशेष पूजा अर्चना एवं धार्मिक सहित मनोरजंक कार्यक्रम में आयोजित होंगे। समिति के अध्यक्ष मनीष लालू अग्रवाल, राजू गोस्वामी, संदीप अग्रवाल, उमाकांत उपराड़े, अमित पाण्डे, संतोष महोबिया, गिरीश अग्रवाल, संतोष भार्गव, मुकेश महोबिया, राजा वानखेड़े, पप्पू पाण्डे, तरूण किरनापुरे, जय श्रीवास्तव, राजा कालबेले, ओपी चोरवाड़े, पंकज महोबिया, अतुल महोबिया, पार्थ पाण्डे, पलाश गोस्वामी, सागर पाण्डे, डॉ सुधांशु कलचुरी, अभय पाण्डे, डॉ हिमांशु कलचुरी, मोनू मिश्रा, विक्कू कालबेले, अरविंद मिश्रा, अनमोल खरगाल, प्रतीक गोस्वामी, अंकित सिंह बैस, हर्ष बक्शी, सचिन मिश्रा, ओम कालबेले, वेदांत पालीवाल, तरूण उपाध्याय, कुणाल गोस्वामी, बादल घोरमारे, सौरभ अग्रवाल, अरविंद दुबे, सम्राट बैस, सागर सोनी, अंकू पाण्डे, आर्यन पाण्डे, यश अग्रवाल, आर्यन उके, कमलेश गुरदे, कार्तिक कचवाहे, मयंक कुशले, तनु दुबे, शांतनु मानकर, बिट्टू दुरूगकर, शानू पाण्डे, देवेश पाठक, संजू यादव, ऋषभ बदरी, दीशांत बडमे, सदानंद चोरवाडे, विजय पाण्डे, राज झा, तेजस बिलगौर, वैभव नगपुरे, हर्ष तिवारी, मोहित यादव, प्रशांत महोबिया, सचिन पाण्डे सहित स्थानीय लोगो की उपस्थिती में पुजारी उदित गोस्वामी के द्वारा पण्डाल स्थल का विधि पूर्वक भूमि पूजन किया गया जिसके बाद से पण्डाल तैयार करने हेतु तैयारिया समिति ने प्रारंभ कर दी है। आगामी 22 सितंबर से शारदेय नवरात्रा पर्व प्रारंभ हो रहा है जो कि समिति के सदस्यो के द्वारा 9 दिनो तक मातारानी की विशेष पूजा अर्चना एवं आराधना की जावेगी तथा पण्डाल के समक्ष विशेष धार्मिक एवं मनोरंजक कार्यक्रम भी आययोजित किये जायेंगे।

वन विभाग के अधिकारी से की चचा पूर्व सांसद ने पीड़ित परिवार से की मुलाकात

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। बालाघाट-सिवनी संसदीय क्षेत्र के पूर्व सांसद बोधसिंह भगत ने मंगलवार को विधानसभा क्षेत्र कटंगी के अंतिम छोर पर स्थित ग्राम अंबेझरी पहुंचकर बाघ के हमले से मृत सेवकराम गोपाले के परिजनों से मुलाकात की. पूर्व सांसद ने घटना के बारे में विस्तार से जानकारी लेने के बाद वन विभाग के अधिकारी रेंजर से दूरभाष पर चर्चा की और बाघ की मूवमेंट और ग्रामीणों और उनके पालतू मवेशियों की सुरक्षा को लेकर विभाग के द्वारा किए गए इंतजाम के बारे में पूछताछ की. रेंजर ने बताया कि घटना के बाद पीड़ित परिवार को मुआवजा प्रदान करने की विभागीय कार्रवाई पूरी हो चुकी है. मृतक के परिवार में 07 सदस्य होने के कारण सभी से शपथ-पत्र लिया जा रहा है जैसे ही परिजनों की तरफ से यह कार्रवाई पूरी हो जाएगी. बड़े पुत्र के खाते में राशि जमा होगी. गौरतलब हो कि 04 सितंबर की शाम वन्य प्राणी बाघ ने पालतू मवेशियों को लेकर घर की तरफ आ रहे सेवकराम गोपाले पर जानलेवा हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया था. पूर्व सांसद के साथ नीरज हीरावत, मीर हामिद अली, चोपराम जामुनपाने भी मौजूद रहे। सेवकराम को सरकारी अस्पताल कटंगी में प्राथमिक उपचार कर जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया था. जहां रात्रि करीब 11 बजे सेवकराम की मौत हो गई थी. इस घटना के बाद 05 सितंबर को जब सेवकराम का शव गांव लाया गया तब डीएफओ अधर गुप्ता के व्यवहार से नाराज और गुस्साई ग्रामीण जनता ने रेंजर और वन रक्षक से मारपीट कर दी थी. पूर्व सांसद को ग्रामीणों ने डीएफओ के व्यवहार से भी अवगत करवाया और बताया कि अगर उस दिन डीएफओ ग्रामीणों से चर्चा करते और विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते तो गांव में तनाव की स्थिति निर्मित ना होगी. पूर्व सांसद ने ग्रामीणों को जंगल में ना जाने और खेतों में एक से अधिक की संख्या में ही जाने की समझाइश दी ताकि बाघ के हमले की घटना की पुर्नरावत्ति ना हो. ग्रामीणों ने बताया कि उनके खेत जंगल के आस-पास है अभी खेतों में जाना तक मुश्किल हो गया है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

कैबिनेट ने दी मंजूरी...मप्र में बदलेगा नपा चुनाव सिस्टम...

अब मतदाता सीधे चुनेंगे अध्यक्ष

भोपाल। प्रदेश में नगर पालिका और नगर परिषद के अध्यक्ष का चुनाव अब पार्षद नहीं सीधे मतदाता करेंगे। सरकार पार्षदों के माध्यम से चुनाव की व्यवस्था को समाप्त करके प्रत्यक्ष प्रणाली से चुनाव की व्यवस्था लागू करने जा रही है। इसके लिए अधिनियम में संशोधन अध्यादेश के माध्यम से किया जाएगा, जिसको मंगलवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में होने वाली कैबिनेट की बैठक में मंजूरी दे दी गई।

नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा इस संदर्भ में कैबिनेट में प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। इसके प्रभावी होने से वर्तमान अध्यक्षों को बड़ी राहत मिलेगी। उनके विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव ही नहीं आ पाएंगे। प्रदेश के कुछ नगरीय निकायों में अध्यक्षों के विरुद्ध पार्षदों ने अविश्वास प्रस्ताव दे दिए हैं या फिर इसकी तैयारी है। अध्यक्षों का कहना है कि उनके ऊपर दबाव बनाने के लिए इस तरह के प्रयास हो रहे हैं। इससे विकास के कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं। इसे देखते हुए पहले अविश्वास प्रस्ताव लाने की अवधि तीन से बढ़ाकर साढ़े चार वर्ष करने पर विचार किया गया था लेकिन मुख्य सचिव अनुराग जैन ने इसे अव्यवहारिक बताते हुए लौटा दिया था। इसके बाद नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने अधिनियम की धारा 47 को फिर से अस्तित्व में लाने के लिए संशोधन का प्रस्ताव बनाया, जिसे वरिष्ठ सचिव समिति की सहमति से विधि एवं विधायी विभाग भेजा गया था। विभाग ने इस पर सहमति जताई, जिसके बाद इसे मंगलवार को कैबिनेट की अनुमति के लिए प्रस्तुत किया गया, जिसे मंजूरी दे दी गई। प्रविधान अध्यादेश के माध्यम से लागू होंगे। इसके बाद अविश्वास प्रस्ताव औचित्यहीन हो जाएंगे क्योंकि फिर तीन चौथाई पार्षदों द्वारा अध्यक्ष के प्रति अविश्वास व्यक्त करने पर प्रस्ताव राज्य निर्वाचन आयोग के पास जाएगा और फिर वो खाली कुर्सी-भरी कुर्सी का चुनाव कराएगा, जिसमें गेंद पार्षद नहीं मतदाताओं के पाले में होगी।

2027 से होगा लागू

अब नगर पालिका परिषद और नगर परिषदों के अध्यक्ष का चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से होगा। यानी आगामी आम चुनाव वर्ष 2027 से मतदाता सीधे अपने वोट से अध्यक्ष का चयन करेंगे। वर्ष 2022 तक नगर पालिका और परिषदों में अध्यक्ष का चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से ही होता था, लेकिन बाद में इसे बदलकर अप्रत्यक्ष प्रणाली लागू कर दी गई थी। इसमें पार्षदों के मतों से अध्यक्ष चुना जाता था। इस व्यवस्था में राजनीतिक जोड़-तोड़ और अस्थिरता की स्थिति उत्पन्न हो जाती थी। जनता का सीधा जनादेश ही लोकतंत्र की असली ताकत है। नगर पालिका और नगर परिषद अध्यक्षों को बार-बार अविश्वास प्रस्तावों से बचाने के लिए उनके प्रत्यक्ष चुनाव की व्यवस्था लागू करने का कैबिनेट ने निर्णय लिया है। इसी दृष्टि से नगर पालिका (संशोधन) अध्यादेश, 2025 को मंजूरी दी गई है। इसके तहत मध्यप्रदेश नगर पालिका अधिनियम, 1961 की धारा 19, 20(2), 32 से 35, 43, 45, 47, 55, 63 और 328 सहित कई धाराओं में संशोधन किया जाएगा।

मप्र के 73 प्रतिशत वाहनों पर हाई-सिक्योरिटी नंबर प्लेट नहीं

लक्षद्वीप, आंध्र प्रदेश, केरल के बाद फिसड्डी राज्यों में एमपी चौथे नंबर पर

भोपाल। वाहनों पर हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एचएसआरपी) को लेकर परिवहन विभाग और पुलिस महकमा लगातार प्रयासरत है। लेकिन मप्र के वाहन मालिक हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन नंबर प्लेट लगवाने को राजी नहीं हैं। मध्यप्रदेश में कुल 2.45 करोड़ से अधिक पंजीकृत वाहन हैं, जिनमें से केवल 65.72 लाख वाहनों पर एचएसआरपी लगी है। यानी प्रदेश के 1.79 करोड़ से अधिक वाहन (73.24 प्रतिशत) अब भी बिना सुरक्षा नंबर प्लेट के सडक़ पर दौड़ रहे हैं।

सबसे फिसड्डी राज्यों में एमपी चौथे नंबर पर

देश में एचएसआरपी न लगवा पाने वाले राज्यों में मप्र देश के सबसे फिसड्डी राज्यों में चौथे नंबर का प्रदेश है। एचएसआरपी लगवाने वाले टॉप स्टेट में जम्मू कश्मीर पहले नंबर पर है। जम्मू-कश्मीर में मात्र 6.63 प्रतिशत वाहन ऐसे हैं जिन पर एचएसआरपी लगना बाकी है। हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन नंबर प्लेट लगाने में अव्वल राज्यों में टॉप-5 में शामिल है। ये जानकारी लोकसभा में एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी के सवाल के जवाब में दी गई है।

एचएसआरपी क्यों जरूरी है

परिवहन विभाग का कहना है कि एचएसआरपी नंबर प्लेट हाई-क्वालिटी, टेम्पर-प्रूफ होती है और इसमें एक यूनिक लेजर-कोड होता है, जिससे चोरी या फर्जी नंबर प्लेट लगाने जैसी घटनाओं पर रोक लगती है। साथ ही यह सडक़ पर लगे कैमरों से वाहन की सही पहचान में मदद करती है, जिससे ट्रैफिक नियमों का पालन और अपराध नियंत्रण आसान हो जाता है।

हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट यह एक होलोग्राम स्टिकर है। इस पर वाहन के चेसिस और इंजन के नंबर दर्ज होते हैं। इस खास तरह के स्टिकर को वाहन की नंबर प्लेट पर चिपकाया जाता है। प्लेट पर नंबर उभारकर बनाए जाते हैं, ताकि कोई उनमें छेड़छाड़ न करने पाए। इस पूरी प्लेट को वाहनों की सुरक्षा के लिहाज से तैयार किया गया है।

फर्जी मुख्तारनामा के आधार पर जमीन धोखाधड़ी का खुलासा

ईओडब्ल्यू की जांच में उजागर हुआ करोड़ों का घोटाला

भोपाल। आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ ने राजधानी में जमीन संबंधी एक बड़े फर्जीवाड़े का खुलासा किया है। आरोपियों ने कूटरचित मुख्तारनामा तैयार कर वास्तविक मालिक की जमीन को धोखाधड़ी से बेच डाला। मामला ग्राम बरखेड़ी कलां, तहसील हुजूर, जिला भोपाल स्थित 0.134 हेक्टेयर (लगभग 0.33 एकड़) भूमि से जुड़ा है। इस जमीन की वास्तविक मालिक मेवल रेबेलो हैं, जो वर्तमान में गोवा में निवासरत हैं। शिकायतकर्ता पीएमके भारद्वाज की रिपोर्ट पर हुई जांच में सामने आया कि आरोपी राहुल शर्मा ने मेवल रेबेलो के नाम से फर्जी मुख्तारनामा तैयार कराया था।

पंजीयन क्रमांक, पुस्तक व पृष्ठ संख्या की जांच में यह पाया गया कि जिस क्रमांक का उल्लेख मुख्तारनामे में किया गया था, उस पर वास्तव में सुरैया हसन और मोहम्मद ताहिर के बीच अन्य दस्तावेज दर्ज था। इसके बावजूद आरोपी राहुल शर्मा ने स्वयं को मुख्तारनामा धारक बताते हुए 12 दिसंबर 2024 को विक्रय पत्र तैयार कराया और भूमि को आरोपी नीरज पटेल के नाम बेच दिया। विक्रय पत्र में 71 लाख 72 हजार रुपये का भुगतान दर्शाया गया, जिसमें सात चेक और नकद राशि शामिल थी। लेकिन ईओडब्ल्यू की जांच में पता चला कि पांच चेक बाउंस हो गए और वास्तविक भुगतान केवल 8 लाख 22 हजार रुपये ही हुआ। बैंक विवरणों से भी यह तथ्य पुष्ट हुआ। जांच में यह भी स्पष्ट हुआ कि आरोपी राहुल शर्मा और नीरज पटेल ने आपराधिक षड्यंत्र रचते हुए फर्जी दस्तावेज का उपयोग कर जमीन का नामांतरण करा लिया। ईओडब्ल्यू ने दोनों आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 318, 336, 338, 340 सहपठित धारा 61 के तहत अपराध दर्ज कर आगे की विवेचना शुरू कर दी है।

3 साल बाद भी नियमित सेवकों की सुविधाएं लागू नहीं

कृषि विभाग के अफसरों पर परिवीक्षा अवधि का नियम पर पड़ रहा भारी

भोपाल। मप्र में होने वाली नई भर्ती पर प्रोबेशन पीरियड (परिवीक्षा अवधि) को पूर्ववर्ती कमलनाथ सरकार ने एक साल बढ़ा दिया। पहले यह दो साल होती थी, अब यह तीन साल हो रही है। लेकिन कृषि विभाग में परिवीक्षा अवधि का यह नियम अधिकारियों पर भारी पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार, तीन साल की अवधि उपरांत इनको नियमित सेवकों की सभी सुविधाएं लागू की जानी हैं। कृषि विभाग में दो हजार अधिकारी कर्मचारी ऐसे हैं, जिनका प्रोवेशनर पीरियड समाप्त हो गया, लेकिन अभी तक इनके प्रस्ताव डिवीजनल डिपार्टमेंट प्रमोशन कमेटी की बैठक में नहीं पहुंच पाया है।

गौरतलब है कि कृषि विभाग में मैदानी अमले की कमी को पूरा करने के लिए साल 2018 में दो हजार कृषि विस्तार अधिकारी, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी सहित अन्य लिपिकीय पदों को भरने के लिए परीक्षा आयोजित की गई थी। यह एग्जाम मप्र कर्मचारी चयन मंडल कराया गया था। यहीं से परीक्षा के माध्यम से इन रिक्त पदों पर पूर्ति हुई थी। परीक्षा के बाद कोरोना की पहली लहर आई, तब परिणाम आने में विलंब हुआ। एक साल बाद रिजल्ट आया। तब साल 2021 के अंत में इनका परीक्षा परिणाम घोषित हुआ और इनकी नियुक्ति की गई थी। चूंकि शासन का नियम है कि नव नियुक्त अधीकारी कर्मचारियों को तीन साल की परिवीक्षा (प्रोवेशन पीरियड) निकलना होगा। कृषि विभाग में यह समय निकल चुका है, लेकिन अभी तक इनकी परिवीक्षा अवधि को समाप्त नहीं किया जा सका है। इस कारण तीन साल का प्रोवेशनर पीरियड पूर्ण होने के बाद परिवीक्षा समाप्त नहीं होने से इन अधिकारी कर्मचारियों की सभी सुविधाएं थम गई हैं। परिवीक्षा टर्म खत्म नही होने के कारण इनकी वेतन वृद्धि पर विराम लग गया है। प्रदेश में कर्मचारियों को केन्द्रीय तिथियों में महंगाई भत्ता मिल रहा है। लेकिन यहां पर तीन साल की सेवा नूरी कर चुके अधिकारी कर्मचारी डीए से लेकर अवकाश नगदीकरण, उपादान, बीमा क्लेम सहित अन्य सुविधाओं वंचित है।

डीपीसी में नहीं पहुंचा प्रस्ताव

शासन के नियम अनुसार विभागों में हर तीन माह में संभागीय पदोन्नति समिति की बैठक (डिवीजनल डीपीसी) होना अनिवार्य है। कृषि विभाग में भी प्रत्येक तीन माह में यह बैठकें संभागीय स्तरों पर कराई जा रही है। इन बैठकों में ही इनकी सीआर पहुंचना थी। अगर गोपनीय चरित्रावली सही है तो डीपीसी के अनुमोदन उपरांत इनकी परिवीक्षा समाप्त मानी जानी थी। विभाग से अभी तक इस संबंध में कोई आदेश जारी नहीं होने के कारण डीपीसी की बैठकों में इस प्रपोजल की प्रतीक्षा की जा रही है। जबकि भोपाल से लेकर रीवा, जबलपुर, सागर, इंदौर, नर्मदापुरम जैसे संभागों में नव नियुक्त अधिकारी कर्मचारी अपनी बात विभाग तक पहुंचा चुके हैं। परिवीक्षा सहित अन्य समस्याओं को लेकर इन अधिकारी-कर्मचारियों ने विभाग मंत्री एंदल सिंह कंसाना से मुलाकात की है। मंत्री को बताया गया है कि तीन साल के प्रोवेशनर पीरियड को खत्म करने पर विभाग ने कोई विचार नहीं किया है। पड़ोसी छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों में कृषि विस्तार अधिकारियों को 2800 ग्रेड-पे मिल रहा है, लेकिन मप्र में 2400 दिया जा रहा है।

संबल योजना जीवन का बड़ा सहारा, कठिन दौर में मदद है

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को श्रमिक परिवारों को बड़ी सौगात दी। उन्होंने सिंगल क्लिक के जरिए संबल योजना की 175 करोड़ की राशि ट्रांसफर की। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह सहायता राशि नहीं, कठिन दौर में मदद है। संबल योजना सच्चे अर्थों में हमारे जीवन का एक बड़ा सहारा है। सीएम डॉ मोहन यादव ने मंगलवार को श्रमिक परिवारों के खातों में संबल योजना की राशि ट्रांसफर की। उन्होंने सिंगल क्लिक के माध्यम से 175 करोड़ रुपए खातों में भेजा। इस दौरान उन्होंने कहा कि दूसरों की सहायता करने के मामले में संबल योजना, श्रम विभाग की अद्वितीय योजना हैं। 2018 से अभी तक कुल 60 हजार 866 प्रकरण में 7000 करोड़ से ज्यादा की राशि दी जा चुकी है। प्रदेश में 1 करोड़ 77 लाख से अधिक पंजीकृत श्रमिक है और पंजीयन की प्रक्रिया भी लगातार जारी है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि आज 7953 हितग्राहियों के खाते में संबल योजना के माध्यम से 175 करोड़ राशि पहुंची है। आज के दौर में जब दुनिया के सामने भारत ने अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत की, यह हम सबके लिए प्रेरणादायी है। संबल योजना के अंतर्गत रजिस्टर्ड श्रमिक को आंशिक रूप से विकलांग होने पर 1 लाख, स्थाई विकलांगता पर 2 लाख, दुर्घटना में मृत्यु पर 4 लाख और सामान्य मृत्यु पर भी 2 लाख रुपए और अंत्येष्टि के लिए 5000 की राशि दी जाती है।

दशहरे के बाद होगी कलेक्टर-कमिश्नर की कांफ्रेंस

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव दशहरे के बाद प्रदेश के सभी जिलों के कलेक्टर, एसपी, आईजी और कमिश्नरों के साथ एक कॉन्फ्रेंस करेंगे। मोहन सरकार में यह पहली कलेक्टर-कमिश्नर, एसपी-आईजी कॉन्फ्रेंस होगी। मुख्य सचिव अनुराग जैन के कार्यकाल के विस्तार के बाद होने वाली इस कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस में विजय 2047 डॉक्यूमेंट के साथ आगामी तीन सालों की कार्ययोजना पर सरकार का फोकस रहेगा। अधिकारियों को तीन सालों की प्राथमिकता वाले कार्यों और परियोजनाओं की जानकारी देकर उन पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए जाएंगे।

पहले यह कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस इसी महीने 19 और 20 सितंबर को प्रस्तावित थी, लेकिन नवरात्रि पर्व की तैयारियों और कानून व्यवस्था की स्थिति को ध्यान में रखते हुए इसे अब 2 अक्टूबर (दशहरे के बाद) आयोजित करने का निर्णय मुख्यमंत्री ने लिया है। कैबिनेट बैठक से पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दशहरे के बाद भोपाल में दो दिवसीय कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस आयोजित की जाएगी। यह कॉन्फ्रेंस फिजिकल रूप से आयोजित की जाएगी, जिसमें कलेक्टर, एसपी, कमिश्नर, आईजी और पुलिस कमिश्नर शामिल होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी मंत्रियों को निर्देश दिए हैं कि वे कॉन्फ्रेंस से पहले अपने-अपने विभागों की विस्तृत समीक्षा करें, ताकि जिन क्षेत्रों में प्रदर्शन कमजोर है, वहां सुधार लाया जा सके। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि कॉन्फ्रेंस में आगामी वर्षों की कार्ययोजना और विजन डॉक्यूमेंट पर भी चर्चा की जाएगी।

कलेक्टरों की रैंकिंग भी होगी सार्वजनिक

मोहन सरकार ने दो माह पूर्व कलेक्टरों के कामकाज की रैंकिंग करने का निर्णय लिया था, जिस पर एमपीएसईडीसी कार्य कर रहा है। इसके लिए पैरामीटर्स तय किए गए थे, जिनमें कुछ बदलाव करते हुए रिपोर्ट तैयार की जा रही है। अक्टूबर में होने वाली कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस में कलेक्टरों की परफॉर्मेंस रिपोर्ट भी प्रस्तुत की जाएगी। अतः कलेक्टरों को शासन के प्राथमिकता वाले पैरामीटर्स पर फोकस कर कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं।

स्वदेशी से समृद्धि के संकल्प के साथ दीपावली

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कैबिनेट बैठक से पूर्व अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के अपने उद्बोधन में कहा था कि देश को शीघ्र ही एक बड़ा तोहफा मिलेगा। नई पीढ़ी के जीएसटी सुधार किसानों, एमएसएमई, मध्यम वर्ग, महिलाओं और युवाओं के जीवन को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में उठाया गया कदम है। यह आम आदमी के जीवन को सुविधा और समृद्धि देने वाले उपहार हैं। इस बार दीपावली स्वदेशी से समृद्धि के संकल्प के साथ मनाई जाएगी। स्वदेशी से आत्मनिर्भरता के दीप हर घर में प्रज्वलित होंगे।

किसान और निजी व्यक्ति भी बना सकेंगे टाउनशिप

भोपाल। मध्य प्रदेश में अब शहरों के आसपास किसान, किसानों के समूह या निजी व्यक्ति लैंड पुलिंग करके टाउनशिप बना सकेंगे। ग्रीन बेल्ट जैसे जैसे प्रविधानों से छूट मिलेगी। कुल क्षेत्र के 15 प्रतिशत क्षेत्र में ईडब्ल्यूएस, एलआईजी आवास बनाने होंगे। इसके लिए भूमि दिलाने के लिए डेवलपर या विकासकर्ता विकास प्राधिकरण या अन्य एजेंसियों से अनुरोध कर सकेंगे। वह आपसी सहमति के आधार पर भूमि दिलाने में भूमिका निभाएगी।

अगर परियोजना क्षेत्र में सरकारी भूमि आती है तो अधिकतम 8 हेक्टेयर सीमा की छूट दी जा सकेगी। इसमें लैंड पुलिंग का प्रविधान रखा गया है। नियम सरल बनाए गए हैं। यह प्रविधान विकास प्राधिकरण सहित अन्य हाउसिंग प्रोजेक्ट करने वाली एजेंसियों के लिए भी लागू होंगे। मध्य प्रदेश नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने मध्य प्रदेश एकीकृत टाउनशिप नीति-2025 के नियम जारी कर दिए हैं। एकीकृत टाउनशिप नीति के तहत किसान के साथ मिलकर टाउनशिप बनाने के लिए सरकार प्रोत्साहित करेगी। महाराष्ट्र और गुजरात में यह व्यवस्था पहले से है। बता दें कि अभी तक बिल्डर और कालोनाइजर टाउनशिप का विकास करते थे। नए नियम जारी होने से अब कोई भी या व्यक्तियों का समूह किसान के साथ मिलकर टाउनशिप बना सकेगा।

एकीकृत टाउनशिप नीति में शहरों का होगा नियोजित विकास

एकीकृत टाउनशिप नीति के तहत स्थानीय निकाय सीमा या योजना क्षेत्र के भीतर पांच लाख से कम आबादी वाले शहरों के लिए भूमि की न्यूनतम अर्हता 10 हेक्टेयर और पांच लाख से अधिक आबादी वाले शहरों के लिए भूमि की न्यूनतम अर्हता 20 आवश्यक होगी तथा मार्ग चौड़ाई 24.0 मीटर से कम न हो। 40 हेक्टेयर और उससे अधिक क्षेत्र वाले बड़ी टाउनशिप के लिए मार्ग की न्यूनतम चौड़ाई 30.0 मीटर आवश्यक होगी। कुल क्षेत्र के 15 प्रतिशत क्षेत्र में ईडब्ल्यूएस, एलआइजी आवास बनाने होंगे। किफायती आवास बनाने पर अलग से अनुदान मिलेगा। लैंड पूलिंग के माध्यम से सार्वजनिक और निजी भागीदारी को प्रोत्साहित किया जाएगा। जिले की साधिकार समिति कलेक्टर की अध्यक्षता में बनाकर अनुमति देंगे। वहीं प्रदेश स्तर पर प्रमुख सचिव की अध्यक्षता में समिति बनाएंगे। आवेदन करने पर 60 दिन के अंदर अनुमति देनी होगी।

मप्र प्रमोशन आरक्षण विवाद: नई पॉलिसी पर रोक जारी !

हाईकोर्ट में 16 सितंबर को होगी बड़ी सुनवाई

भोपाल/जबलपुर। मध्य प्रदेश में प्रमोशन में आरक्षण मामले पर हाईकोर्ट में सुनवाई जारी है। राज्य सरकार ने हाई कोर्ट में मंगलवार को जवाब पेश किया है। इसमें पुरानी और नई प्रमोशन पॉलिसी के बीच अंतर बताया है। वहीं, याचिकाकर्ताओं ने अधूरा जवाब पेश करने का आरोप लगाया है।

याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाते हुए कहा है कि इसमें क्रीमी लेयर, क्वांटिफायबल डेटा पर जवाब नहीं है। हाईकोर्ट ने इस मामले पर अगली सुनवाई एक हफ्ते बाद तय की है। ऐसे में अब 16 सितंबर को एमपी प्रमोशन में आरक्षण मामले में अंतरिम राहत पर हाईकोर्ट सुनवाई करेगी।

नई प्रमोशन पॉलिसी लागू नहीं करने का वादा

बता दें कि राज्य सरकार ने कोर्ट के अंतरिम राहत की मांग की है। साथ ही नई प्रमोशन पॉलिसी लागू करने की इजाजत भी मांगी है। इस मामले पर सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से एक अंडरटेकिंग ली है, जिसके तहत नई पॉलिसी का क्रियान्वयन रुका हुआ है। आसान भाषा में कहे तो सरकार ने नई प्रमोशन पॉलिसी को तब तक लागू नहीं करने का वादा किया है जब तक कोर्ट से इस मामले में को अंतिम फैसला नहीं आ जाता।

मप्र कांग्रेस के पॉवर सेंटर्स को चार्ज करने का प्लान

पचमढ़ी में होगी जिलाध्यक्षों की ट्रेनिंग

भोपाल। देश भर में कांग्रेस की कमजोर नब्ज को थामकर संगठन सृजन अभियान के साथ पार्टी को मजबूत करने में जुटे राहुल गांधी का अब ट्रेनिंग पर जोर है। मप्र में विधायकों की ट्रेनिंग हो चुकी है। अब निगाह 71 जिलों में बनाए गए अध्यक्षों पर है। मप्र समेत वो राज्य जहां किलेदार बने नेताओं ने अपने-अपने हिस्से की कांग्रेस खड़ी कर ली थी। ऐसे राज्यों में पार्टी नेताओं की नाक के नीचे से कार्यकर्ताओं को निकाला जाएगा और संगठन के साए में खड़ा किया जाएगा।

कांग्रेस में पॉवर सेंटर बनाए गए जिलाध्यक्षों को मंडल बूथ से लेकर प्रदेश तक पार्टी को कैसे चार्ज रखें ये ट्रेनिंग देने की तैयारी है। और माना जा रहा है दिग्गज कांग्रेसियों की जमीन रहे मप्र से पार्टी इन ट्रेनिंग कैम्प की शुरुआत कर सकती है। राहुल गांधी के संगठन सृजन अभियान में कई महीनों की कवायद से जो जिलाध्यक्ष चुने गए हैं। ये जिलाध्यक्ष पार्टी का पॉवर सेंटर हैं। कांग्रेस के मजबूत संगठन के लिए अब इन्ही पॉवर सेंटर्स को चार्ज किए जाने की कवायद शुरु हो रही है।

पचमढ़ी में होगा 10 दिन का कैंप

जानकारी के मुताबिक माण्डू में हुए विधायकों के प्रशिक्षण वर्ग के बाद अब कांग्रेस पचमढ़ी में जिलाध्यक्षों का ट्रैनिंग कैंप लगाने जा रही है। ये कैंप 10 दिन का रहेगा। इस आवासीय कैंप में प्रदेश भर के कांग्रेस के जिलाध्यक्षों की 360 डिग्री पर ट्रेनिंग होगी। जानकारी के मुताबिक सितम्बर माह के आखिर में पचमढ़ी में ये ट्रेनिंग कैंप आयोजित किया जाना है। इसमें वर्चुअली राहुल गांधी भी जुड़ सकते हैं। कोशिश ये होगी कि जिलाध्यक्ष को धुरी बनाकर पूरी कांग्रेस को बूथ स्तर से दोबारा खड़ा किया जाए। संगठन के सृजन की सबसे महत्वपूर्ण इकाई बनाए गए जिलाध्यक्षों को इस कैंप में उनकी ताकत बताने के साथ कैसे कार्यकर्ताओं को जोडऩा है पार्टी को मजबूत करना है अलग अलग सत्र और विषय के साथ प्रशिक्षण दिया जाएगा। जानकारी के मुताबिक अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ही ये कैंप आयोजित करेगी। जिसमें जिलाध्यक्षों का कार्यकर्ताओं से संवाद, आचार व्यवहार की ट्रेनिंग दी जाएगी।

ट्रेनिंग में होगा हर विषय शामिल

जिसमें संगठन की मजबूती के साथ बूथ की ताकत और कार्यकर्ताओं से व्यवहार हर विषय को क्लास का हिस्सा बनाया जाएगा। सोशल मीडिया के इस्तेमाल की ट्रेनिंग के अलावा कार्यकर्ताओं को जोड़े रखने उनसे कैसा बर्ताव हो। कार्यकर्ता से लेकर पार्टी के दिग्गज नेताओं तक समन्वय कैसे बिठाना है ये भी ट्रेनिंग का हिस्सा होगा। राहुल गांधी ने संगठन सृजन अभियान की शुरुआत में ही ये साफ कर दिया था कि जिलाध्यक्ष ही अब कांग्रेस की सबसे मजबूत कड़ी होंगे। जिले की गतिविधियों के अलावा भी एआईसीसी का एक मात्र संपर्क सूत्र भी उन्हें बनाया गया है। जो सीधे अखिल भारतीय कांग्रेस से संवाद कर सकेंगे। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी का कहना है कि राहुल गांधी पहले ही ये स्पष्ट कर चुके हैं कि जिलाध्यक्षों की भूमिका अब पार्टी में सबसे अहम रहेगी। चुनाव में दावेदारों के चयन प्रक्रिया में भी इनकी भूमिका रहेगी। इनके माध्यम से ही पार्टी में समन्वय होगा।

जिले से लेकर बूथ तक चलेंगे ट्रेनिंग प्रोग्राम

कांग्रेस मप्र जैसे राज्य में बीजेपी के मजबूत संगठन से ही मात खाती रही है। लिहाजा पार्टी अब बूथ स्तर तक कांग्रेस के कार्यकर्ता की फौज खड़ी करने के साथ उन्हें चुनाव से पहले ट्रेंड करेगी।

भारतीय टीम आज यूएई के खिलाफ बड़ी जीत के इरादे से उतरेगी

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार को यहां एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट के पहले ही मैच में संयुक्त अरब अमीरात (युएई) के खिलाफ बड़ी जीत से शुरुआत करना चाहेगी। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में उतर रही भारतीय टीम इस मैच में एक से अधिक ऑलराउंडरों के साथ उतर सकती है। यहां की पिच से स्पिनरों को सहायता की उम्मीद को देखते हुए दो से तीन स्पिनर उतार सकती है। मुख्य कोच गौतम गंभीर के आने के बाद से ही बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनो को ही मजबूत करने के लिए ऑलराउंडरों को प्राथमिकता दी जा रही है। इससे टीम के पास निचले क्रम में भी अच्छे बल्लेबाज उतर रहे हैं। भारतीय टीम यूएई के खिलाफ सही संयोजन उतार कर रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मैच के लिए अच्छी लय हासिल करना चाहेगी। भारतीय टीम के सामने यूएई काफी कमजोर है ऐसे में टीम प्रबंधन इस मैच में नये प्रयोग भी कर सकता है। वहीं दूसरी ओर यूएई के खिलाड़ियों को इस मैच से अच्छा अनुभव हासिल होगा। उसवके खिलाड़ियों के लिए ये बड़ा अवसर होगा। उसके बल्लेबाजों के लिए जसप्रीत बुमराह जैसे तेज गेंदबाज का

सामना करना और मजबूत भारतीय बल्लेबाजी क्रम को गेंदबाजी करना बड़ी उपलब्धि होगी। इस मैच में भारतीय टीम के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज की भूमिका जितेश शर्मा को मिलना तय नजर आ रहा है। ऐसे में संजू सैमसन को बाहर बैठना होगा। जितेश को अच्छे फिनिशर होने से भी प्राथमिकता मिलेगी। पारी की शुरुआत शुभमन गिल और आभिषेक शर्मा करेंगे।

शीर्ष क्रम में उपकप्तान के तौर पर शुभमन की वापसी के बाद से ही सैमसन को जगह मिलना कठिन नजर आ रहा था। वहीं नंबर तीन पर तिलक वर्मा ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है और वह इसी नंबर पर उतरेंगे। कप्तान सूर्यकुमार यादव तीसरे या चौथे स्थान पर बल्लेबाजी के लिए उतर सकते हैं। इसके बाद ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या उतरेंगे। वह एक बेहतरीन तेज गेंदबाज होने के साथ ही अच्छे बल्लेबाज भी हैं। इसके अलावा ऑलराउंडर शिवम दुबे को भी धीमी पिच होने से अवसर मिल सकता है।

नंबर 7 पर विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश उतरेंगे जबकि आठवें नंबर पर स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल उतरेंगे। वह अच्छे स्पिनर होने के साथ ही बेहतरीन बल्लेबाज भी हैं। बुमराह के अलावा बाएं हाथ के टी20 गेंदबाज अर्शदीप सिंह को भी इस मैच में अवसर मिलने जा रहा है। इस मैच में भारतीय टीम स्पिनर के तौर पर

अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती में से दो को उतार सकता है। अगर टीम प्रबंधन अक्षर के साथ अन्य स्पिनर को अंतिम एकादश में रखता है तो उसके पास कुलदीप और वरुण के रूप में दो अच्छे विकल्प हैं। यूएई के लिए यह टूर्नामेंट अपना कौशल दिखाने का एक बेहतरीन अवसर है। वहीं दूसरी ओर मुहम्मद वसीम की कप्तानी वाली यूएई की टीम इस मैच में अपनी ओर से बेहतर प्रदर्शन का प्रयास करेंगी। यूएई की टीम में भारतीय मूल कई खिलाड़ी भी है जो इस मैच में बेहतर प्रदर्शन कर अपनों को साबित करना चाहेंगे। उसके पास अर्यांश शर्मा जैसा खिलाडी है जिससे भारतीय टीम को विशेष रुप से सावधान रहना होगा। अर्यांश एक अच्छा बल्लेबाज और गेंदबाज है।

दोनो ही टीमों के संभावित अंतिम 11 खिलाड़ी -

भारत – अभिषेक शर्मा, शुबमन गिल (वीसी), तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव, अक्षर पटेल, हार्दिक पंड्या, संजू सैमसन/जितेश शर्मा, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवती, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह

यूएई– मुहम्मद वसीम (कप्तान), अलीशान शराफू, अर्यांश शर्मा, आसिफ खान, ध्रुव पराशर, एथन डिसूजा, हैदर अली, हर्षित कौशिक, जुनैद सिद्दीकी, मतीउल्लाह खान, मुहम्मद फारूक, मुहम्मद जवादुल्लाह, मुहम्मद जोहैब, राहुल चोपड़ा, रोहिद खान, सिमरनजीत सिंह, सगीर खान।

स्टोक्स अभ्यास के लिए मैदान में उतरे, एशेज से पहले हुई वापसी से टीम को मिली राहत

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स कंधे की चोट से उबरने के बाद अब अभ्यास के लिए मैदान पर वापस आ गये हैं। स्टोक्स की एशेज से पहले वापसी से इंग्लैंड टीम प्रबंधन को राहत मिली है। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज सीरीज 21 नवंबर से 8 जनवरी के बीच खेलेंगी। पहले कहा जा रहा था कि स्टोक्स की वापसी मुश्किल होगी पर इस क्रिकेटर ने समय से पहले ही फिटनेस हासिल कर ली है। काउंटी टीम डरहम के साथ नेट्स में अभ्यास कर अपनी फिटनेस को लेकर सभी आशंकाओं को खारिज कर दिया।

डरहम के कोच रयान कैंपबेल ने कहा कि स्टोक्स ट्रेनिंग के दौरान नेट्स पर बल्लेबाजी के लिए उतरे। कैंपबेल ने कहा, स्टोक्स ट्रेनिंग पर वापस आ गए हैं। पिछले सप्ताह से उन्होंने बल्लेबाजी शुरू कर दी। उन्होंने करीब दो घंटे तक बल्लेबाजी की। उनकी बल्लेबाजी अच्छी नजर आ रही थी हालांकि उन्हें गेंदबाजी में अभी समय लगेगा। कैंपबेल के अनुसार इंग्लैंड की टीम एशेज तभी जीत सकती है, जब स्टोक्स पांचों टेस्ट मैच खेलते हुए अच्छा प्रदर्शन करें पर उन्हें नहीं लगता कि ऐसा हो पाएगा।

कैंपबेल ने कहा, स्टोक्स टीम की बल्लेबाजी लाइन-अप को बेहतर बनाते हैं। वह तीसरे या चौथे तेज गेंदबाज के तौर पर एक शानदार विकल्प हैं। वह कई ओवर गेंदबाजी करते हुए आपको विकेट दिला सकते हैं। जिस तरह से वह अपनी लय हासिल करने की कोशिश करते हैं, उसे देखकर मुझे हैरानी होती है। यही वजह है कि वह अब तक के सबसे अच्छे ऑलराउंडर में से एक हैं। यही वजह है कि वह एशेज खेलने के लिए लिए तैयार हैं। वह अपनी ओर से कोई पर उनके काम के बोझ के बीच ही सभी पांच टेस्ट खेलने की कम ही संभावना है।

गौरतलब है कि जुलाई में मैनचेस्टर में भारतीय टीम के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच के दौरान ही उनके कंधे में चोट लग गयी थी। उसके बाद से ही वह खेल से बाहर है।

एशिया कप में अधिक से अधिक रन बनाना चाहेंगे सूर्यकुमार – जाफर

मुम्बई। एशिया कप में भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव का प्रयास बेहतर प्रदर्शन करते हुए अधिक से अधिक रन बनाना रहेगा। इसका कारण है कि सूर्या कप्तानी संभालने के बाद से ही अधिक रन नहीं बना पाये हैं। कप्तान के तौर पर तो उनका रिकॉर्ड शानदार रहा है पर वह अपने नाम के अनुरुप बल्लेबाजी नहीं कर पाये हैं। पूर्व क्रिकेटर वसीम जाफर ने भी सूर्या के कम रन बनाने पर चिन्ता जतायी है।

एक रिपोर्ट के अनुसार टी20 कप्तान बनाये जाने से पहले उन्होंने 68 मैचों में 43.33 के शानदार औसत से 2340 रन बनाए थे। इस दौरान उन्होंने 4 शतक और 19 अर्धशतक भी लगाये और उनका स्ट्राइक रेट 167.74 का रहा। इस दौरान उन्होंने टी20 में 117 रन का अपना सबसे अधिक स्कोर भी बनाया।

वहीं कप्तानी मिलने के बाद उनकी बल्लेबाजी प्रभावित हुई है। 15 मैच में वह 18.42 की औसत से 258 रन ही बना पाये हैं। इस दौरान वे केवल 2 अर्धशतक ही बना पाये हैं और उनका सबसे अधिक स्कोर भी 75 रन रहा है। स्ट्राइक रेट में हालांकि कोई बदलाव नहीं आया और ये पहले की तरह ही 161.25 रन रहा है। वहीं उनकी कप्तानी में भारतीय टीम का प्रदर्शन शानदार रहा है और उसे 17 में से 12 मैचों में जीत मिली और केवल 4 मैचों में ही हार का सामना करना पड़ा। वहीं एक मैच टाई रहा।

पूर्व क्रिकेटर जाफर ने कहा, सूर्यकुमार का रन न बनना चिंता की बात है। उन्होंने जो पिछले कुछ अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, उनमें वह अच्छे शॉट भी नहीं लगा पाये।

उन्होंने हालांकि अपने खेल पर काफी ध्यान दिया है। इसलिए वह आईपीएल में अलग ही नजर आये। साथ ही कहा कि जब वह सभी दिशाओं में शॉट खेलते हैं तो गेंदबाजों के लिए अधिक विकल्प नहीं होते।

गेंदबाजी कोच मोर्केल बोले, गेंदबाजों पर फैसला पिच देखकर करेंगे, पूरी तरफ स्पिनरों के साथ नहीं जाएंगे

दुबई । दुबई की पिचों को स्पिनरों के अनुकूल माना जाता है। ऐसे में कहा जा रह है कि एशिया कप में वहां भारतीय टीम तीन स्पिनरों के साथ उतरेगी पर भारतीय टीम के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्केल ने इस दावे को गलत बताया है। मोर्केल का कहना है कि एशिया कप के लिए दुबई की पिचें चैंपियंस ट्रॉफी के समय की पिचों से अलग रहेंगी। ऐसे में भारतीय टीम पूरी तरह से स्पिन आक्रमण के साथ नहीं जाएगा। कौन से गेंदबाज उतरेंगे। इसका फैसला मैच से पहले किया जाएगा।

चैंपियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम चार विशेषज्ञ स्पिनरों को लेकर उतरी थी। तब वरुण चक्रवर्ती, अक्षर पटेल और रवींद्र जडेजा टीम की तरफ से खेलते नजर आए थे। वहीं इस बार टीम के पास कुलदीप यादव, के अलावा वरुण और अक्षर हैं। भारतीय टीम ने मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी और टीम के गेंदबाजी कोच ने कहा ये सितंबर महीना है दुबई की पिचें अधिक हरी और ताजगी से भरी हुई हैं।
.

मोर्केल ने कहा, हमें विकेट को देखना होगा। मुझे लगता है कि जब चैंपियंस ट्रॉफी खेली गई थी, उस समय यहां की पिच पर बहुत क्रिकेट खेला गया था। अभी के हालात अलग है। इसलिए देखने के बाद ही गेंदबाजों को लेकर अंतिम फैसला होगा। अभी की योजना के अनुसार हम सभी चीजों पर काम कर रहे हैं और मैच के दिन कोई फैसला लेंगे।गेंदबाजी कोच ने माना कि इंग्लैंड में अवसर नहीं मिलना कुलदीप के लिए यह कितना कठिन रहा है। मोर्केल ने कहा, मुझे लगता है कि वह एक बहुत ही पेशेवर एथलीट हैं। इंग्लैंड के बाद से उनका रवैया बदला है। यहां पर उन्होंने काफी ओवर गेंदबाजी की है।

चयन की उम्मीद के बाद भी अवसर नहीं मिलने पर होती है निराशा –श्रेयस अय्यर

मुम्बई। बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने एशिया कप के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं मिलने पर पहली बार अपनी बात रखी है। श्रेयस ने कहा कि अगर चयन की उम्मीद हो और फिर भी अवसर नहीं मिले तो निराशा होती ही है पर कहा कि हमें अपनी टीम की भलाई के लिए काम करते रहना चाहिए। अय्यर ने कहा कि हर खिलाड़ी को अपने को बेहतर बनाने के प्रयास करते रहना चाहिये। वहीं ये भी समझना होगा कि अगर चुने गए खिलाड़ी टीम के लिए लगातार अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहे हैं, तो उनका खेलना ही ठीक रहता है।

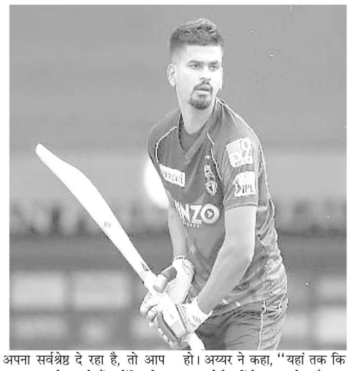

श्रेयस को इस महीने के अंत में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ होने वाले दो अनौपचारिक चार-दिवसीय टेस्ट मैचों के लिए भारत ए का कप्तान बनाया गया है। अय्यर ने कहा, "यह तब निराशाजनक होता है जब आप जानते हैं कि आप टीम की अंतिम एकादश में जगह पाने के अधिकारी है।" उन्होंने कहा, " इसके साथ ही जब आप जानते हैं कि कोई टीम के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और अपना सर्वश्रेष्ठ दे रहा है, तो आप उनका समर्थन करते हैं क्योंकि टीम का लक्ष्य जीत हासिल करना है।" आपको मौका नहीं मिलता है तो आपको यह देखना होगा कि आप अपना काम बेहतर तरीके से करते रहें। ऐसा नहीं है कि आपको तभी प्रदर्शन करना है जब कोई देख रहा हो। अय्यर ने कहा, "यहां तक कि जब कोई नहीं देख रहा होता है, तब भी आपको अपना काम करते रहना होगा। यही ईमानदारी है।"

अय्यर ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में मिली जीत के अहसास को सबसे बेहतर बताया है।

टेनिस इतिहास में 9 सितंबर के ही दिन बने थे तीन रिकार्ड

न्यूयार्क। अमेरिकी ओपन के इतिहास में 9 सितंबर का दिन विशेष रहा है। तीन अलग-अलग वर्षों में इसी दिन नये रिकार्ड बने हैं।

अमेरिकी की वीनस विलियम्स ने 9 सितंबर 2001 के दिन अपनी छोटी बहन सेरेना विलियम्स को हराकर खिताब जीता था। ये पहली बार था जब दो अश्वेत बहनें अमेरिकी ओपन के फाइनल में मुकाबला कर रहीं थीं। इसमें वीनस ने 6-2, 6-4 से जीत दर्ज की। दो बार यूएस ओपन खिताब जीतने वाली वीनस ने कुल सात ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीते

वहीं 09 सितंबर साल 1999 में मे भारत के महेश भूपति- और उनकी जापानी जोड़ीदार आर्क सुगियामा ने अमेरिकी ओपन खिताब जीता था। भूपति और सुगियामा की जोड़ी ने इसका मिश्रित युगल खिताब जीता था। फाइनल मैच में भूपति-सुगियामा ने किम्बर्ली पो और डोनाल्ड जॉनसन की अमेरिकी जोड़ी को 6-4, 6-4 से हराया था।

इससे पहले महेश भूपति ने साल 1997 में फ्रेंच ओपन में भारत की ओर से पहला ग्रैंड स्लैम जीत जीता था। इसके बाद भूपति यूएस ओपन जीतने वाले भी पहले भारतीय बने।

वहीं साल 2002 में 9 सितंबर के दिन ही पीट सम्प्रास ने अमेरिकी ओपन जीता था। सम्प्रास ने आंद्रे अगासी को 6-3, 6-4, 5-7, 6-4 से हराकर पुरुष एकल खिताब जीता। यह सम्प्रास का पांचवां यूएस ओपन खिताब था।

पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शिनवारी ने संन्यास लिया

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज उस्मान शिनवारी ने अंतरराष्ट्रीय करियर से संन्यास की घोषणा कर दी है। शिनवारी ने छह साल के अपने करियर में 34 मैच खेले हैं। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार इस क्रिकेटर ने अंतिम बार साल 2019 में खेला था। इस तेज गेंदबाज ने साल 2013 में श्रीलंका के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में पदार्पण के बाद से ही श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय और टेस्ट डेब्यू भी किया। इस गेंदबाज ने 17 एकदिवसीय और 16 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 34 और 13 विकेट लिए हैं। टेस्ट क्रिकेट में उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन दिसंबर 2019 में श्रीलंका के खिलाफ रहा था। जो पाकिस्तान के लिए उनका आखिरी मैच भी साबित हुआ। तब शिनवारी ने अपने दूसरे एकदिवसीय मैच में शारजाह में श्रीलंका के खिलाफ 5 विकेट लिए थे। वहीं साल 2019 में हुए एकदिवसीय मैच में श्रीलंका के खिलाफ 5 विकेट लिए थे।

पंजाब किंग्स टीम में मेरा अपमान हुआ – गेल

जमैका। वेस्टइंडीज के पूर्व सलामी बल्लेबाज और क्रिस गेल ने काफी समय तक भारत में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेला है। गेल का करार साल 2021 में पंजाब किंग्स से टूट गया था। उसके बाद से ही वह आईपीएल से बाहर है। गेल ने पहले कहा था कि उन्होंने आराम करने के लिए पंजाब किंग्स को छोड़ा था पर अब उन्होंने कहा है कि टीम में उनका अपमान हुआ था। इसी कारण उन्होंने उसे छोड़ा था।

गेल ने कहा, मेरा आईपीएल करियर समय से पहले ही समाप्त हो गया। इसका कारण था कि एक वरिष्ठ खिलाड़ी होने के बाद भी मेरे साथ ठीक से व्यवहार नहीं हुआ था। साथ ही कहा कि लीग के लिए इतना कुछ करने के बाद भी मेरी उपेक्षा हुई। यह मेरे जीवन में पहली बार था जब मैंने अवसाद की स्थिति महसूस की। इसलिए जब लोग अवसाद के बारे में बात करते हैं तो मुझे इसका थोड़ा सा आभास हो जाता है और यह मेरे लिए नहीं था।

गेल ने याद करते हुए कहा, माना जाता है कि खेलने के लिए पैसा मिल रहा है पर आपका मानसिक स्वास्थ्य पैसे से ज्यादा महत्वपूर्ण है। मैंने कोच रहे अनिल कुंबले से भी बात की थी और कहा कि मैं जा रहा हूं क्योंकि उसी समय मेरे सामने विश्व कप भी था। आईपीएल में गेल के नाम सबसे ज्यादा टी20 शतक और सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड है। उन्होंने 463 मैचों में 36.22 की औसत से 14,562 रन बनाए हैं जिनमें 22 शतक और 88 अर्धशतक शामिल हैं। उनके पूर्व साथी पोलार्ड (14,145 रन) और इंग्लैंड के पूर्व सलामी बल्लेबाज एलेक्स हेल्स (14,047 रन) भी उनसे ज्यादा पीछे नहीं हैं।

सैमसन को अभ्यास के लिए भी नहीं बुलाया गया

दुबई। भारतीय टीम बुधवार को यूएई के खिलाफ मुकाबले से एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में अपना अभियान शुरु करेगी। इस मैच में विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को अवसर मिलने की संभावनाएं नहीं हैं। उनकी जगह पर जितेश शर्मा का उतरना तय माना जा रहा है। इसके संकेत अभ्यास सत्र से मिले हैं। सैमसन मैदान पर सबसे पहले पहुंचे पर उन्हें अभ्यास के लिए बुलाया नहीं गया।

रिपोर्ट के अनुसार, जब वह फील्डिंग का अभ्यास कर रहे थे तब मुख्य कोच गौतम गंभीर उनके पास पहुंचे और तीन मिनट तक उनसे बात करते रहे। ऐसा लग रहा था कि विकेटकीपिंग से ज्यादा वह उनकी बल्लेबाजी के बारे में बातें कर रहे थे। वहीं जितेश क्लब हाउस से बाहर निकलने के बाद उत्साहित दिख रहे थे। उन्होंने शिवम दुबे, तिलक वर्मा और हार्दिक पंड्या के साथ बल्लेबाजी का अभ्यास किया। वहीं उस समय सैमसन ड्रेसिंग रूम क्लब हाउस के पास पेड़ के पीछे बैठकर उन्हें देखते रहे।

उपकप्तान शुभमन गिल, कप्तान सूर्यकुमार यादव, अभिषेक शर्मा ने काफी अभ्यास किया पर सैमसन को नहीं बुलाया गया। बाद में वह नेट्स के पास आए लेकिन बल्लेबाजी नहीं की और आइस बॉक्स पर बैठे रहे। अंत में. जब सभी ने अभ्यास कर लिया तब सैमसन नेट्स पर पहुंचे। माना जा रहा है कि गंभीर का ध्यान बल्लेबाजी ऑलराउंडरों पर हैं और इसमें अभी जितेश फिट बैठते हैं क्योंकि वह फिनिशर के तौर पर उतर सकते हैं। वैसे भी शुभमन गिल को टीम में जगह मिलते ही ये तय हो गया था कि सैमसन के हाथ से पारी की शुरुआत का अवसर निकल गया है।

धोनी के कारण मुझे अलग-अगल भूमिकाएं तलाशनी पड़ीं - कार्तिक

मुम्बई। पूर्व भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने कहा है कि महेन्द्र सिंह धोनी के आने के बाद से ही उनके लिए टीम में जगह बनाना कठिन हो गया। इसी कारण उन्हें अलग-अलग भूमिकाओं में उतरना पड़ा। कार्तिक ने साल 2004 में धोनी से तीन माह पहले भारतीय टीम की ओर से पदार्पण किया था पर शुरुआती कुछ मैचों के बाद ही धोनी के टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में अपनी जगह बना ली। जिससे उनके लिए जगह हासिल करना कठिन हो गया था।

हाल ही में एक कार्यक्रम में कार्तिक ने पुरानी बातों को याद कर कहा कि धोनी ने अपने करियर की शुरुआत में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सभी को प्रभावित किया था। कार्तिक ने कहा, मैंने उन्हें ज्यादा खेलते नहीं देखा था पर केन्या में उस ए सीरीज के दौरान, हर कोई एक खिलाड़ी की चर्चा कर रहा था, क्योंकि वह कुछ नया लेकर आया था। जिस ताकत से वह गेंद को मारता था, लोगों का कहना था कि उन्होंने ऐसा पहले कभी नहीं देखा था। कुछ तो उनकी तुलना गैरी सोबर्स से भी कर रहे थे, जो अपने लंबे छक्कों के लिए जाने जाते थे। तब धोनी की तकनीक बिल्कुल अलग थी और वह गेंद को इतनी जोर से मार रहे थे जितना लोगों ने पहले कभी नहीं देखा था। उस समय यही चर्चा थी।

कार्तिक ने कहा, उस समय भारत राहुल द्रविड़ को विकेटकीपर के विकल्प के रूप में इस्तेमाल कर रहा था। लेकिन द्रविड़ ने बाद में ये भूमिका निभाने से इंकार कर दिया था। उन्होंने कहा, मैं केवल अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान देना चाहता हूं। विकेटकीपिंग करने में मेरा शरीर बहुत मेहनत कर रहा है। इसलिए टीम ने एक अच्छे विकेटकीपर की तलाश शुरू कर दी। इसी दौरान मुझे विकेटकीपिंग का अवसर मिला पर धोनी के आने के बाद हालात बदल गये। इसके बाद मुख्य विकेटकीपर की जिम्मेदारी उन्हें मिलने लगी। जब वह आए, तो उन्होंने सभी को पूरी तरह से प्रभावित कर दिया। बहुत जल्द, वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी छा गये थे।

इस क्रिकेटर ने कहा, जब ऐसा कोई खिलाड़ी सामने आता है, तो आपको स्वयं से पूछना चाहिए कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ रूप सामने लाने के लिए क्या कर सकता हूं? इसलिए मैं अलग-अलग भूमिका में आने लगा। कहीं शुरुआती बल्लेबाज की जगह होती तो मैं उसके लिए पहुंच जाता था। इसी तरह मध्य क्रम में कोई जगह खाली होती, तो मैं वहाँ बल्लेबाजी करने का अनुरोध करता और हमेशा टीम में जगह बनाने के तरीके तलाशता रहा पर मेरे लिए उस जगह को बचाए रखना आसान नहीं था। मैं खुद पर इतना दबाव डालता था कि कई बार, मैं उस जगह के साथ न्याय नहीं कर पाता था जिसकी वास्तव में जरूरत थी।

उन्होंने आगे कहा, उस सफर में जो भी आपके सामने आए, उसके साथ तालमेल बिठाने का महत्व सीखा, लेकिन उससे भी ज्यादा जरूरी, दृढ़ संकल्प और लचीलेपन की जरूरत। मैंने लगातार ऐसे काम किए जो ज्यादातर खिलाड़ियों के लिए असहज थे, जैसे अपने करियर के आखिरी पांच सालों में छठे या सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करना। लेकिन मैंने उस भूमिका को अपनाया और उसमें सफलता पाने के लिए अपनी खूबियों का इस्तेमाल किया।

राष्ट्रीय रैंकिंग टेबल टेनिस – शीर्ष खिलाड़ियों को मिली कड़ी चुनौती

नई दिल्ली। त्यागराज स्टेडियम में चल रही दूसरी यूटीटी राष्ट्रीय रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप का तीसरा दिन रोमांच से भरपूर रहा, जहाँ शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों को कई कड़े मुकाबलों का सामना करना पड़ा। इस दिन कुछ अप्रत्याशित परिणाम देखने को मिले, जबकि कुछ खिलाड़ियों ने हार के कगार से वापस आकर जीत दर्ज की।

पुरुष एकल में गत चैंपियन मनुश शाह के हटने के बाद बंगाल के अंकुर भट्टाचार्य शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी बन गए हैं, जबकि अनुभवी जी. साथियान दूसरे स्थान पर हैं। 256 खिलाड़ियों के ड्रॉ में, शीर्ष 16 खिलाड़ियों को बाई दी गई है, जिससे उन्हें दूसरे दौर में अपने अभियान की शुरुआत करने से पहले तैयारी का मौका मिल गया है। वहीं, महिलाओं के वर्ग में दीया चितले अपनी शीर्ष वरीयता पर कायम हैं। वडोदरा की रजत पदक विजेता स्वस्तिका दूसरे और पूर्व राष्ट्रीय चैंपियन सुतीर्था मुखर्जी तीसरे स्थान पर हैं। आज के सबसे रोमांचक मुकाबलों में हरियाणा की श्रीदत्री रॉय ने एक कड़े पांच-गेम के मुकाबले में प्रिशा गोयल को हराया। वहीं, एफसीआई, दिल्ली की वंशिका मुद्गल ने 1-2 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए मेहर गर्ग को 11-5, 9-11, 7-11, 11-5, 11-9 के स्कोर से मात दी। हालांकि, कुछ वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों को हार का सामना भी करना पड़ा। छठी वरीयता प्राप्त दीया ब्रम्हचारी को सुकृति शर्मा ने सीधे गेम्स में 7-11, 16-18, 10-12 के स्कोर से हराकर दिन का सबसे बड़ा उलटफेर किया। अंडर-19 में चौथी वरीयता प्राप्त जेनिफर वर्गीस ने शुरुआती दो गेम हारने के बाद शानदार वापसी कर जीत हासिल की। सातवीं वरीयता प्राप्त अनन्या मुरलीधरन ने भी पहले गेम में हारने के बाद राधिका सोनी (राजस्थान) को 11-6, 11-9, 11-13, 11-5 के स्कोर से हराया।

नेपाल के हर पल बिगड़ते हालात के बीच भारतीयों के लिए एडवाइजरी जारी

भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा, करीबी नजर बनाए हुए

नई दिल्ली। नेपाल में ओली सरकार के खिलाफ युवाओं का आक्रोश थम नहीं रहा है। हिंसक प्रदर्शन के बीच अब तक ओली सरकार के 5 मंत्री इस्तीफा दे चुके हैं। ओली सरकार में गृह मंत्री रमेश लेखक, कृषि मंत्री रामनाथ अधिकारी, स्वास्थ्य मंत्री प्रदीप पौडेल, जल संसाधन मंत्री प्रदीप यादव ने इस्तीफा दे दिया है। हालांकि, प्रदर्शनकारियों की मांग के आगे झुककर ओली सरकार ने सोशल मीडिया के कई अहम प्लेटफॉर्म से प्रतिबंध हटाने का ऐलान भी किया है, लेकिन प्रदर्शनकारी सड़कों से हटने को तैयार नहीं हैं।

वहीं हर पल बिगाड़ते नेपाल के हालात के बीच भारतीय विदेश मंत्रालय (एमईए) ने नेपाल में भारतीयों के लिए एडवाइजरी जारी की है। एमईए ने नेपाल में मौजूद भारतीयों को सतर्क रहने, अनावश्यक यात्रा से बचने और स्थानीय अधिकारियों के निर्देशों का पालन करने की अपील की है। नेपाल में कर्फ्यू के बीच यति एयरलाइंस ने यात्रियों को सलाह दी है अगर परिस्थितियां अनुकूल हों, तब समय पर एयरपोर्ट पहुंचे। एयरलाइन ने टिकट कैंसिल और रिशेड्यूल कराने के लिए अपने कॉल सेंटर और एयरपोर्ट के नंबर भी शेयर किए हैं।

बता दें ओली सरकार के खिलाफ प्रदर्शन की शुरुआत सोमवार को हुई थी। इस दौरान प्रदर्शनकारियों को संभालने के लिए पुलिस ने फायरिंग की जिसमें करीब 20 प्रदर्शनकारी की मौत हो गई। उधर, ओली की पार्टी के नेता और पूर्व उपप्रधानमंत्री रघुवीर महासेठ के घर पर भी पथराव की खबर है। सत्तारूढ़ दल के नेता और नेपाली कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शेर बहादुर देउवा के घर पर भी प्रदर्शनकारियों ने कब्जा कर गाड़ियों में आगजनी की है।

हिंसक प्रदर्शन के बीच काठमांडू, ललितपुर और भक्तपुर जिलों के विभिन्न इलाकों में प्रशासन ने कर्फ्यू लागू किया है। काठमांडू जिला प्रशासन कार्यालय ने रिंग रोड क्षेत्र के भीतर सुबह 8:30 बजे से अनिश्चितकाल कर्फ्यू लगाने की घोषणा की। यह पाबंदी रिंग रोड के भीतर के सभी इलाकों पर लागू होगी, जिसमें बलकुमारी ब्रिज, कोटेश्वर, सिनामंगल, गौशाला, चाबहिल, नारायण गोपाल चौक, गोंगाबू, बालाजू, स्वयम्भू, कलंकी, बल्खु और बागमती ब्रिज शामिल हैं।

ललितपुर जिला प्रशासन कार्यालय ने मंगलवार को सुबह 9 से रात 12 बजे तक कर्फ्यू लगाने का आदेश दिया।

नेपाल में बिगड़ते हालात पर भारत की सीधी नजर

नेपाल में सोशल मीडिया पर लगे प्रतिबंध के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शन पर भारत सरकार ने कहा कि हम पूरी स्थिति पर नजर बनाकर रखे हुए हैं। इस पर भारतीय विदेश मंत्रालय ने आधिकारिक बयान जारी किया। विदेश मंत्रालय ने नेपाल में सोशल मीडिया पर लगे प्रतिबंध के खिलाफ जेन-जी के विरोध-प्रदर्शन के दौरान पुलिस के रवैये पर दुख जाहिर किया है। मंत्रालय ने कहा कि हमें इस बात का दुख है कि विरोध-प्रदर्शन के दौरान कई युवा घायल हो गए, कई को अपनी जान गंवानी पड़ी।

विदेश मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि हम मृतकों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदना जाहिर करते हैं। इसके अलावा, हम प्रार्थना करते हैं कि ईश्वर घायलों को जल्द से जल्द ठीक करें। भारतीय विदेश मंत्रालय की ओर से आगे कहा गया कि नेपाल के पड़ोसी देश होने के नाते हम पूरी स्थिति पर नजर बनाकर रखे हुए हैं। हम उम्मीद करते हैं कि नेपाल में जल्द से जल्द स्थिति ठीक हो जाए और अगर किसी बात को लेकर किसी के बीच कोई मतभेद है, तब उसका समाधान संवाद के जरिए निकाला जाए।

बिहार-छत्तीसगढ़ में हुई एफआईआर को जोड़ने की रामदेव की याचिका पर सुनवाई टली

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने योग गुरु बाबा रामदेव की याचिका पर सुनवाई टाल दी है जिसमें उन्होंने अपने खिलाफ बिहार और छत्तीसगढ़ में हुई एफआईआर को जोड़ने की बात कही थी। सुप्रीम कोर्ट में रामदेव के खिलाफ छत्तीसगढ़ में दर्ज एफआईआर पर क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की जा चुकी है। बता दें ये मामला कोविड काल के दौरान एलोपैथी के खिलाफ टिप्पणी करने से जुड़ा हुआ है।

सुप्रीम कोर्ट ने सवाल किया कि अगर रामदेव के खिलाफ केवल बिहार में दर्ज एफआईआर ही बची है, तो क्या एफआईआर को एक साथ जोड़ने की उनकी याचिका बरकरार रहेगी? इस मामले में रामदेव के खिलाफ बिहार और छत्तीसगढ़ में एफआईआर दर्ज की गई थी। रामदेव इस मामले में सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे और दोनों एफआईआर को जोड़ने की मांग की थी जिसे सुप्रीम कोर्ट ने टाल दिया है।

सुप्रीम कोर्ट को मंगलवार को कहा कि छत्तीसगढ़ के अधिकारियों ने योगगुरु और पतंजलि आयुर्वेद के संस्थापक रामदेव के खिलाफ कोविड-19 महामारी के दौरान एलोपैथिक दवाओं के खिलाफ की गई टिप्पणियों को लेकर दर्ज एफआईआर के संबंध में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की है। इस पर जस्टिस एम एम सुंदरेश और जस्टिस सतीशचंद्र शर्मा की पीठ ने पूछा कि एफआईआर को एक साथ जोड़ने की रामदेव की याचिका बरकरार नहीं रह सकती क्योंकि बिहार में केवल एक एफआईआर ही लंबित है।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इस घटनाक्रम की जानकारी दी। सॉलिसिटर जनरल ने टिप्पणी की कि ये एफआईआर स्पष्ट रूप से प्रायोजित व्यक्तियों द्वारा दर्ज की गई थीं। रामदेव के वकील ने अनुरोध किया कि आदेश में बयान दर्ज किया जाए। हालांकि पीठ ने ऐसा नहीं किया। उन्होंने आशंका व्यक्त की कि यदि शिकायतकर्ता विरोध याचिका दायर करता है तो कार्यवाही फिर से शुरू हो सकती है और इसलिए मामले का निपटारा करने से पहले बिहार में दर्ज एफआईआर की स्थिति का पता लगाया जा सकता है।

उद्धव ठाकरे के कई विधायक शिंदे गुट के संपर्क में, जल्द होंगे पार्टी में शामिल

नागपुर। महाराष्ट्र की राजनीति में बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव से पहले एक बार फिर हलचल तेज हो गई। शिवसेना (शिंदे गुट) के विधायक कृपाल तुमाने ने दावा किया है कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) के सिर्फ दो विधायकों को छोड़कर बाकी सभी विधायक एकनाथ शिंदे गुट के संपर्क में हैं और जल्द ही उनकी पार्टी में शामिल हो जाएंगे। तुमाने ने मंगलवार को कहा कि यूबीटी के लोग संजय राउत के रवैये से तंग आ चुके हैं। यही वजह है कि उनके दो विधायकों को छोड़कर बाकी सभी हमारे संपर्क में हैं। मुंबई के 80 फीसदी पूर्व नगरसेवक भी शिंदे गुट के साथ जुड़ने को तैयार हैं। उन्होंने दशहरा मेला के अवसर पर बड़े खुलासे और पार्टी प्रवेश समारोह की संभावना का भी जिक्र किया।

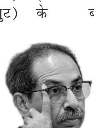

बता दें 2022 में महाराष्ट्र की राजनीति में उस समय भूचाल आ गया था, जब तत्कालीन सीएम उद्धव ठाकरे के खिलाफ एकनाथ शिंदे ने बगावत कर दी थी। इस बगावत के परिणामस्वरूप शिवसेना टूट गई और शिंदे के साथ 39 अन्य विधायकों ने उद्धव ठाकरे का साथ छोड़कर बीजेपी के साथ गठबंधन कर लिया था। इस घटना ने महाविकास अघाडी (एमवीए) गठबंधन सरकार, जिसमें शिवसेना, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी-शरद गुट) और कांग्रेस शामिल थे, को सत्ता से बाहर कर दिया था। शिंदे गुट और उद्धव ठाकरे गुट के बीच तनातनी अब भी जारी है। फिलहाल, बीएमसी चुनाव से पहले शिंदे गुट का यह दावा महाराष्ट्र सियासत में बड़े बदलाव का संकेत है।

यह दावा ऐसे समय में भी किया जा रहा है, जब बीएमसी चुनाव से पहले ठाकरे ब्रदर्स एकजुट हो रहे हैं। करीब 20 साल के बाद राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे एक साथ आए हैं। इसके कारण महाराष्ट्र के राजनीतिक समीकरण पहले ही बदल चुके हैं। ठाकरे ब्रदर्स पहली परीक्षा में असफल रहे हैं। बता दें महाराष्ट्र में बेस्ट एम्प्लॉयीज को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी के चुनावों में दोनों भाइयों उद्धव और राज ठाकरे की पार्टियों ने मिलकर चुनाव लड़ा था, लेकिन खाता भी नहीं खुला।

बिहार में 6 से 8 दलों का हुआ महागठबंधन...सीटों के बंटवारे को लेकर अंदर खाने जारी है मंथन

एनडीए में भी सीट विभाजन को लेकर अभी नहीं बनी सहमति

पटना। बिहार में विधानसभा चुनाव को लेकर एनडीए और महागठबंधन में सीटों के बंटवारे को लेकर बातचीत जारी है। दोनों जगह सीटों के बंटवारे को लेकर पेंच फंसा हुआ है। जहां एनडीए में चिराग पासवान, जीतन राम मांझी और उपेन्द्र कुशवाहा के बीच अधिक सीटें लेने को लेकर बयानबाजी जारी है। वहीं महागठबंधन में भी मुकेश सहनी, सीपीआई माले और आईएनसी के बीच अधिक सीटें लेने के लिए भी दबाव बनाने की कोशिश जारी है। महागठबंधन के दलों के प्रदेश अध्यक्षों की बैठक तेजस्वी यादव के साथ हुई। इसमें एक बड़ा फैसला लिया गया कि अब महागठबंधन में दो और दल शामिल हो सकते हैं इसमें पशुपति कुमार पारस की आरएलजेपी और हेमंत सोरेन की जेएमएम के नाम है।

बिहार में महागठबंधन में अभी 6 दल राजद, कांग्रेस, माले,सीपीई, सीपीएम और वीआईपी शामिल है। अब इसमें जेएमएम और एलजेपी (पारस) भी जुड़ गए हैं। मतलब अब बिहार की 243 विधानसभा सीटों को इंडिया गठबंधन के 8 घटक दलों के बीच बांटा जाएगा।

तेजस्वी के साथ बैठक के बाद सभी नेता कहते दिखे कि सीट शेयरिंग पर सकारात्मक बातचीत जारी है। सहनी ने कहा कि 15 सितंबर से पहले सीटों के बंटवारे का फाइनल फॉर्मूला सामने आएगा। लेकिन बिहार की राजनीति के जानकारों का कहना है कि यह इतना आसान नहीं है। क्योंकि चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक दलों की अपनी-अपनी महत्वकाक्षाएं हैं, जिसके बीच से सहमति का रास्ता निकालना मुश्किल है।

बिहार विधानसभा चुनाव 2020 में राजद 144 सीटों पर लड़ी, जिसमें 75 पर सफलता मिली। कांग्रेस 70 लड़ी थी, 19 पर जीत सकी। माले 19 सीटों पर लड़कर 12 जीती। सीपीएम 4 सीट पर लड़कर 2 सीट जीतने में सफल रही। वहीं सीपीआई ने 6 सीटों पर लड़कर 2 सीटें जीतीं थी।

लेकिन इस बार सहनी की वीआईपी भी महागठबंधन में हैं, जो 50 सीटों के साथ उपमुख्यमंत्री का पद भी चाहते हैं। सहनी चाहते हैं कि तेजस्वी के मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करने के साथ उन्हें भी उपमुख्यमंत्री का चेहरा महागठबंधन घोषित करें। मुकेश सहनी की मांग सबसे बड़ी है। इन्हें कैसे एडजस्ट किया जाता है, यह देखने वाली बात होगी।

सहनी को मनाना तेजस्वी या कांग्रेस के लिए कठिन काम होगा। महागठबंधन में उन्हें 20 से 25 सीटें ही मिल सकती है, इतनी सीटों पर भी महागठबंधन के कई दल आपत्ति कर रहे हैं। क्योंकि पिछली बार सहनी 11 सीटें लड़कर 4 ही जीत पाई थी, मगर इस बार तेजस्वी उन्हें अति पिछड़ा वोटों के लिए अपने साथ रखना चाहते हैं।

कांग्रेस इस बार 70 सीट ना मांग कर 60 सीटों तक मान जाएगी, बर्शते उनकी अच्छी या कहें जिताऊ सीटें मिलें।

यूनियन कार्बाइड के दोषियों की अपील पर सीबीआई ने रखे तर्क

भोपाल। यूनियन कार्बाइड के भारतीय दोषी अधिकारियों की अपील पर सोमवार को जिला न्यायालय में सुनवाई हुई। इस दौरान सीबीआई ने अपने लिखित और मौखिक तर्क अदालत के समक्ष रखे। अब अगली सुनवाई 6 अक्टूबर को होगी। जिसमें आरोपियों का पक्ष सुना जाएगा। 2011 से लंबित यह आपराधिक अपील जे. मुकंद, एस.पी. चौधरी और किशोर कामदार द्वारा दायर की गई है। सीबीआई ने इस मामले में तर्क दिया कि दोषियों द्वारा दायर याचिका सुनवाई योग्य नहीं है। एजेंसी ने बताया कि जिन धाराओं को चुनौती दी जा रही है, उन्हें सुप्रीम कोर्ट ने 13 सितंबर 1996 के आदेश में बरकरार रखा था। इसी आधार पर भोपाल ट्रायल कोर्ट ने 29 अगस्त 1997 से इन धाराओं पर सुनवाई शुरू की थी।

ई-केवाईसी में पिछड़ा नगर निगम

भोपाल। राजधानी में समग्र आईडी की ई-केवायसी कराने की रफ्तार बेहद धीमी है। यही वजह है कि बड़ी संख्या में पेंशनधारियों की पेंशन इस महीने से अटक सकती है। जबकि सरकार पहले ही स्पष्ट कर चुकी है कि किसी भी योजना का लाभ लेने के लिए समग्र आईडी की ई-केवायसी अनिवार्य है।

दरअसल यहां 45 लाख समग्र आईडी में से 11 लाख डुप्लीकेट हटाई जा चुकी हैं। अब 34 लाख आईडी बची हैं। इनमें से केवल 15 लाख की ही ई-केवायसी हो सकी है, जबकि 19 लाख आईडी अभी भी लंबित हैं। इसमें साढ़े तीन लाख वह पेंशनर्स भी शामिल है, जिनकी पेंशन तक बंद हो सकती है।

40वें नंबर पर भोपाल

ई-केवायसी की रफ्तार में प्रदेश के 55 जिलों में भोपाल 40वें नंबर पर है। जहां औसतन 200 से 300 लोग ही ई-केवायसी करा रहे हैं।

अरविंद केजरीवाल को अदालत से मिली विदेश जाने की अनुमति

सुलतानपुर। उप्र के सुलतानपुर की एक एमपी-एमएलए अदालत ने चुनाव आचार संहिता उल्लंघन के मामले का सामना कर रहे आम आदमी पार्टी (आप) के मुखिया अरविंद केजरीवाल को विदेश यात्रा पर जाने की अनुमति दे दी। केजरीवाल के वकील रूद्र प्रताप सिंह मदन ने मंगलवार को बताया कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री व आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल से संबंधित मामले की सुनवाई आठ सितंबर को हुई।

जिसके बाद अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा ने आदेश सुरक्षित रख लिया था और बाद में उन्हें विदेश जाने की अनुमति दे दी। आठ सितंबर को मदन ने संवाददाताओं को बताया था कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल के खिलाफ अमेठी में चुनाव आचार संहिता उल्लंघन का मामला दर्ज किया गया था। उन्होंने बताया, ''इससे पहले, अदालत ने इस शर्त पर केजरीवाल को पासपोर्ट के नवीकरण की अनुमति दे दी थी कि वह विदेश यात्रा पर जाने से पहले अदालत की अनुमति लेंगे। आज, हमने अदालत से उस शर्त को हटाने का अनुरोध किया, क्योंकि उन्हें विदेश यात्रा पर जाना है। सुनवाई हुई और आदेश सुरक्षित रख लिया गया।''

उल्लेखनीय है कि अगस्त में, अदालत ने केजरीवाल को अपने पासपोर्ट का नवीकरण कराने की अनुमति दे दी थी और अदालत की पूर्व मंजूरी के बिना देश से बाहर नहीं जाने का निर्देश दिया था। केजरीवाल के खिलाफ यह मामला 2014 के लोकसभा चुनाव से जुड़ा है। उस समय केजरीवाल अमेठी में आप प्रत्याशी कुमार विश्वास का चुनाव प्रचार करने आए थे। इसी दौरान अमेठी जिले के गौरीगंज और मुसाफिरखाना थाने में उनके खिलाफ आदर्श आचार संहिता का कथित तौर पर उल्लंघन करने के लिये दो मामले दर्ज किए गए थे। केजरीवाल इन मामलों में जमानत पर हैं। उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर वर्तमान में इस मामले में कार्यवाही स्थगित है।

राहुल गांधी मानहानि प्रकरण - गवाह की गवाही दर्ज, बचाव पक्ष की जिरह अधूरी

सुलतानपुर । केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ चल रहे मानहानि मामले में मंगलवार को अहम कार्यवाही हुई। अदालत में कोतवाली देहात क्षेत्र के पीताम्बरपुर निवासी गवाह अनिल मिश्र की गवाही दर्ज की गई। इस दौरान बचाव पक्ष के अधिवक्ता ने गवाह से जिरह शुरू की, लेकिन जिरह पूरी नहीं हो सकी।

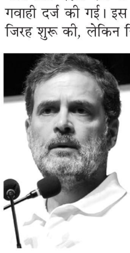

न्यायालय ने शेष जिरह के लिए 23 सितंबर की तिथि नियत की है। परिवादी भाजपा नेता एवं कोआपरेटिव बैंक के पूर्व चेयरमैन विजय मिश्र के अधिवक्ता संतोष पांडेय ने बताया कि मामला वर्ष 2018 का है। 4 अगस्त को विजय मिश्र ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का वाद दाखिल किया था। आरोप है कि राहुल गांधी ने बेंगलुरु की एक जनसभा में उस समय भाजपा अध्यक्ष रहे अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इससे आहत होकर उन्होंने मुकदमा दर्ज कराया। जिसमे कोर्ट ने बीते साल 27 नवम्बर को राहुल गांधी को तलब करने का आदेश दिया था। कोर्ट में हाजिर होकर राहुल गांधी ने 20 फरवरी 2024 को जमानत कराई थी तथा 25 जुलाई को उनका बयान कोर्ट में दर्ज हुआ था। बयान में उन्होंने इस मुकदमे को राजनीतिक साजिश बताया था। अब न्यायालय में 23 सितंबर को गवाह से बचाव पक्ष की आगे की जिरह होगी, जिस पर सभी की निगाहें टिकी हैं।

नीतीश ने सीट बंटवारे से पहले ही राजपुर सीट पर निराला को बनाया उम्मीदवार

पटना। आगामी बिहार विधानसभा चुनावों के लिए एनडीए सहयोगियों के साथ सीट बंटवारे की बातचीत से पहले जेडी(यू) ने अपनी दावेदारी पेश की है। पार्टी प्रमुख और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राजपुर सीट के लिए एकतरफा उम्मीदवार की घोषणा की है। कुछ दिन पहले ही पार्टी ने कहा था कि वे भाजपा से कम से कम एक सीट ज़्यादा पर चुनाव लड़ना चाहती है। बक्सर में पार्टी बैठक में, मंच पर वरिष्ठ भाजपा नेता और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के साथ मौजूद नीतीश ने पूर्व मंत्री संतोष कुमार निराला को राजपुर से जेडी(यू) का उम्मीदवार घोषित किया। राजपुर एक अनुसूचित जाति (एससी) के लिए आरक्षित निर्वाचन क्षेत्र है।

नीतीश ने बक्सर जिले में एक घोषणा की। निराला के नाम की घोषणा होते ही सभा स्थल निराला ज़िंदाबाद और हमारा नेता कैसा हो, निराला जैसा हो जैसे नारों से गूंज उठा। निराला को मंच पर बुलाकर, नीतीश ने कार्यकर्ताओं से चुनाव में उनका समर्थन करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह एक अच्छे इंसान हैं और पहले मेरे मंत्रिमंडल में परिवहन मंत्री रह चुके हैं।

निराला पहली बार 2010 में राजपुर से विधायक बने और 2015 में फिर से जीते, लेकिन 2020 के विधानसभा चुनाव में, जब जदयू ने भाजपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ा था, कांग्रेस उम्मीदवार विश्वनाथ राम से हार गए। हार के बावजूद, नीतीश ने निराला को महादलित आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया। एक वरिष्ठ जदयू नेता ने बताया कि इस बार उनकी उम्मीदवारी जमीनी स्तर की प्रतिक्रिया पर आधारित है।

इससे पहले, नीतीश ने बक्सर जिले में 325 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इसमें सड़क विस्तार कार्य और भारत रत्न से सम्मानित महान संगीतकार उस्ताद बिस्मिल्लाह खान के नाम पर एक विश्वविद्यालय की स्थापना शामिल है। इस मौके पर नीतीश ने कार्यकर्ताओं को याद दिलाया कि चुनाव बस कुछ ही महीने दूर हैं। उन्होंने कहा, याद रखें कि आपका समर्थन पार्टी के कई उम्मीदवारों को राज्य विधानसभा में पहुँचाएगा। राज्य को आगे बढ़ाने के लिए हमें आपके सक्रिय सहयोग की आवश्यकता है।

अयोध्या का दीपोत्सव रचेगा नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड, 26 लाख से ज्यादा दीपक करेंगे रामनगरी को रोशन

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में एक नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित करने की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। पर्यटन विभाग द्वारा सरयू नदी के तट, राम की पैड़ी और अन्य घाटों पर दीपों की अनूठी श्रृंखला सजाकर एक मनमोहक दृश्य प्रस्तुत किया जाएगा। इस बार अयोध्या का दीपोत्सव अपने पिछले रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए तैयार है।

पर्यटन और संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि आयोजन की तैयारियां पूरे उत्साह के साथ चल रही हैं। अयोध्या में 2017 से दीपोत्सव को भव्य और आध्यात्मिक रूप से मनाया जा रहा है। इस परंपरा को कायम रखते हुए इस वर्ष सरयू तट पर सबसे विशाल दीप प्रज्वलन और भव्य आरती समारोह का आयोजन होगा। इस बार 26 लाख से अधिक दीपकों के साथ गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने का लक्ष्य रखा गया है। मंत्री ने कहा कि दीपोत्सव न केवल अयोध्या के सांस्कृतिक गौरव को उजागर करता है, बल्कि इसे वैश्विक स्तर पर और अधिक प्रसिद्धि दिलाएगा। उन्होंने बताया कि राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद यह दूसरा दीपोत्सव होगा, जिसे और भी भव्यता के साथ मनाने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। राम की पैड़ी और अन्य घाटों पर 26 लाख से ज्यादा दीपक जलाकर नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया जाएगा।

इसके साथ ही सरयू तट पर अब तक की सबसे विशाल आरती का आयोजन होगा, जिसमें 1100 से अधिक संत-महात्मा, धर्माचार्य और स्थानीय लोग हिस्सा लेंगे। आयोजन से तीन दिन पहले तैयारियां शुरू हो जाएंगी, और गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के मानकों के अनुसार डिजाइन और समन्वय का कार्य किया जाएगा। इस अवसर पर छात्र और स्वयंसेवक गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। वे दीपकों की सजावट, प्रज्वलन, गिनती और सत्यापन जैसे कार्यों को गिनीज मानकों के अनुसार पूरा करेंगे। पर्यटन विभाग, जिला प्रशासन, अवध विश्वविद्यालय और अन्य संस्थाएं इस आयोजन के लिए लगातार समन्वय कर रही हैं। पर्यटन और संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव मुकेश कुमार मेश्राम ने कहा कि दीपोत्सव हमारी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक है। इस वर्ष अयोध्या में होने वाला दीपोत्सव पिछले वर्षों की तुलना में और भी भव्य होगा, और इसके लिए सभी तैयारियां पूरी की जा रही हैं।

एनएसयूआई ने एनआरआई कोटे में लगाया भ्रष्टाचार का आरोप, कहा

फर्जी एनआरआई सर्टिफिकेट से दाखिले देकर हर साल एक हजार करोड़ की अवैध कमाई

भोपाल ।मप्र के निजी मेडिकल और डेंटल कॉलेजों में प्रवेश प्रक्रिया को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) ने पूरी व्यवस्था पर गंभीर आरोप लगाए हैं। कांग्रेस प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी ने कहा कि एमबीबीएस, बीडीएस और पीजी (एमडी /एमएस/ एमडीएस) कोर्सों में एनआरआई कोटे के नाम पर हर साल 800 से 1000 करोड़ रुपए की अवैध कमाई की जा रही है। आरोप है कि यह पूरा खेल शासन, शिक्षा विभाग और निजी कॉलेज संचालकों की मिलीभगत से चलता है, जिससे गरीब और मेधावी छात्रों का भविष्य लगातार दांव पर लग रहा है।

एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने कहा कि कॉलेजों में प्रवेश प्रक्रिया में जानबूझकर गड़बड़ी की जाती है। निजी कॉलेज मोटी रकम लेकर छात्रों को फर्जी एनआरआई सर्टिफिकेट उपलब्ध कराते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 2017 में दिए आदेश में स्पष्ट किया था कि केवल माता-पिता, भाई-बहन, चाचा-चाची या दादा-दादी ही स्पॉन्सर हो सकते हैं। लेकिन मप्र में कोई भी व्यक्ति पैसे देकर स्पॉन्सर बन जाता है। नियम के मुताबिक फीस भी स्पॉन्सर के खाते से जमा होनी चाहिए, लेकिन यहां छात्र या उसका परिवार ही फीस भरता है।

एनएसयूआई ने आरोप लगाया कि कई बार बाहर के राज्यों से पढ़े छात्रों को फर्जी निवासी प्रमाण पत्र बनवाकर प्रवेश दिया जाता है, जबकि प्राथमिकता मध्यप्रदेश के मूल निवासी छात्रों को मिलनी चाहिए। इससे प्रदेश के एससी, एसटी, ओबीसी और ईडब्ल्यूएस वर्ग के मेधावी छात्र-छात्राओं को नुकसान उठाना पड़ता है।

सीएम सेक्रेटेरिएट को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। दिल्ली के सीएम सेक्रेटेरिएट और मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज को मंगलवार को बम की धमकी भरे ईमेल मिले। दिल्ली फायर सर्विस के अनुसार, धमकी से जुड़ा एक कॉल भी आया था, जिसके बाद एहतियात के तौर पर कई दमकल गाडियों को मौके पर भेजा गया। दिल्ली पुलिस ने कहा कि धमकी भरे ईमेल में मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज और मुख्यमंत्री सचिवालय, दोनों में बम होने की जानकारी थी। मानक संचालन प्रक्रियाओं के तहत, दोनों जगहों पर बम का पता लगाने और उसे निष्क्रिय करने वाली टीमों को तैनात किया गया।

कैसे लगाए ई-अटेंडेंस! लिक हो रहा डाटा, खाली हो रहा बैंक खाता

तमाम शिक्षक संगठनों ने फिर जताया ई अटेंडेस का विरोध, बैठक कर बनाई रणनीति, कहा जब तक डाटा सुरक्षित नहीं होगा तब तक नहीं लगाएंगे ईअटेंडेंस, शिक्षकों को नोटिस मिलने पर भी जताई नाराजगी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मध्य प्रदेश शासन के बाद अब जिला प्रशासन भी ई अटेंडेंस को लेकर सख्त रूप अपना रहा है। जहां एक दिन पूर्व सोमवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित टीएल बैठक में ,कलेक्टर मृणाल मीना ने ,विभागीय अफसरो को स्पष्ट निर्देशित करते हुए ई-अटेंडेंस के नियम का अनिवार्य रूप से पालन कराए जाने के सख्त निर्देश दिए हैं।जहां उन्होंने इस नियम का पालन न करने वाले शिक्षकों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करने के आदेश जारी किए है।तो वही शिक्षको के साथ-साथ बीआरसी और खंड शिक्षा अधिकारियों पर भी कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर द्वारा दिए गए इन निर्देशो के बाद से ही ईअटेंडेंस को लेकर एक बार फिर से जिले के सभी शिक्षक संगठन नाराज है।जिन्होंने एक बार फिर से ई अटेंडेंस नियम का विरोध करते हुए, सर्व प्रथम एप की कमियों में तकनीकी सुधार करने, एप का डाटा सुरक्षित रखने और बैंक खाता सहित अन्य प्रकार की सुरक्षा की गारंटी दिए जाने की मांग की है। जहां उन्होंने नेटवर्क समस्या और डाटा सुरक्षा की गारंटी मिलने के बाद ही ई-अटेंडेंस के इस नियम को मानने और एप के माध्यम से अपनी ईअटेंडेंस लगाए जाने की बात कही है।वही ई अटेंडेंस को लेकर जारी किए गए इस फरमान और प्रदेश भर में शिक्षकों के साथ ई अटेंडेस को लेकर घटी घटनाओ पर विचार करने के लिए मंगलवार को शिक्षा संवर्ग से जुड़े सभी संगठनों की एक सामूहिक बैठक का आयोजन किया गया। आजाद अध्यापक शिक्षक संघ के बैनर तले नगर के मोती गार्डन में आयोजित इस बैठक में सर्व सहमति से निर्णय लिया गया कि जब तक सरकार डाटा, खाता व एप से सम्बंधित अन्य सुरक्षा की गारंटी नहीं देती और जब तक नेटवर्क सहित अन्य तकनीकी समस्याओं को दूर नहीं कर लिया जाता। तब तक कोई भी शिक्षक ईअटेंडेंस नहीं लगाएगा।जहां एप के माध्यम से ई-अटेंडेंस लगाने में आने वाली विभिन्न परेशानियों को लेकर उन्होंने कलेक्टर से मुलाकात कर अपनी बात रखने की भी रणनीति बनाई है।

ई अटेंडेस नही लगाने पर कई शिक्षको को थमाए गए नोटिस

उधर जिला शिक्षा अधिकारी के निर्देशन पर ई अटेंडेस ना लगाने वाले शिक्षकों को नोटिस थमाने का सिलसिला भी शुरू हो चुका है।बैठक में बताया गया कि सबसे ज्यादा लांजी क्षेत्र के शिक्षको को विभाग द्वारा नोटिस थमाए गए है।जिसका विरोध भी समस्त शिक्षक संगठनों द्वारा किया गया है।बैठक के दौरान

आजाद अध्यापक शिक्षक संघ, प्रांतीय शिक्षक संघ, राज्य शिक्षक संघ, शासकीय शिक्षक संघ, शिक्षक कांग्रेस, पुरानी पेंशन बहाली संघ, सेवानिवृत कर्मचारी संगठन सहित अन्य संगठनों के पदाधिकारी सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

ना डाटा सुरक्षित है, ना बैक खाता सुरक्षित है, कई शिक्षको के साथ हो चुका फ्रॉड

बैठक के दौरान शिक्षकों ने बताया कि इस ऐप के माध्यम से ई-अटेंडेंस लगाने कहा जा रहा है। जबकि एप के माध्यम से कई तरह के साइबर फ्रॉड हो चुके हैं। बालाघाट जिला ही नहीं बल्कि प्रदेश भर से साईबर फ्रॉड के मामले सामने आ रहे हैं। जिसमें बताया गया है कि उनका सरकारी रिकॉर्ड, व उनका पर्सनल डाटा एप के माध्यम से लिक हो चुका है। तो वही कई साथियो के साथ साइबर फ्रॉड कर बैंक खाते खाली कर दिए गए हैं। इस ऐप के माध्यम से ना तो डाटा सुरक्षित है, और ना ही बैंक खाता सुरक्षित है।वही नेटवर्क सहित अन्य तकनीकी समस्याओ का भी समाधान नहीं किया गया है।कई लोगों के साथ साइबर फ्रॉड हो चुका है इसीलिए हम सुरक्षा की गारंटी मांग रहे हैं।यदि सरकार, हमारे डाटा और बैंक खाता की सुरक्षा की गारंटी देती है और बैंक खाते से गया पैसा वापस किया जाता है तो हम ईअटेंडेंस एप के माध्यम से लगाने तैयार है।

पहले समस्या का समाधान करो, फिर लगाएंगे ई अटेंडेस

सरकारी स्कूलों में शिक्षको की समय से उपस्थिति सुनिश्चित करने, शिक्षा के क्षेत्र में गुणात्मक सुधार लाने और सरकार के आदेशों का कड़ाई से पालन कराने के लिए लोक शिक्षण संचानालय ने शिक्षको के लिए 1 जुलाई को एक आदेश जारी किया था।जारी किए गए इस आदेश में सभी शिक्षकों को मोबाईल एप के माध्यम से ई अटेंडेंस प्रणाली के तहत हाजरी लगाना अनिवार्य किया गया है।बताया गया कि मध्य प्रदेश शासन द्वारा मोबाइल एप के नए वर्जन के जरिए शिक्षकों की अटेंडेंस को वेतन से भी जोड़ दिया गया है। जानकारी के अनुसार अगर एप से अटेंडेंस नहीं लगाई तो वेतन भी जनरेट नहीं होगा।इसलिए शिक्षकों को हर हाल में ई-अटेंडेंस लगाना अनिवार्य किया गया है।लेकिन शासन द्वारा जारी किए गए इस आदेश का विरोध प्रदेश भर के समस्त शिक्षकों द्वारा किया जा रहा है।विभिन्न शिक्षक संगठनों के पदाधिकारी शिक्षकों ने स्पष्ट कर दिया है कि चाहे कुछ भी हो जाए वे तब तक मोबाईल एप में ई-अटेंडेंस नहीं लगाएंगे जब तक डाटा और खाता सुरक्षित रखने की गारंटी नही मिल जाती।वही नेटवर्क सहित अन्य समस्या दूर होने के बाद ही ई अटेंडेस लगाने की बात कही है।

शिक्षकों के विरोध के बावजूद लागू किया गया नियम

बताया गया कि यहां कोई पहली बार नहीं हुआ है बल्कि इसके पूर्व में भी शासन द्वारा शिक्षकों के लिए ई-अटेंडेंस का नियम लागू किया गया था।लेकिन शिक्षकों के लगातार विरोध के चलते इस नियम का पालन नहीं हो सका। शासन को पहले से पता है कि शिक्षक ऐसे नियम का विरोध करेंगे शिक्षकों के भारी विरोध के बावजूद शिक्षा विभाग ने एक बार फिर ई-अटेंडेंस अनिवार्य का नियम लागू कर दिया है।जिसमे सभी सरकारी स्कूलों में भले ही बच्चे नहीं आएंगे, लेकिन शिक्षकों को स्कूल पहुंचकर सार्थक मोबाइल एप के माध्यम से ई-अटेंडेंस लगाने के आदेश जारी किए हैं। जिसको लेकर शिक्षको को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।तो वही सर्वर प्रबलम के अलावा अन्य तकनीकी समस्या को भी दुरस्त नही किया गया है।

शिक्षकों के लिए यह तुगलकी फरमान है-अरविंद पारधी

आजाद अध्यापक शिक्षक संघ प्रांतीय महासचिव अरविंद पारधी ने बताया कि आज बालाघाट जिले के शिक्षक संवर्ग के तमाम संगठनो की सामूहिक रूप से ई अटेंडेंस को लेकर बैठक बुलाई गई है। मध्य प्रदेश सरकार ने ई अटेंडेंस का एक तुगलकी फरमान जारी किया है।जिसमें सभी शिक्षकों को भी अटेंडेंस लगाने के लिए कहा गया है। जो शिक्षको की अटेंडेंस के लिए मोबाइल में ऐप इंस्टॉल कर उसमें विभिन्न जानकारियां भर रहे है ऐसे कुछ शिक्षकों के साथ में साइबर ठगी हो रही है। हमारे पास ऐसी कई शिकायत आई है। उनका डाटा लिक हो गया है, बैंक खाता खाली हो गए हैं, बैंक बैलेंस जीरो हो रहा है, कई लोगों के मोबाइल हैंक हो गए हैं ,उनका डाटा तक सुरक्षित नहीं है।हम शासन से मांग करते हैं कि पहले ऐप को सुरक्षित किया जाए, डाटा और बैक खाता सुरक्षा की गारंटी दी जाए, नेटवर्क की समस्या और अन्य तकनीकी खामियों को समाप्त किया जाए।उसके बाद हम ई अटेंडेंस लगाने तैयार है।हम बुधवार को कलेक्टर साहब से मुलाकात करेंगे और उन्हें अपनी समस्याएं बताएंगे।मप्र शासन हमें विश्वास दिलाए की साइबर फ्रॉड नहीं होगा ,बैंक अकाउंट से गया हुआ पैसा वापस आएगा, तो ही हम भी ई अटेंडेंस लगाएंगे।

मोबाइल में कव्वाली सुनने को लेकर पिता पुत्र के बीच हुई हाथापाई-बीच बचाव करने आई बेटी भी चोटिल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। नगर के वार्ड नंबर 3 ताज नगर में मोबाइल से कव्वाली सुनने के विवाद को लेकर पिता पुत्र के बीच हाथापाई हो गई वही बचाव करने आई एक लड़की भी चोटिल हो गई। दोनों का इलाज जिला अस्पताल में किया गया जिनमे नौशाद खान पिता स्व. दाऊद खान 51 वर्ष बालाघाट और उनकी बेटी नुसरत खान पिता नौशाद खान 20 वर्ष वार्ड नंबर 3 ताज नगर बालाघाट निवासी है। नौशाद खान ने अपने बेटे दिलशाद पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। नौशाद खान पेंटर काम करते हैं। 8 सितंबर की रात 10ः30 बजे नौशाद खान मोबाइल में कव्वाली सुन रहे थे। तभी उनका बेटा दिलशाद शराब पीकर घर आया और अपने पिता नौशाद खान का मोबाइल पकड़ कर बोलने लगा कि क्या सुन रहे हो कहकर मोबाइल बंद कर दिया था। फिर नौशाद खान ने मोबाइल चालू किया और कव्वाली सुनने लगे थे। तभी दिलशाद खान गाली देने लगा।नौशाद खान ने अपने बेटे दिलशाद को गाली देने से मना किया तभी दोनों पिता पुत्र के बीच विवाद हो गया और दोनों पिता पुत्र के बीच हाथापाई हो गई जिससे नौशाद खान चोटिल हो गया वहीं नौशाद खान और उसके बेटे दिलशाद के बीच हो रहे झगड़े में बीच बचाव करने नुसरत खान आई तो वह भी चोटिल हो गई। बीच बचाव के बाद झगड़े में चोटिल हुए नौशाद खान और उनकी बेटी नुसरत खान को डायल 112 से जिला अस्पताल लाया गया । दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया। जिला अस्पताल पुलिस ने नौशाद खान और उनकी बेटी नुसरत खान का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु कोतवाली भिजवा दी है।

आवश्यकता है

डाटा एण्ट्री ऑपरेटर की आवश्यकता है

संपर्क करें-पद्मेश सिटी केबल काली पुतली चौक, बालाघाट

किराये पर चाहिए

बालाघाट शहर में कोई भी ऐसी बिल्डिंग जिसमें न्युनतम 8000-9000 वर्ग फीट जगह हो, कोचिंग संस्थान चलाने के लिए लीज पर नवंबर 2025 से चाहिए। विद्यार्थियों के लिए पार्किंग सुविधा अनिवार्य है। पुरानी या बंद पाठशाला, कोचिंग संस्थान की बिल्डिंग के मालिक नीचे दिए गए मोबाइल नंबर पर संपर्क करे।

Mob No. 8948940687,8889063333

आकाशी बिजली गिरने से एक बकरा और तीन बकरी की मौत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बैहर थाना अंतर्गत ग्राम मेंडकी समीप बाबा मंडी के जंगल में आसमानी बिजली गिरने से एक बकरा और तीन बकरी की मौत हो गई। 9 सितंबर को दोपहर बजे घटना उसे समय हुई जब इन बकरा बकरियों को उसका मालिक पिनोद सेंदरे बाबा मंडी के जंगल में चराने के लिए ले गया था ।इस प्राकृतिक घटना की सूचना पिनोद सेंदरे के द्वारा बैहर पुलिस थाना में दी गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम मेंडकी निवासी पिनोद सेंदरे खेती किसानी और मजदूरी करते हैं इसके अलावा वे अपने घर की बकरी भी चलाते हैं। रोज की तरह 9 सितंबर को दोपहर में पिनोद सेंदरे ने अपने घर की बकरी चराने के लिए अपने ग्राम समीप बाबा मंडी के जंगल तरफ ले गया था। 3ः00 बजे मौसम खराब हो गया और आसमानी बिजली गरजने के साथ बारिश होने लगी थी। पिनोद सेंदरे वहीं पर बनी झोपड़ी में चला गया था। और उसकी एक बकरा और तीन बकरी बरगद के पेड़ के नीचे चली गई थी। उसी समय अचानक बरगद के पेड़ के पास आकाशीय बिजली गिरने से पिनोद सेंदरे के एक बकरा और तीन बकरी की आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। जिसकी रिपोर्ट पिनोद सेंदरे 30 वर्ष ग्राम मेंडकी निवासी ने बैहर थाना में की। बैहर पुलिस ने मृत मवेशी कायम कर जांच शुरू की है । आकाशी बिजली की चपेट में आने से मृत एक बकरा और तीन बकरी की कीमत 40 हजार रुपये बताई गई है।

पैसा ठीक होने के बाद देना

शादी से पहले एवं शादी के बाद

उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।

पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना

गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट